तरुण छत्तीसगढ़

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com

कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2024-2026

सुनालिया ज्वेलर्स

हीरा, स्वर्ण, हॉलमार्क ज्वेलरी, रजत, राशि नग के विक्रेता

मो. 94255-32524,94241-43922

पावर हाउस रोड, कोरबा

वर्ष 37 अंक 96 | कोरबा, सोमवार, दिनांक 05 जनवरी 2026 डाक 06 जनवरी 2026 | पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

विविधा

सोमनाथः अटूट आस्था के 1000 वर्ष (1026-2026)

देश-विदेश

मुंबई बीएमसी चुनावः शिवसेना-मनसे का घोषणापत्र, मुफ्त बिजली और मासिक भत्ते का वादा

फीचर पेज

भारत के प्रसिद्ध सुंदर और टॉप पर्यटन स्थल

उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिका खारिज

दिल्ली दंगों पर सुप्रीम कोर्ट का आदेश

नईदिल्ली 05 जनवरी [एजेंसी]।

दिल्ली दंगों से जुड़े मामले पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई की गई। सर्वोच्च न्यायालय ने शरजील इमाम और उमर खालिद की जमानत याचिका खारिज कर दी है। दिल्ली दंगे के अन्य आरोपियों को जमानत दे गई है। दिल्ली दंगों के सात आरोपी गुलफिशा फातिमा, शरजील इमाम, मीरान हैदर, उमर खालिद, शिफा-उर-रहमान, मोहम्मद शकील खान और शादाब अहमद ने सुप्रीम कोर्ट से जमानत की मांग की थी। मगर कोर्ट ने दो आरोपियों को जमानत देने से इनकार कर दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली दंगों के पांच आरोपियों को शर्तों के साथ जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने 12 शर्तें रखी हैं। इसी के साथ गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर, शिफा-उर-रहमान, मोहम्मद शकील खान और शादाब अहमद की जमानत को मंजूरी मिल गई है। 2020 में दिल्ली में दंगा भड़काने से जुड़े मामले में सभी को गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट पहले भी जमानत याचिका खारिज कर चुका है। सर्वोच्च न्यायालय ने 10 दिसंबर 2025 को सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रखा था। आरोपियों का कहना है कि वो पिछले 5 साल से सलाखों के पीछे कैद हैं। वहीं, दिल्ली में दंगा भड़काने को लेकर उनके खिलाफ कोई ठोस सबूत सामने नहीं आया है। इससे पहले 2 सितंबर 2025 को दिल्ली हाईकोर्ट ने सभी आरोपियों को जमानत देने से इनकार कर दिया था। सभी आरोपियों पर 2020 में नागरिकता संशोधन कानून और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर का विरोध प्रदर्शन करते समय सांप्रदायिक रूप से भड़काऊ भाषण देने का आरोप है, जिसके कारण दिल्ली में दंगे भड़क उठे थे। दिल्ली दंगों में 15 हिंदू समेत 53 लोगों की मौत हुई थी। वहीं, 700 से अधिक लोग घायल थे।

जवाहरलाल नेहरू सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के पक्ष में नहीं थे : पीएम मोदी

नईदिल्ली, 05 जनवरी [एजेंसी]।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को एक पुराने प्रसंग को याद किया। उन्होंने बताया कि देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के पक्ष में नहीं थे। उनका मानना था कि सरकार और बड़े संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों को इस काम से नहीं जुड़ना चाहिए। अपने ब्लॉग में प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा कि स्वतंत्रता के बाद सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण की जिम्मेदारी सरदार वल्लभभाई पटेल पर आई। यह वही मंदिर है, जिस पर साल 1026 में आक्रमण हुआ था। उन्होंने बताया कि दीपावली 1947 में सरदार पटेल जब सोमनाथ पहुंचे, तो वहां की स्थिति देखकर वे बहुत भावुक हो गए। इसी यात्रा के बाद उसी स्थान पर मंदिर को दोबारा बनाने का फैसला हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा कि 11 मई 1951 को सोमनाथ मंदिर भक्तों के लिए खोला गया। उस समय देश के राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद इस ऐतिहासिक अवसर पर मौजूद थे। प्रधानमंत्री मोदी के अनुसार, पंडित जवाहरलाल नेहरू चाहते थे कि सरकार आधिकारिक रूप से इस मंदिर के पुनर्निर्माण से न जुड़े। वे राष्ट्रपति और मंत्रियों की मौजूदगी के भी पक्ष में नहीं थे। नेहरू का मानना था कि इससे भारत की छवि पर गलत असर पड़ेगा। हालांकि, राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद अपने फैसले पर अडिग रहे और समारोह में शामिल हुए।

प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा कि दुर्भाग्य से सरदार पटेल इस ऐतिहासिक दिन को देखने के लिए जीवित नहीं थे, लेकिन उनका सपना देश के सामने साकार होकर खड़ा था। उन्होंने लिखा, तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू इस घटना से अधिक उत्साहित नहीं थे। वे नहीं चाहते थे कि माननीय राष्ट्रपति और मंत्री इस समारोह का हिस्सा बनें। उन्होंने कहा कि इस घटना से भारत की छवि खराब होगी। लेकिन राजेंद्र बाबू अडिग रहे, और फिर जो हुआ, उसने एक नया इतिहास रच दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सोमनाथ मंदिर की बात के.एम. मुंशी का जिक्र किए बिना अधूरी है। उन्होंने सरदार पटेल का पूरा साथ दिया। मुंशी की किताब 'सोमनाथ, द श्राइन इटरनल' को प्रधानमंत्री ने बेहद ज्ञानवर्धक बताया और कहा कि इसका नाम ही भारत की सभ्यतागत सोच को दर्शाता है, जिसमें आत्मा और विचारों की अमरता पर विश्वास किया जाता है। उन्होंने कहा, हम विश्वास करते हैं- नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः।

सोमनाथ का भौतिक ढांचा नष्ट हो गया, लेकिन उसकी चेतना अमर रही। इन्हीं विचारों ने हमें हर कालखंड में, हर परिस्थिति में फिर से उठ खड़े होने, मजबूत बनने और आगे बढ़ने का सामर्थ्य दिया है। इन्हीं मूल्यों और हमारे लोगों के संकल्प की वजह से आज भारत पर दुनिया की नजर है। दुनिया भारत को आशा और विश्वास की दृष्टि से देख रही है। वो हमारे इनोवेटिव युवाओं में निवेश करना चाहती है। हमारी कला, हमारी संस्कृति, हमारा संगीत और हमारे अनेक पर्व आज वैश्विक पहचान बना रहे हैं। योग और आयुर्वेद जैसे विषय पूरी दुनिया में प्रभाव डाल रहे हैं। ये स्वस्थ जीवन को बढ़ावा दे रहे हैं। आज कई वैश्विक चुनौतियों के समाधान के लिए दुनिया भारत की ओर देख रही है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'समुद्र प्रताप' को किया कमीशन, हिंद महासागर में बढ़ेगी ताकत

पणजी। गोवा शिपयार्ड में भारत की समुद्री सुरक्षा को और मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम उठाया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत की मौजूदगी में भारतीय तटरक्षक बल के नए जहाज ICGS 'समुद्र प्रताप' को औपचारिक रूप से कमीशन किया। इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि 'समुद्र प्रताप' जैसे प्रोजेक्ट आत्मनिर्भर भारत की सोच को जमीन पर उतारते हैं। उन्होंने बताया कि इस जहाज में इस्तेमाल की गई 60 प्रतिशत से अधिक सामग्री स्वदेशी है, जो मेक इन इंडिया पहल की बड़ी सफलता है। राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन में कहा इस जहाज में स्वदेशी तकनीक और संसाधनों का व्यापक इस्तेमाल किया गया है। यही आत्मनिर्भर भारत की असली पहचान है। 'मेक इन इंडिया' का वास्तविक अर्थ ऐसे ही रक्षा प्रोजेक्ट्स में दिखाई देता है। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय तटरक्षक बल समुद्री सीमाओं की सुरक्षा, तस्करी रोकने, खोज और बचाव अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, और 'समुद्र प्रताप' जैसे आधुनिक जहाज इस क्षमता को और मजबूत करेंगे। गोवा शिपयार्ड लिमिटेड में निर्मित यह जहाज निगरानी, समुद्री कानून प्रवर्तन और आपात स्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया के लिए खास तौर पर डिजाइन किया गया है।

असम में 5.1 तीव्रता का भूकंप आया किसी के हताहत होने की खबर नहीं

गुवाहाटी। एक आधिकारिक बुलेटिन में कहा गया है कि सोमवार सुबह असम के मध्य भाग में 5.1 तीव्रता का भूकंप आया। अधिकारियों ने कहा कि किसी के घायल होने या किसी संपत्ति के नुकसान की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं है। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी की रिपोर्ट में कहा गया है कि भूकंप सुबह 4.17 बजे ब्रह्मपुत्र के दक्षिणी तट पर मोरीगांव जिले में 50 किमी की गहराई पर दर्ज किया गया था। इसमें कहा गया है कि भूकंप का केंद्र मध्य असम में 26.37 उत्तर अक्षांश और 92.29 पूर्व देशांतर पर स्थित था। पड़ोसी कामरूप मेट्रोपॉलिटन, नागांव, पूर्वी कार्बी आंगलोंग, पश्चिम कार्बी आंगलोंग, होजाई, दिमा हसाओ, गोलाघाट, जोरहाट, शिवसागर, चराइदेव, कछार, करीमगंज, हैलाकांडी, धुबरी, दक्षिण सलमारा-मनकाचर और गोलपारा जिलों में भी लोगों को झटका महसूस हुआ। दरांग, तामुलपुर, सोनितपुर, कामरूप, बिश्वनाथ, उदलगुरी, नलबाड़ी, बजाली, बारपेटा, बक्सा, चिरांग, कोकराझार, बोंगाईगांव और ब्रह्मपुत्र के उत्तरी तट पर स्थित लखीमपुर में भी भूकंप का झटका महसूस किया गया।

एलजी मनोज सिन्हा ने की जम्मू-कश्मीर विधानसभा बजट सत्र-2026 बुलाने की उद्घोषणा, 2 फरवरी को होगी शुरुआत

जम्मू। केंद्र शासित जम्मू कश्मीर प्रदेश विधानसभा का बजट सत्र-2026 ,दो फरवरी को शुरु होगा। उपराज्यपाल ने सत्र बुलाने की उद्घोषणा कर दी है। इसके साथ ही विधानसभा सचिवालय ने भी सभी सदस्यों को सदन की कार्यवाही में शामिल किए जाने वाले तारांकित-गैर तारांकित प्रश्नों , निजि विधेयकों और प्रस्तावों को जमा करने के लिए कहा है। सत्र की शुरुआत उपराज्यपाल के अभिभाषण के साथ होगी। 31 अक्टूबर 2019 को अस्तित्व में आए केंद्र शासित जम्मू कश्मीर प्रदेश विधानसभा का यह दूसरा वार्षिक बजट सत्र होगा। केंद्र शासित जम्मू कश्मीर में पहली विधानसभा का गठन अक्टूबर 2024 में हुआ था और विधानसभा का पहला सत्र मार्च-अप्रैल, 2025 में संपन्न हुआ था। जम्मू कश्मीर विधानसभा के सचिव मनोज कुमार पंडिता के अनुसार, जम्मू कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 की धारा18(1) के तहत अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने जम्मू कश्मीर प्रदेश विधानसभा का दो फरवरी 2026 को जम्मू में सत्र बुलाया है।

घने कोहरे में आगरा-ग्वालियर हाईवे पर हादसाः कई गाड़ियां टकराई, दो की मौत

आगरा। ग्वालियर हाईवे पर इरादतनगर क्षेत्र में घने कोहरे के कारण हुए भीषण सड़क हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा इतना भयावह था कि कई वाहन आपस में टकरा गए, जिससे हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई और यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। हादसे में विष्णु निवासी बाद, थाना मलपुरा तथा इमरान निवासी किरावली की मौके पर ही मृत्यु हो गई। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर हाईवे पर यातायात सुचारू कराया। हादसा कोहरे के कारण हुआ।

MLA के बेटे की कार ने मारी ठोकर अग्रसेन धाम चौक के पास हादसा

रायपुर। राजधानी में फिर रफ्तार के कहर ने एक युवक को गंभीर रूप से घायल कर दिया। अग्रसेन धाम चौक के पास बीती देर रात तेज रफ्तार कार चालक ने बाइक सवार को ठोकर मारी। इसमें बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे राहगीरों ने अस्पताल में भर्ती कराया जहां उपचार जारी है। उक्त तेज रफ्तार कार में दो युवक और दो युवतियां थी सवार थीं। जो रविवार वीकेंड नाइट पार्टी से रायपुर शहर की ओर लौट रहे थे।हादसे के बाद कार सवार सभी फरार हो गए। कार किसी विधायक के बेटे की बताई जा रही है।

सदन में मास्क लगाकर पहुंचे आप विधायक, प्रदूषण के मुद्दे पर हंगामा

नईदिल्ली 05 जनवरी [एजेंसी]।

दिल्ली विधानसभा का चार दिवसीय शीतकालीन सत्र सोमवार को उपराज्यपाल वीके सक्सेना के अभिभाषण के साथ शुरू हुआ। सत्र की शुरुआत में ही एलजी के अभिभाषण के दौरान विपक्ष के विधायकों ने वायु प्रदूषण के मुद्दे पर हंगामा किया। इस हंगामे के कारण स्पीकर को कार्रवाई करनी पड़ी और विपक्ष के विधायकों को सदन से बाहर निकलवाना पड़ा। स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने कुलदीप कुमार, सोमदत्त और संजीव झा को सदन से बाहर निकालने का आदेश दिया। आम आदमी पार्टी वायु प्रदूषण के मुद्दे पर भारतीय भाजपा सरकार को घेरने की पूरी तैयारी में है, और इसी के चलते सदन में आप के विधायक मास्क लगाकर पहुंचे। यह शीतकालीन सत्र 8 जनवरी तक चलेगा, हालांकि जरूरत पड़ने पर इसे बढ़ाया भी जा सकता है। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने विधानसभा को संबोधित करते हुए कहा, महात्मा गांधी के सर्वोदय, पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय तथा बाबासाहब अम्बेडकर के समता के सिद्धांतों के अनुरूप पिछले 10 महीनों में सरकार ने दिल्ली के सभी नागरिकों के कल्याण की दिशा में अनेक निर्णय लिए हैं। इस वर्ष सरकार ने 1 लाख करोड़ का ऐतिहासिक बजट प्रस्तुत किया। सरकार ने इज ऑफ डूइंग बिजनेस के तहत व्यवसायिक प्रक्रियाओं को भी सरल बनाया है।

दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने कहा, विधानसभा सत्र आज से शुरू हो रहा है, और मुझे बहुत खुशी है कि सरकार ने पिछले 10 महीनों में दिल्ली में बहुत काम किया है। कई पुरानी समस्याएं हैं जिनका सरकार सामना कर रही है, लेकिन मुझे विश्वास है कि आने वाले समय में नतीजे दिखेंगे। दिल्ली में प्रदूषण की समस्या है, यमुना नदी की सफाई की समस्या है, और सड़कों की समस्या है जिन्हें लंबे समय तक नज़रअंदाज़ किया गया था। इन सभी चीज़ों में समय लगता है। सरकार तत्परता से काम कर रही है। आम आदमी पार्टी के विधायकों ने राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण के मुद्दे पर दिल्ली विधानसभा परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और आप नेता आतिशी ने कहा, चार महीने से दिल्ली के लोग सांस नहीं ले पा रहे, बच्चों का दम घुट रहा है, बुजुर्गों की जान जा रही है।

पीएम ने ममता बनर्जी को दी जन्मदिन की बधाई, अच्छे स्वास्थ्य और लंबी उम्र की कामना

नईदिल्ली 05 जनवरी [एजेंसी]।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी आज, 5 जनवरी 2026 को अपना 71वां जन्मदिन मना रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं दी हैं। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट साझा करते हुए ममता बनर्जी के अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संदेश में लिखा पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता दीदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं। मैं उनके अच्छे स्वास्थ्य और लंबी उम्र की प्रार्थना करता हूं। राजनीतिक गलियारे में दीदी के नाम से मशहूर ममता बनर्जी का जन्म 5 जनवरी 1955 को हुआ था। बंगाल की राजधानी कलकत्ता (कोलकाता) में एक ब्राह्मण परिवार में जन्मी ममता ने 15 साल की उम्र में ही राजनीति में प्रवेश कर लिया था। उन दिनों ममता ने हायर सेकेंड्री की परीक्षा पास की थी। कम उम्र में राजनीति में आने का श्रेय उनके पिता को दिया जा सकता है, जो एक स्वतंत्रता सेनानी थे। ममता जब 17 साल की हुईं तो उनके पिता प्रोमिलेश्वर बनर्जी का निधन हो गया।

बचपन में ही पिता का साया सिर से उठने के बाद ममता ने खुद को संभाला और बीए के बाद इस्लामिक इतिहास में मास्टर्स की डिग्री हासिल की। इसके बाद उन्होंने जोगेश चंद्र चौधरी कॉलेज से कानून की पढ़ाई भी की। उन दिनों ममता कांग्रेस पार्टी के संपर्क में आईं और छात्र परिषद संघ की स्थापना की। लंबे समय तक उन्होंने कांग्रेस के लिए काम किया। साल 1984 में ममता बनर्जी का नाम हर किसी के जुबान पर था, जब उन्होंने कम्यूनिस्ट पार्टी के दिग्गज नेता सोमनाथ चटर्जी को हरा दिया और सांसद बनीं।

स्किन केयर व कास्मेटोलाजी क्लिनिक

चर्म , गुप्त, कुष्ठ रोग विशेषज्ञ एवं सैक्स सलाहकार

डॉ.आर.के.अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.FDS
(Lond.)F.i.a.m.s.(Ind.)
Mob.9424170010

-: परामर्श का समय :-
सुबह 10.30 से 1.30
(शाम को बंद)

डॉ.शशि अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.(U.K)
Mob.9826389894

सुविधायें:- गंजापन, मस्से हटाना, दाद खाज खुजली, एक्जीमा, एलर्जी, सड़े नाखून, कुष्ठ रोग, काले दाग, मुंहासे, बाल झड़ना, सेक्स की कमी, शीघ्र पतन, धात, मानसिक रोगों का मशीनों व अत्याधुनिक दवाओं द्वारा शीघ्र ईलाज, फोटोथेरेपी, इलेक्ट्रीशिकेशन, क्रायोसर्जरी, सायकोथेरेपी का ईलाज।

मो. 9203907928,9826389894 (क्लीनिक)

विशेष : बुधवार को 20 मरीजों का फीस माफ...

पता : एचआईजी -4 नेहरू नगर , रिकाण्डो रोड घोड़ा चौक , बुधवारी बाजार के पास, कोरबा

एसटीएफ ने एक लाख के इनामिया बदमाश को मार गिराया, लखीमपुर का दहशतगर्द सुल्तानपुर में ढेर

सुल्तानपुर, 05 जनवरी ।

यूपी के सुल्तानपुर में सोमवार की तड़के एसटीएफ और पुलिस की संयुक्त टीम ने मुठभेड़ में एक शातिर बदमाश को मार गिराया। वह लखीमपुर खीरी जिले का रहने वाला एक लाख का इनामिया बदमाश था। लंबे समय से पुलिस को इसकी तलाश थी। मुठभेड़ लंभुआ कोतवाली क्षेत्र के दियरा मोड़ के पास हुई। मुठभेड़ उस समय हुई जब एसटीएफ और पुलिस टीम सुल्तानपुर-वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर सक्रिय थी। जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से बदमाश घायल हो गया। उसे तत्काल सीएचसी, लंभुआ ले जाया गया। वहां से मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया गया। मेडिकल कॉलेज में चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। बदमाश की पहचान तालिब उर्फ आजम खान (26) के रूप में हुई है। यह लखीमपुर खीरी जिले के फरधान थाना क्षेत्र के गौरिया का रहने वाला था। इसके आपराधिक इतिहास की जांच की जा रही है। बताया गया कि इस पर लखीमपुर में कई मुकदमे दर्ज हैं। इनाम भी घोषित था।

रथ यात्रा पर पत्थरबाजी, भक्तों ने पुलिस स्टेशन के बाहर किया प्रदर्शन, एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली। कल रात बेंगलुरु के जगजीवन राम नगर में ओम शक्ति मंदिर से निकल रही एक शोभायात्रा के दौरान रथ खींच रहे भक्तों पर कथित तौर पर पत्थर फेंके गए। पुलिस ने इस बात की जानकारी दी है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि एक शिकायत मिली थी जिसमें आरोप लगाया गया है कि शोभायात्रा के दौरान बदमाशों ने रथ पर पत्थर फेंके। इस घटना में दो बच्चों के सिर पर चोट आई है। कथित हमले के बाद, श्रद्धालु जगजीवन राम नगर पुलिस स्टेशन के बाहर जमा हो गए और विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई। प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि पहले भी इसी तरह की घटनाएं हो चुकी हैं। भक्तों ने घटना के बाद एफआईआर दर्ज करने पर जोर दिया।पुलिस ने बताया कि एफआईआर दर्ज कर ली गई है और जांच जारी है। इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और पश्चिम डिवीजन के डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस यतीश एनबी ने स्थिति का जायजा लेने के लिए पुलिस स्टेशन का दौरा किया। पुलिस ने कहा, दोषियों की पहचान होने के बाद उनके खिलाफ जरूरी कार्रवाई की जाएगी, यह भी बताया कि स्थिति नियंत्रण में है।

साहित्यकार विनोद शुक्ल और मूलचंद तिवारी को दी गई श्रद्धांजलि

कोरबा । मुकुटधर साहित्य समिति कोरबा के तत्वावधान में पंडित मुकुटधर पांडेय साहित्य भवन में एक गरिमामय श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया, जिसमें छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ साहित्यकार एवं ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित डॉ. विनोद कुमार शुक्ल तथा कोरबा के वरिष्ठ साहित्यकार मूलचंद तिवारी 'हंस' को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई।कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजा-अर्चना एवं कविता जैन द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से हुआ। तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत-सत्कार किया गया और दोनों दिवंगत साहित्यकारों के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया गया।इस अवसर पर साहित्य भवन समिति के संरक्षक यूनुस दानियालपुरी, कमलेश यादव, मुकेश चतुर्वेदी, अध्यक्ष दिलीप अग्रवाल, सचिव डॉ. कृष्ण कुमार चंद्रा, मूलचंद तिवारी 'हंस' की सुपुत्री ऋतु त्रिवेदी, दामाद राजेश त्रिवेदी तथा कोरबा के चर्चित दिवंगत साहित्यकार शंकर राव नायडू के सुपुत्र अलंकार नायडू मंच पर मंचासीन रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के संरक्षक यूनुस दानियालपुरी ने की। साहित्यकारों के द्वारा आयोजित यह श्रद्धांजलि सभा साहित्यकारों के प्रति सम्मान और उनके साहित्यिक योगदान को स्मरण करने का एक भावपूर्ण अवसर सिद्ध हुई। कार्यक्रम का संचालन जीतेंद्र कुमार वर्मा 'खैरझिटिया' ने किया ।

गेवरा खदान में कोयला लिफ्टिंग को लेकर दो पक्ष भिड़े

कोरबा। सार्वजनिक क्षेत्र के वृहद उपक्रम कोल् इंडिया की अनुसांगिक कंपनी एसईसीएल बिलासपुर के अधीन कोरबा-पश्चिम क्षेत्र में स्थापित खुले मुहाने की गेवरा कोयला परियोजना अंतर्गत एसईसीएल की मेगा परियोजना एवं एशिया की सबसे बड़ी कोयला खदानों में शामिल एसईसीएल की गेवरा परियोजना एक बार फिर कोयला लिफ्टिंग को लेकर बड़े विवाद में घिर गई है। जानकारी के अनुसार गत रात्रि कोयला खदान परिसर में कोयला लिफ्टिंग कार्य को लेकर दो निजी कंपनियों के बीच हुई हिंसक झड़प में कई कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद खदान क्षेत्र में दहशत और अफरा-तफरी का माहौल बना हुआ है।बताया जा रहा हैं कि गेवरा खदान में कोयला लिफ्टिंग का कार्य कर रही एक निजी कंपनी का लंबे समय से प्रभाव बना हुआ है। आरोप है कि कोयला लिफ्टिंग को लेकर अन्य कंपनियों पर दबाव बनाया जाता रहा है, जिससे आए दिन तनाव की स्थिति निर्मित होती रही है। खदान में पदस्थ अधिकारी-कर्मचारी भी इस स्थिति से असहज बताए जा रहे हैं। गत रात्रि बीती एक अन्य निजी कंपनी के कोयला लिफ्टिंग कर्मचारियों और उक्त निजी कंपनी से जुड़े लोगों के बीच पहले कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई। जिसमें कुछ कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए। हालात बिगड़ने पर दोनों पक्षों में जमकर हाथापाई हुई। घटना की सूचना मिलने के बाद दीपका थाना में शिकायत दर्ज कराई गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और घायलों का इलाज जारी है।

उल्लेखनीय हैं कि यह कोई पहली घटना नहीं घटित हुई हैं। करीब एक वर्ष पूर्व पाली क्षेत्र में भी कोयला लिफ्टिंग को लेकर इसी तरह की हिंसक घटना सामने आ चुकी है, जिसे समय रहते गंभीरता से नहीं लिया गया। अब गेवरा में हुई इस घटना के बाद आशंका जताई जा रही है कि आने वाले दिनों में दीपका क्षेत्र में भी ऐसे हालात बन रहे हैं।

जिले में अपराधों पर विगत वर्ष रहा प्रभावी नियंत्रण

कोरबा । पुलिस रिकॉर्ड के द्वारा दी गयी अधिकृत जानकारी के अनुसार कोरबा जिला में पुलिस द्वारा वर्ष 2025 के दौरान अपराध नियंत्रण एवं त्वरित कार्यवाही के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। कोरबा पुलिस द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2025 में दर्ज कुल अपराधों में से लगभग 88 प्रतिशत मामलों का निराकरण किया गया है, जो पुलिस की सक्रियता और कार्यकुशलता को दर्शाता है।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार वर्ष 2025 में जिले में 7241 अपराध पंजीबद्ध हुए, जिनमें से 6372 मामलों का सफलता पूर्वक निराकरण किया गया। शेष मामलों में भी जांच प्रक्रिया प्रगतिशील अवस्था में है। तुलनात्मक रूप से देखें तो वर्ष 2023 और 2024 की अपेक्षा अपराधों के निराकरण की दर में निरंतर सुधार दर्ज किया गया है। आंकड़ों के अनुसार संपत्ति संबंधी अपराधों में भी पुलिस की कार्रवाई प्रभावी रही। चोरी, नकबजनी एवं लूट जैसे मामलों में आरोपियों की पहचान कर त्वरित गिरफ्तारी की गई। वर्ष 2025 में संपत्ति संबंधी अपराधों में निराकरण प्रतिशत में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है। संगठित अपराधों पर भी कोरबा पुलिस ने सख्त रुख अपनाया। वर्ष 2024 में जहां ऐसे मामलों की संख्या मात्र 2 थी, वहीं वर्ष 2025 में प्रभावी कार्रवाई करते हुए 38 मामलों में कार्यवाही की गई। कुल मिलाकर दो वर्षों में संगठित अपराधों के 40 मामलों पर पुलिस ने कार्यवाही की है। इस संबंध में कोरबा जिला पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी का कहना है कि अपराध नियंत्रण के लिए लगातार गश्त, तकनीकी संसाधनों का उपयोग, संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी तथा आम जनता के सहयोग से यह सफलता मिली है। आने वाले समय में अपराधों की रोकथाम के लिए और अधिक सख्त एवं प्रभावी कदम उठाए जाएंगे।

कत्थक नृत्य स्पर्धा अंतर्गत समृद्धि व ध्रुविका शर्मा हुई सम्मानित

कोरबा। गौरव भारत सांस्कृतिक परिषद के तत्वावधान में भारत संस्कृति उत्सव के अंतर्गत आयोजित ग्लोबल प्रतियोगिता एवं फेस्टिवल ऑफ इंडियन आर्ट एंड कल्चर में कोरबा नगर की दो होनहार बालिकाओं ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन किया है। जानकारी के अनुसार पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में 26 से 31 दिसंबर तक आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में देश-विदेश से आए प्रतिभागियों ने विभिन्न शास्त्रीय कला रूपों में भाग लिया। कत्थक (बालकृष्ण एकल) श्रेणी में ध्रुविका शर्मा ने उत्कृष्ट प्रस्तुति देते हुए तीसरा स्थान प्राप्त किया, वहीं समृद्धि शर्मा को उनकी प्रतिभा के लिए फ्यूचर टैलेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि दोनों बालिकाएं केंद्रीय विद्यालय की छात्राएं हैं और वे अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त तबला वादक एवं नृत्य गुरु पंडित मोरध्वज वैष्णव से कत्थक नृत्य का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं।

ग्राम बांधाखार में कलश यात्रा के साथ हुई मां शाकंभरी पूजा आरंभ

कोरबा । कोरबा जिलान्तर्गत ग्राम बांधाखार में आयोजित माँ शाकम्भरी देवी जयंती पर भव्य कलश यात्रा निकाली गई। जिसमें शामिल कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल ने समाज के वरिष्ठ जनों के साथ मिलकर मां शाकंभरी देवी की पूजा-अर्चना की। इस दौरान श्रद्धालु मातृशक्ति, ग्रामीणजनों एवं क्षेत्रवासियों की आस्था, भक्ति और उत्साह नजर आया। श्री पटेल सहित ग्रामीणजनों ने क्षेत्र में सुख, समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठजनों ने सनातन परंपरा, सांस्कृतिक मूल्यों एवं सामाजिक एकता शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

जल स्त्रोतों की सफाई और संरक्षण के लिए जन जागरूकता लाने किया गया आयोजन

पौष पूर्णिमा पर नमामि हसदेव सेवा समिति ने सर्वमंगला घाट पर किया हसदेव आरती

हसदेव नदी के संरक्षण में नागरिकों का योगदान और जिम्मेदारी निभाने समिति ने की अपील

कोरबा । कोरबा जिलान्तर्गत हसदेव नदी और इसकी सहायक नदियों के संरक्षण और सौंदर्यीकरण के लिए निरंतर प्रयासरत नमामि हसदेव सेवा समिति ने 3 जनवरी 2026 शनिवार को पौष पूर्णिमा के अवसर पर कोरबा जिले के प्रसिद्ध माँ सर्वमंगला मंदिर घाट पर भव्य हसदेव आरती का आयोजन किया। इस आयोजन में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों ने भाग लिया और हसदेव नदी की स्वच्छता एवं संरक्षण को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दिखाई।

हसदेव नदी के संरक्षण और जल स्त्रोतों की सफाई के प्रति जन जागरूकता लाने के उद्देश्य से नमामि हसदेव सेवा समिति द्वारा प्रतिमाह की भांति इस बार पौष पूर्णिमा के अवसर पर हसदेव आरती का भव्य आयोजन किया गया। आयोजन में मुख्य यजमान के रूप में भोजराम देवांगन अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राज्य हाथकरघा विकास एवं विपणन सहकारी संघ उपस्थित रहे। इनके साथ ही विशिष्ट यजमान के तौर पर नरेन्द्र कुमार अग्रवाल महामंत्री, चेम्बर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्री, कोरबा, विमल कुमार जोशी अध्यक्ष, मारवाड़ी ब्राह्मण विकास समिति, कोरबा, मनीष जैन सचिव, जैन मिलन समिति, कोरबा और विद्यानंद पाण्डेय प्राचार्य, सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सीतामढ़ी, कोरबा ने भी इस पवित्र आयोजन में भाग लिया।

उक्त कार्यक्रम के मुख्य यजमान भोजराम देवांगन ने अपने उद्बोधन में समिति के इस आयोजन की प्रशंसा करते हुए कहा कि हसदेव नदी के संरक्षण के लिए हमें सामूहिक प्रयास करने होंगे, ताकि आने वाली पीढियाँ इस नदी का भरपूर उपयोग कर सकें। इसके साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जा सके कि नदी का पानी शुद्ध और स्वच्छ बने, जिससे क्षेत्र में जल संकट की समस्या से बचा जा सके। उन्होंने कहा कि नमामि हसदेव सेवा समिति द्वारा किए गए इस आयोजन से न केवल नदी के संरक्षण के प्रति जागरूकता फैल रही है, बल्कि यह नागरिकों को एकजुट करने और जल स्त्रोतों के महत्व को समझाने का भी एक शानदार प्रयास है। कार्यक्रम में उपस्थित अन्य विशिष्ट यजमानों ने भी हसदेव नदी के संरक्षण के प्रति सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वहन करने का संदेश दिया और क्षेत्रवासियों से अपील की कि वे भी इस पुण्य अवसर पर अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें।

समिति द्वारा आने वाले दिनों में इस प्रकार के आयोजन और बड़े स्तर पर किए जाएंगे, ताकि हसदेव नदी को बचाने की मुहिम को और बढ़ावा मिल सके। नमामि हसदेव सेवा समिति के इस आयोजन ने क्षेत्रवासियों के बीच हसदेव नदी और जल स्त्रोतों के महत्व को एक नए दृष्टिकोण से समझने का अवसर प्रदान किया है। अब यह सुनिश्चित करने की आवश्कता है कि सभी लोग इसे अपनी जिम्मेदारी समझें और अपना-अपना योगदान देने के लिए प्रेरित हों।

दर्राभाठा में बार महोत्सव शुरू श्रीमती कौशल्या साय और कैबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन हुए शामिल

कोरबा । कोरबा जिला के ग्राम सलोरा, दर्राभाठा में ग्राम वासियों द्वारा आयोजित सार्वजनिक बार महोत्सव 2025-26 के शुभारंभ अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या देवी साय और कैबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में सम्मिलित होकर उन्होंने ठाकुर देव एवं डोकरी दाई की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर

पर श्रीमती कौशल्या साय ने कहा कि यह बहुत हर्ष का विषय है कि आज भी हमारा समाज अपनी पुरानी परंपरा को संजोय रखते हुए इतनी धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ पूजन का आयोजन किया जा रहा है, उन्होंने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि इस पूजा के शुभारंभ कार्यक्रम में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त हुआ है। उन्होंने समाज और ग्रामीण जनों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन ने कहा कि ठाकुर देव और डोकरी दाई का आशीर्वाद हम सभी ग्रामीण जनों और सभी समाज को मिलता रहा है। दर्राभाठा मैं आज दूर-दराज जगह से भी ग्रामीण जन-पूजन करने पहुंचे है। कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में आज सभी समाज का विकास और उत्थान हो रहा है, विकास कार्यों को तेज गति से पूरी की जा रहे हैं।

इस अवसर पर पाली-तानाखार विधायक तुलेश्वर मरकाम, कंवर समाज के प्रदेश अध्यक्ष हरिवंश मिरी, महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत, जिला पंचायत अध्यक्ष पवन सिंह, भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रफुल्ल तिवारी, जिला महामंत्री संजय शर्मा, पार्षद नरेंद्र देवांगन, श्रीमती सविता साय, सरपंच श्रीमती प्रमिला कंवर सहित ग्राम वासी उपस्थित रहे।

इंडक्शन मोटर का लोड टेस्टकर सीडब्लू एस ने रचा इतिहास

कोरबा। सेंट्रल वर्कशॉप कोरबा ने हरीश दुहन सर सी एम डी एस ई सी एल एवं फ्रेकलिन जय कुमार निदेशक तकनिकी संचालन के कुशल नेतृत्व, एवं दूरदर्शी मार्गदर्शन और प्रोत्साहन के कारण कोल इंडिया के इतिहास में नया कीर्तिमान स्थापित करते हुय पहली बार 3.3 के वी एच टी इंडक्शन मोटर का सफल लोड टेस्ट किया गया !

अब तक एच टी मोटरों का वर्कशॉप स्तर पर लोड टेस्ट संभव नहीं होने के कारन मोटरों को सामान्य परिक्षण के बाद विभिन्न परियोजनाओ में भेजा जाता था, जिससे की कई बार साईट पर तकनिकी समस्या उत्पन्न होतो थी। इस समस्या के निदान हेतु एच टी मोटर के लोड टेस्ट फैसिलिटी की नितांत आवश्यकता महसूस की गई, जिसके क्रियान्यवन हेतु सी एम डी एस ई सी एल द्वारा इस तकनिकी को स्थापित करने के लिय सेंट्रल वर्कशॉप कोरबा के महाप्रबंधक गिरेन्द्र कुमार द्विवेदी को निर्देश दिया द्य इस चुनौती को स्वीकार करते हुय महाप्रबंधक सेंट्रल वर्कशॉप कोरबा श्री द्विवेदी द्वारा निदेशक तकनिकी म फ्रेकलिन जय कुमार से चर्चा कर विस्तृत कार्य योजना बनाई गई, जिसके क्रियान्वन हेतु केंद्रीय कर्मशाला कोरबा के ई एल आर पी शॉप में टीम गठित की गई, और तय किया गया इस कार्य में उपयुक्त होने वाले उपकरण एस ई सी ?ल के विभिन्न परियोजनाओ से जिस भी हालत में हो उसे संगृहीत कर रिपेयर करने के पश्चात् इस लोड टेस्ट फैसिलिटी को विकिसित किया जावेगा

तदानुसार म कान्त दास महाप्रबंधक वि0 एवं यां0 एच ओ डी बिलासपुर तथा राजेश कुमार गुप्ता महाप्रबंधक कोरबा द्वारा 3.3 के वी फेल्ड ट्रांसफार्मर तथा चिरीमिरी क्षेत्र से फील्ड स्विच महाप्रबंधक अशोक कुमार एवं भटगांव एरिया से डी ओ ?ल स्टाटर महाप्रबंधक श डी एम बोवड़े , स्टॉफ ऑफिसर अजय कुमार के सहयोग से सेंट्रल वर्कशॉप कोरबा में ला कर माईनर रिपेयर कर तैयार किया गया। डी ओ ल स्टाटर को पूर्णत: सुरक्षित एवं रिपेयर कर देने के लिय शिवानी माईस के सब एरिया इंजीनियर अविनाश एवं इलेक्ट्रिकल फोरमेन शचीन्द्र पाल सिंह का विशेष योगदान रहा !

यातायात पुलिस लोगों को कर रही जागरूक

कोरबा। जिले में सड़क सुरक्षा माह के तहत यातायात नियमों के प्रति जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, इसके बावजूद सड़क हादसों पर पूरी तरह अंकुश नहीं लग पा रहा है। रविवार को जिले में हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों में तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। दोनों घटनाओं के बाद आक्रोशित लोगों ने चक्काजाम कर दिया, जिससे यातायात प्रभावित रहा.

पहली घटना कटघोरा-बिलासपुर नेशनल हाईवे पर बगदेवा के पास रविवार शाम करीब 4.30 बजे हुई। यहां तेज रफ्तार ट्रेलर के चालक ने सड़क पार कर रही करतली निवासी नीलम दास मानिकपुरी (55 वर्ष) को कुचल दिया। हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने चक्काजाम कर दिया, जिससे हाईवे पर दोनों दिशाओं में वाहनों की आवाजाही ठप हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस बल और तहसीलदार मौके पर पहुंचे। उचित मुआवजे के आश्वासन के बाद करीब डेढ़ घंटे बाद चक्काजाम समाप्त कराया गया.

दूसरी घटना रविवार की देर शाम करीब 7.30 बजे दर्री मुख्य मार्ग पर हुई। दर्री बाजार से सब्जी लेकर मोपेड से कोहड़िया लौट रही मां-बेटी को तेज रफ्तार हाइवा वाहन ने चपेट में ले लिया। हादसा इतना भीषण था कि दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने सड़क पर चक्काजाम कर दिया.

कोयला कामगारों को मिल रहा कम पेंशन

कोरबा । 27 साल से पेंशन पॉलिसी की समीक्षा नहीं की गई है। कोयला खान पेंशन स्कीम 1998 तय अंशदान व लाभ के अंतर्गत आता है। लेकिन इस स्कीम में होने वाला अंशदान लाभ के अनुरूप नहीं है। साल 2005 से पहले सेवानिवृत्त कोयला कर्मियों को 1 हजार से भी कम पेंशन मिल रहा है। इसकी एक प्रमुख वजह एक्चुअरी की सिफारिश को अभी तक लागू नहीं किया जा सका है। कोल माइंस प्रोविडेंट फंड आर्गेनाइजेशन (सीएमपीएफओ) की ओर से नियुक्त एक्चुअरी हर तीन साल में पेंशन निधि का मूल्यांकन करती है।सीएमपीएफओ पेंशन निधि की उपलब्धता होने पर एक्चुअरी की सिफारिश पर केन्द्र सरकार के अनुमोदन से बोर्ड ऑफ ट्रस्टी (बीओटी) इस स्कीम के तहत देय अंशदान की दरों में संशोधन कर सकता है। यह रिपोर्ट विस्तृत विश्लेषण पर आधारित होता है। लेकिन एक्चुअरी की सिफारिश को प्रबंधन व यूनियन नेताओं के बीच बीओटी की बैठक में रखे जाने पर सहमति नहीं बन पाई है।

31 मार्च 1998 में लागू कोयला खान पेंशन स्कीम पहले कोल कर्मचारियों की ओर से पेंशन फंड में 4.91 प्रतिशत अंशदान किया जाता था। जिसे 1 अक्टूबर 2017 से पेंशन निधि में अंशदान को रिवाइज्ड कर 14 प्रतिशत कर दिया गया है। कर्मचारियों की ओर से 7 प्रतिशत और कोल इंडिया प्रबंधन 7 प्रतिशत अंशदान दे रही है। पहले कोयला कर्मचारी का ही अंशदान पेंशन फंड में जमा होता था। लेकिन पेंशन फंड की स्थिरता के लिए अब कोल इंडिया की भी सहभागिता है।

शिवनाथ व हसदेव एक्सप्रेस का समय बदला

कोरबा। इतवारी से कोरबा के बीच चलने वाली इतवारी-कोरबा शिवनाथ एक्सप्रेस के यात्रियों की परेशानी और बढ़ गई है। पहले से ही ये ट्रेन समय पर कोरबा नहीं पहुंच रही थी, उसे और विलंब से चलाने की मुहर रेलवे ने लगा दी है। यह गाड़ी इतवारी से अपने समय पर रवाना होगी, पर गोंदिया में रात 1:53 बजे के स्थान पर 1:48 बजे पहुंचेगी। वहीं गोंदिया से रात 1:55 बजे कोरबा के लिए रवाना होने के बजाय रात 1:50 बजे छूट रही है। राजनांदगांव से रात 3:24 बजे के स्थान सुबह 3:15 बजे छूट रही है। कोरबा 9:15 के स्थान पर 9:20 बजे आना सुनिश्चित किया है। बिलासपुर रेलवे के मुख्य परिचालन प्रबंधक कार्यालय ने बड़ी संख्या में ट्रेनों के समय में फेरबदल किए हैं। बदली समय-सारणी 1 जनवरी 2026 से लागू हो गई। इसकी जानकारी कई लोगों को नहीं है। रिजर्वेशन कराने वालों को उनके टिकट के साथ छूटने की जानकारी मिल जाती है, पर वे यात्री जो स्टेशन पहुंच टिकट लेकर सफर की शुरुआत करते हैं, उन्हें परेशानी होती है। रेलवे ने कोरबा से छूटने वाली हसदेव एक्सप्रेस के साथ ही इतवारी-कोरबा शिवनाथ एक्सप्रेस के समय में बदलाव किए हैं। वहीं कोरबा से अमृतसर व अमृतसर से बिलासपुर तक चलने वाली छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस का समय भी बदला है। हालांकि यह परिवर्तन बीच के स्टेशन में किए हैं। इसके कारण प्रारंभिक स्टेशन के यात्रियों को परेशानी नहीं हो रही है। छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस अमृतसर से चलने के बाद गोंदिया से 10 मिनट पहले कोरबा के लिए रवाना हो रही है। राजनांदगांव स्टेशन से 9 मिनट तो दुर्ग स्टेशन से 6 मिनट पहले कोरबा के लिए खाना होने लगी है। रेलवे प्रशासन *हसदेव एक्सप्रेस के टाइमिंग में फेरबदल तो किए हैं,* लेकिन उसका उन यात्रियों को कोई फायदा नहीं हो रहा है, जिन्हें अंतिम स्टेशन रायपुर तक की यात्रा करनी होती है। यह गाड़ी यहां से *सुबह 06:35 बजे के स्थान पर 06:30 बजे रवाना हो रही है*। चांपा में 07:13 के स्थान पर 07:08 बजे तो बिलासपुर सुबह 08:25 के स्थान पर 08:20 बजे पहुंच रही है। बिलासपुर से रवाना होने के बाद गाड़ी पहले की तरह ही रायपुर सुबह 10:35 बजे ही पहुंच रही है। ऐसे में रायपुर की यात्रा करने वाले यात्रियों को परिवर्तित समय का कोई फायदा नहीं मिल रहा है।

पॉम मॉल में यातायात जागरूकता संगोष्ठी आयोजित, ट्रैफिक पुलिस ने दी सड़क सुरक्षा की शपथ

कोरबा। सडक़ पर सुरक्षित यातायात को हर हाल में बनाये रखने के लिए 1 जनवरी से शुरू हुआ सडक़ सुरक्षा जागरुकता माह 31 जनवरी तक चलेगा। इसके साथ ही महिला सुरक्षा सप्ताह को भी क्रियान्वित किया जा रहा है।

कई प्रकार के कार्यक्रम इसमें शामिल किए गए हैं। इस कड़ी में टीपी नगर क्षेत्र के पॉम मॉल में यातायात जागरूकता पर संगोष्ठी रखी गई। ट्रैफिक पुलिस के अधिकारियों की ओर से लोगों के साथ संबंधित विषय पर संवाद किया गया।

उन्हें बताया गया कि सडक़ सुरक्षा नियम सबके लिए बराबर है और उन सभी को नियम पालन करने के बारे में गंभीरता दिखानी चाहिए। ऐसा होने पर दुर्घटनाओं के ग्राफ को कम किया जा सकता है। यह भी कहा गया कि जब भी कोई नियम का पालन करता है तो उसे अपनी नागरिक जिम्मेदारी का अहसास होता है। इसके अलावा इस बात को भी इंगित किया गया कि हर दुर्घटना के पीछे किसी न किसी स्तर पर लापरवाही का बड़ा रोल होता है और फिर इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है।

खदान खोलने कोल कंट्रोलर आर्गेनाइजेशन की अनुमति जरूरी नहीं, कोल कंपनी बोर्ड की मंजूरी से ही खुल सकेगी खदानें

कोरबा । कोल कंपनी बोर्ड की मंजूरी से ही अब कोयला खदानें खुल सकेगी। इसके लिए कोल कंट्रोलर आर्गेनाइजेशन (सीसीओ) की अनुमति जरूरी नहीं होगी। साल 2030 तक कोल इंडिया की योजना भूमिगत खदानों से 100 मिलियन टन कोयला उत्पादन की है। लेकिन एसईसीएल की कई भूमिगत खदानें जरूरी अनुमति नहीं मिलने के कारण अघोषित रूप से बंद है। फिर से खनन शुरू करने पर इनकी प्रक्रिया को पूरा करने में राहत मिलेगी। दूसरी ओर भूमिगत खदानों से खनन शुरू होने पर लगभग 4 साल में अंडरग्राउंड माइंस से 100 मिलियन टन तक उत्पादन की योजना साकार होगी। कोयला खदानों के संचालन के लिए केन्द्र स्तर पर भी कई जरूरी अनुमति लेनी होती है। कोलियरी कंट्रोल रूल्स 2004 के अनुसार कोयला खदान खोलने के साथ ही अलग-अलग जमीन के नीचे कोयले की परत और इनके हिस्सों में संचालन के जानकारी कोल कंट्रोलर आर्गेनाइजेशन को देनी होगी। जरूरी अनुमति मिलने के बाद बंद भूमिगत खदानें एमडीओ मोड में जा सकता है। इससे निजी कंपनी का माइन डेवलपर ऑपरेटर को खनन का अधिकार मिलेगा। जानकार बताते हैं कि पर्यावरण मंत्रालय से समय रहते अनुमति नहीं ली गई। इस कारण खदान के संचालन को यथावत नहीं रखा गया है। जबकि कई बंद भूमिगत खदान में रिजर्व कोयले को निकाला नहीं जा सका है। संबंधित खदानों के कंपनी बोर्ड के पास अब मंजूरी का अधिकार रहने और कोल कंट्रोलर आर्गेनाइजेशन की अनुमति जरूरी नहीं होने का लाभ खदानों का संचालन जल्द शुरू करने में लाभ मिलेगा।

कलेक्टर की खंड स्तरीय समीक्षा बैठक:योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति तक पहुँचाने के निर्देश

आकांक्षी ब्लॉक पोड़ी उपरोड़ा में योजनाओं की प्रगति तेज करने हेतु किया निर्देशित

कोरबा। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने जनपद कार्यालय पोड़ी उपरोड़ा के सभाकक्ष में खंड स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर शासकीय योजनाओं के जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन तथा अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पोड़ी उपरोड़ा आकांक्षी जिला कार्यक्रम के तहत चिन्हित ब्लॉक हैए इसलिए सभी विभाग अपने-अपने सूचकांकों में बेहतर उपलब्धि सुनिश्चित करें। इस अवसर पर जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिनेश नाग, सहायक कलेक्टर क्षितिज गुरभेले, एसडीएम पोड़ी उपरोड़ा मनोज बंजारे सहित विभागीय अधिकारी एवं खण्ड स्तरीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर श्री दुदावत ने खाद्यान्न वितरण की समीक्षा करते हुए खाद्य निरीक्षकों को सभी राशन दुकानों में गुणवत्तापूर्ण चावल भंडारण एवं वितरण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि गुणवत्ताहीन चावल की शिकायत किसी भी स्थिति में नहीं आनी चाहिए तथा इसके लिए नियमित फील्ड विजिट अनिवार्य रूप से की जाए।

पेंशन योजनाओं की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि किसी भी पंचायत में पेंशन भुगतान से संबंधित समस्या नहीं होनी चाहिए। पंचायत सचिवों के माध्यम से 59 एवं 64 वर्ष आयु वर्ग के पात्र व्यक्तियों का सर्वे कर सूची तैयार करने के निर्देश दिए गएए ताकि आयु पूर्ण होते ही पेंशन प्रारंभ हो सके। साथ ही जन्म.मृत्यु पंजीयन के दौरान मृत्यु की स्थिति में विधवा पेंशन के प्रकरण प्राथमिकता से तैयार कर लाभ दिलाने के निर्देश दिए। दिव्यांगजनों के संबंध में कलेक्टर ने सभी पंचायतों में सर्वे कर पात्र दिव्यांगों को समय पर सहायक उपकरण उपलब्ध कराने तथा प्रमाण पत्र से वंचित दिव्यांगों को चिन्हित कर प्रमाण पत्र बनवाने व सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। पीएम सूर्यघर योजना की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने अधिक से अधिक हितग्राहियों को योजना से जोड़ने पर जोर दिया। उन्होंने किसानों को विशेष रूप से प्रोत्साहित करने साथ ही जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने तथा पीवीटीजी आवासों में भी योजना का लाभ पहुँचाने के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर ने स्कूलों के रिजल्ट की समीक्षा कर प्रभावी कार्य योजना से परीक्षा परिणाम बेहतर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने डीईओ को कमजोर परीक्षा परिणाम वाले विद्यार्थियों के लिए निर्धारित कार्ययोजना को जल्द से जल्द ऐसे विद्यालयों में लागू करने के निर्देश दिए। कस्तूरबा आवासीय विद्यालय में शत प्रतिशत फर्स्ट डिवीजन रिजल्ट सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रयास किए जाएँ। इसके अलावा सभी एकलव्य विद्यालयों में भी रिजल्ट सुधारने के लिए सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर ने स्वास्थ्य सुविधाओं का आमजन तक प्रभावी और गंभीरता से लाभ पहुँचाने के निर्देश दिए। उन्होंने एनसीडी स्क्रीनिंग का निर्धारित लक्ष्य पूरा करने के लिए सभी सीएचओ एवं आरएचओ की बैठक आयोजित कर आवश्यक दिशा.निर्देश देने पर जोर दिया। साथ ही हाई.रिस्क प्रेग्नेंसी की समय पर जांच करानेए टीबी उन्मूलन अभियान के तहत लक्षित व्यक्तियों की स्क्रीनिंग कर लाभ सुनिश्चित करने और टीबी नियंत्रण के लिए जिला स्तरीय कॉल सेंटर संचालित करने के निर्देश भी दिए गए।

आंगनबाड़ी केंद्रों में पूरक पोषण आहार का शत-प्रतिशत वितरण सुनिश्चित कराने शौचालय निर्माण के लंबित कार्य शीघ्र पूर्ण कराने तथा नए आंगनबाड़ी भवनों में रनिंग वाटर की व्यवस्था के साथ निर्माण पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। साथ ही कुपोषण मुक्त आंगनबाड़ी केंद्रों को सर्टिफिकेशन हेतु प्रस्ताव भेजने और कार्यकर्ता.सहायिकाओं को प्रमाण पत्र प्रदान कराने को कहा गया।

कलेक्टर ने कृत्रिम गर्भाधान लक्ष्य प्राप्त करने हेतु पशुपालकों को प्रेरित करने किसानों के आधार सीडिंग एवं केसीसी निर्माण के लक्ष्यों को पूर्ण करने तथा राजस्व एवं वन पट्टा धारकों का शत.प्रतिशत केसीसी बनाने के निर्देश दिए। बीसी सखी को सक्रिय कर पंचायतवार दिवस निर्धारणए मनरेगा मजदूरी भुगतान व महतारी वंदन योजना की राशि निकालने में ग्रामीणों को सहयोग करने तथा बैंकिंग लेनदेन बढ़ाने पर जोर दिया।

जल जीवन मिशन के तहत कार्य पूर्णता वाले ग्रामों का चयन कर शीघ्र घर-घर नल जल पहुँचाने, धान खरीदी की सतत निगरानी रखने, रकबा संशोधन संबंधी हेल्पलाइन नंबर का ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक प्रचार करने, पीएम आवास के अप्रारंभ कार्य शीघ्र शुरू कराने, नर्सरियों में पौधों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा पीएम धन-धान्य योजना के बेहतर क्रियान्वयन के निर्देश भी दिए गए।

कलेक्टर ने सभी विभागों को योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए अधिकतम आमजन को लाभान्वित करने के लिए गंभीरता से कार्य करने के निर्देश दिए।

नगर पालिका अध्यक्ष की अगुवाई में धरना-प्रदर्शन

अकलतरा। मस्जिद रोड में सड़क निर्माण की मांग को लेकर नगरपालिका अध्यक्ष की अगुवाई में धरना-प्रदर्शन किया गया। इस दौरान जल्द से जल्द सड़क निर्माण कराने की मांग की गई। साथ ही 11 जनवरी तक का अल्टीमेटम दिया गया। इस अवधि में काम प्रारंभ नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी गई।

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 3 जनवरी तक मस्जिद रोड में सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं होने पर रविवार 4 जनवरी की सुबह 10 बजे नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती दीप्ति रोहित सारथी के नेतृत्व में वार्ड तथा नगर वासियों ने मस्जिद रोड में धरना प्रदर्शन प्रारंभ किया। नगर की व्यस्ततम सडक मस्जिद रोड के 11 जनवरी तक नहीं बनने पर समवेत स्वरी में कहा गया कि इसके बाद आंदोलन का और विस्तार किया जाएगा, जिसमें राखी चौक में चक्का जाम भी शामिल है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वरिष्ठ कांग्रेसी नेता मंजू सिंह ने कहा कि एक साल पूरे होने के बावजूद थाना रोड तो कब की बन गई किन्तु मस्जिद रोड का अभी तक नहीं बनना दुर्भाग्य जनक है। उन्हाने कहा कि तय तारीख तक रोड के नहीं बनने पर शाखी चौक में चक्का जाम आंदोलन किया जावेगा। नगर पालिका अध्यक्ष ने रोष पूर्वक कहा को सीएमओ के द्वारा सहयोग नहीं मिलने के कारण यह कार्य पूरा नहीं हो रहा है। सतीश दिवान ने कहा कि सब लोगों के सम्मिलीत प्रयासों से ही अन्य कार्यों की तरह मस्जिद रोड निर्माण का कार्य भी कराया जाना चाहिए। डॉक्टर विवेक सिंह ने नगर विकास समिती की तारीफ करते हुए कहा कि नगर विकास के लिये समिती द्वारा किये जा रहे प्रयास प्रशंसनीय है। रोहित सारथी द्वारा कहा गया की नगर विकास के बहुत सारे काम होने हैं और उन सबको पुरा कराना हमारी सबकी जिम्मेदारी है। कार्यक्रम को महेश बनाफर, मनोज अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, तनवीर आलम सहित लोगो ने भी संबोधित किया। धरना प्रदर्शन की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंचे एसडीएम

सुमित बघेल ने सभी संबंधित पक्षों को 11 जनवरी तक रोड निर्माण की कार्यवाही पूरी करने के निर्देश दिये। आभार प्रदर्शन सुशील जैन ने किया। कार्यक्रम स्थल पर पार्षद माधुरी पालीवाल, चंद्रमोहन सब्बरवाल, देवेंद्र जैन, नानक केडिया, डॉ सफीक हुसैन, अनिल सिंह, नवनीत सब्बरवाल, कविता दोषी, राजेश जैन, रमेश जैन, पंकज दोषी, संतोष देवांगन, छतराम साहू, नवल अग्रवाल, नीरज जैन, श्निकेत जैन, पवन लिखमानिया सहित बड़ी संख्या में नगर वासी उपस्थित थे।

जमीन विवाद पर एक परिवार के सामाजिक बहिष्कार का एलान

जांजगीर-चांपा। मुलमुला थाना क्षेत्र के ग्राम भलवाही में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। गांव के कुछ लोगों द्वारा जमीन विवाद पर एक परिवार का सामाजिक बहिष्कार करा दिया गया। इसके लिए गांव में मुनादी तक करा दी गई है। पीड़ित परिवार ने मुलमुला थाना पहुंच कर शिकायत दर्ज कराते हुए कार्रवाई की मांग की है।

मदन खुटे का आरोप है कि उनके पूरे परिवार को सामाजिक रूप से बहिष्कृत कर दिया गया है। गांव के कुछ लोगों के खिलाफ नामजद शिकायत करते हुए बताया गया कि सभी ने मिलकर हुक्का-पानी बंद कराने की मुनादी करा दी है। आरोप है कि 4 जनवरी को मुनादी कराकर परिवार को गांव से बहिष्कृत करने का ऐलान किया गया। पीड़ित परिवार का कहना है कि उन्हें बीते छह माह से मानसिक व सामाजिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। पीड़ितों के अनुसार यह पूरा मामला जमीन विवाद से जुड़ा है। शासकीय जमीन पर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास का निर्माण हो रहा था, जिसे लेकर विवाद चल रहा है जो वर्तमान में न्यायालय में लंबित है। इसके बावजूद कानून को हाथ में लेते हुए सामाजिक बहिष्कार जैसा अमानवीय कदम उठाया गया। पीड़ित परिवार सामाजिक बहिष्कार के फरमान से परेशान है। मानसिक रुप से परेशान पीड़ित परिवार ने थाना मुलमुला में लिखित शिकायत दर्ज कराकर सभी आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में मुलमुला थाना प्रभारी पारस पटेल का कहना है कि थाने में शिकायत आई है।

पूर्व मुख्यमंत्री की अमर्यादित टिप्पणी से प्रदेश साहू समाज आक्रोशित: खिलावन साहू

सक्ती। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा राज्य के उपमुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण मंत्री अरुण साव पर की गई कथित अमर्यादित टिप्पणी को लेकर प्रदेश साहू समाज में भारी आक्रोश व्याप्त है। इस पूरे मामले की कड़ी निंदा करते हुए सोमवार 5 जनवरी को सक्ती में जिला साहू संघ के नेतृत्व में कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की जाएगी। इस संबंध में जिला साहू संघ सक्ती के अध्यक्ष डॉ. खिलावन साहू ने प्रेस वार्ता में कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं साहू समाज के गौरव अरुण साव पर की गई अभद्र टिप्पणी घृणित मानसिकता का परिचायक है, जिसे साहू समाज किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं करेगा। डॉ. साहू ने कहा कि 5 जनवरी को सक्ती जिले में साहू समाज के पदाधिकारी एवं समाजबंधु एकजुट होकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपेंगे और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करेंगे उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में कुछ लोग लगातार साहू समाज को बदनाम करने का प्रयास करते रहे हैं। जिला अध्यक्ष डॉ. खिलावन साहू ने आगे कहा कि जो लोग आज सत्ता से बाहर हैं, वे समाजों के खिलाफ इस तरह की बयानबाजी करते हुए दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि इससे पूर्व भी उनके शीर्ष नेतृत्व द्वारा साहू समाज के गौरव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ एवं विवादित अनर्गल बयान दिए गए थे, जिसका जवाब देश की जनता ने उन्हें लगातार तीन कार्यकालों से सत्ता से बाहर रखकर दिया है। डॉ. साहू ने कहा कि अब पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा प्रदेश के उपमुख्यमंत्री अरुण साव के संदर्भ में गलत उदाहरणों का उपयोग करना उनकी ओछी सोच को दर्शाता है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अपने बयान वापस लेकर साहू समाज से सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगते हैं, तो साहू समाज द्वारा चौक-चौराहों पर पुतला दहन किया जाएगा। अंत में जिला अध्यक्ष डॉ. खिलावन साहू ने सक्ती जिले के साहू संघ के सभी पदाधिकारियों, सदस्यों एवं समाजबंधुओं से 5 जनवरी को होने वाले ज्ञापन कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित रहने की अपील की है।

लायंस क्लब चांपा ने नवजात शिशुओं को हिमालया किट का वितरण किया

जांजगीर-चांपा। लायंस क्लब चांपा द्वारा हेमिनबाई रामनारायण राठौर मेमोरियल नर्सिंग होम लायंस चौक चांपा में नवजात शिशुओं को हिमालया किट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें 34 जच्चा बच्चा लाभान्वित हुए। इस अवसर पर लायंस क्लब के अध्यक्ष लायन संतोष कुमार सोनी अधिवक्ता, सचिव लायन राजेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष लायन वासुदेव देवांगन, चेयरमैन लायन रामप्रपन्न देवांगन, वाइस चेयरमैन लायन डॉ काशी प्रसाद राठौर, लायन डॉ घनश्याम प्रसाद दुबे, पूरन लाल बरेठ सहित अन्य लोग उपस्थित थे जिनके सहयोग से कार्यक्रम सफलता पूर्वक संपन्न हुआ।

साहू समाज का नही हुआ अपमान-हरप्रसाद

जाँजगीर। गत दिवस बिलासपुर के लिंगियाडीह में आयोजित सभा में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी ने एक कहानी में बंदर राजा का उदाहरण देकर उप मुख्यमंत्री अरुण साव जी की सच्चाई बताने का प्रयास किया है के साव जी को मोहरा बनाकर बीजेपी रखी है उप मुख्यमंत्री होने के बावजूद भी किसी तरह के प्रभावशालिता नही दिखाई दे रहा है जबकि ज़्यादातर साहू वोट बीजेपी के पक्ष में था ज्ञात हो कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के समय में साहू समाज की आराध्य देवी माता कर्मा के जन्मजयन्ति के अवसर पर अवकाश की घोषणा किया गया और साहू समाज के विकास के लिये तेलघानी बोर्ड का गठन किया गया उनके ही कार्यकाल में राजिम महोत्सव के लिए पर्याप्त फंड उपलब्ध कराया गया उक्त बाते हरप्रसाद साहू सचिव प्रदेश कांग्रेस कमेटी छत्तीसगढ़ ने कही उन्होंने आगे और कहा कि इनके साथ साथ ज़्यादा से ज़्यादा साहू बंधुओं को निगम,बोर्ड ,मण्डल और आयोग में नियुक्ति मिली है,और साहू समाज के अपमान की बात है तो अरुण साव उप मुखमंत्री सहित भाजपा के अन्य लोगो को बताना चाहिये कि अभी तक जितनी नियुक्ति हुई है उसमे साहू समाज को कितनी प्रतिशत हिस्सेदारी मिली है भाजपा साहू समाज का सिर्फ़ उपयोग करती है जबकि वास्तविक समय में उन्हें पीछे कर देती है स्व ताराचंद साहू जी को किनारे करनी वाली बीजेपी कब से साहू समाज का हितैषी बन गई इसी तरह उत्तरप्रदेश में भी केशव मौर्य जी जोकि साहू समाज से आते है उनके नेतृत्व में चुनाव जीती तथा योगी जी को ताज पहना दिया साहू हितैषी है अगर अरुण साव जी तो उन्हें इस बात पर गौर करनी चाहिए साहू समाज किसी भी राजनैतिक दल का गुलाम नही है समय समय पर आईना दिखाने का कार्य समाज द्वारा किया जाता रहा है जिसका प्रत्यक्ष उदाहरण यह है कि सन् 2018 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी के साहू 13 उम्मीदवारों को हार जा मुँह देखना पड़ा था सिर्फ़ एक सीट ही बीजेपी जीती थी जिस व्यक्ति ने अपने कार्यकाल में साहू समाज का सुध लिया था और जिसने समाज के लिए कोई अपमानित शब्द का उपयोग ही नही किया उस व्यक्ति से साहू समाज माफी की माँग क़तई नही करता है।

भीमा तालाब सहित परिसर की सफाई कर कचरा हटाया गया

जांजगीर। वार्ड नंबर 13 के पार्षद पंकज कहरा ने युवाओं के साथ मिलकर चित्रांग रविवार सुबह 8 बजे साप्ताहिक स्वच्छता अभियान की शुरुआत की है। यह अभियान युवा जांजगीर के तत्वावधान में चलाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य शहर के विभिन्न वार्डों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता और सामुदायिक सहभागिता बढ़ाना है। अभियान के तहत भीमा तालाब और उसके पीछे स्थित प्रस्तावित पार्क स्थल की सफाई की गई, जहां भविष्य में एक सामुदायिक केंद्र विकसित करने की योजना है। पार्षद पंकज ने बताया कि वर्तमान में वार्ड में कार्यक्रमों के लिए निजी स्कूलों पर निर्भरता से आर्थिक बोझ और शैक्षणिक व्यवधान होता है, जिसे यह सामुदायिक स्थल दूर करेगा।

प्लेसमेंट कैंप से शिक्षित बेरोजगारों का हो रहा मोहभंग

जांजगीर चांपा। जिले के शिक्षित युवा बेरोजगारों को नौकरी देने के उदेश्य से सालों के भीतर 4 हजार 762 वैकेशी को भरने के लिए प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया गया। इस बीच करीन 6 हजार 192 मुना निजी क्षेत्रों में नौकरी पाने को लेकर पहुंचे। इनमें से महज 853 युवाओ को ही नौकरी मिल पाई, जिसके चलते बेरोजगार युवाओं का धीरे-धीरे प्लेसमेंट कैप से मोहभंग होता जा रहा है।

गौरतलब है कि बेरोजगार युवाओं को निजी क्षेत्रों में नौकरी से जोड़ने के उद्देश्य से हर महीने प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया जाता है ताकि बेरोजगार युवा नौकरी कर सके। इसी के तहत पिछले 3 सालों के आंकड़ों पर नजर डाली जाए तो वर्ष 2023 में साल भर के भीतर 11 प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया गया। इसमें 2 हजार 58 पदों के लिए नौकरी पाने 4 हजार 347 युवा शामिल हुए। इनमें महज 453 युवा को ही नौकरी मिल पाई। इसी प्रकार वर्ष 2024 में साल भर के भीतर 11 प्लेसमेंट कैप का आयोजन किया गया, जिसके तहत कैंप में 2 हजार 145 पदों के लिए नौकरी पाने 906 बेरोजगार युवा पहुंचे। इनमें महज 175 युवाओं को ही नौकरी मिल पाई। वर्ष 2025 में साल भर के भीतर 10 प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें 559 पदों के लिए नौकरी पाने 939 बेरोजगार युवा शामिल हुए। इनमें महज 225 युवाओं को ही नौकरी मिल सकी। कुल मिलाकर देखा जाए तो 3 सालों के भीतर 32 प्लेसमेंट कैंप के माध्यम से 4 हजार 762 वैकेंसी के लिए 6 हजार 192 युवा नौकरी पाने के लिए पहुंचे। इनमें भी महज 853 बेरोजगार युवाओं को ही नौकरी मिल पाई। देखा जाए तो हर साल युवाओं को

नौकरी देने के उद्देश्य से प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया जाता है, लेकिन इस कैप से बेरोजगार युवाओ का धीरे धीरे मोहभंग होता चला जा रहा है। प्लेसमेंट कैंप के माध्यम से बेरोजगार युवाओं को निजी क्षेत्रो में फिल्ड आफिसर, तकनीकि सहायक, प्रबंधक, मैनेजर, इलेक्ट्रिशियन, फीटर, मैकैनिक सहित अन्य पदों के लिए हर महीने प्लेसमेंट कैंप का आयोजन बड़े पैमाने पर किया जाता है, लेकिन नौकरी पाने को लेकर बेरोजगार युवाओ की भीड़ नजर नहीं आती।

दी जा रही नौकरी

बेरोजगार युवाओं को नौकरी से जोड़ने उद्देश्य से हर महीने लेसमेंट कैच को आयोजन किया जाता है। इसके माध्यम बेरोजगारों को नौकरी प्रदान की जाति है। कई बेरोजगार दुसरे राज्यों में आकर नौकरी नहीं करना चाहते। जिसके कारण भी कैसे में भीड नजर नहीं आती।

-एम आर जायसवाल,
जिला रोजगार अधिकारी
जांजगीर-चांपा

अवैध धान भंडारण एवं परिवहन पर कार्रवाई

जांजगीर-चांपा। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे के निर्देशन में जिले में अवैध धान भंडारण एवं परिवहन पर लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में राजस्व, खाद्य, कृषि, सहकारिता एवं मंडी विभाग के अधिकारियों की संयुक्त टीम द्वारा विभिन्न स्थानों पर कार्रवाई करते हुए अवैध धान जब्त किया गया है।

संयुक्त दल द्वारा धान उपार्जन केंद्र अकलतरा में जांच के दौरान किसान के टोकन पर अन्य व्यक्तियों द्वारा खपाए जा रहे 21 कट्टी (8.40 क्विंटल) धान को पकड़कर जब्ती की कार्रवाई की गई। वहीं ग्राम हरदी में एक दुकान से 40 कट्टी (16.00 क्विंटल) अवैध धान को मंडी अधिनियम के तहत जब्त किया गया। बम्हनीडीह विकासखंड अंतर्गत ग्राम रोहदा में राजस्व एवं मंडी विभाग द्वारा संयुक्त निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान शिव कुमार बरेठ के पास 180 बोरी धान (72.00 क्विंटल) अवैध रूप से भंडारित पाया गया। संबंधित व्यक्ति द्वारा वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर नियमानुसार जब्ती की कार्रवाई की गई। कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि अवैध धान भंडारण, परिवहन में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

संत रामपाल महराज किसान गौरव सम्मान से हुए सम्मानित

सारागांव। नगर पंचायत सारागांव के आशीष भवन में किसान गौरव सम्मान समारोह का लाइव प्रसारण किया गया। यह लाइव कार्यक्रम सतगामा खाप चबूतरा पार्क बालंद बेरी रोड रोहतक (हरियाणा) में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में संत रामपाल महाराज को किसान गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया।यह सम्मान 105 गांव एवं सतगामा तपा बालंद सरपंच एसोसिएशन ब्लॉक रोहतक, सरपंच एसोसिएशन ब्लॉक कलानौर, सरपंच एसोसिएशन ब्लॉक सांपला व गांव बालंद रोहतक द्वारा आयोजित किसान रहनुमा एवं किसान गौरव जगतगुरु संत रामपाल जी महाराज को हरियाणा में बाढ़ प्रभावित किसानों के उद्धार एवं सामाजिक कार्यों में दिए गए अद्वितीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। संत रामपाल महाराज के अन्नपूर्णा मुहिम के माध्यम से बाढ़ पीड़ित किसानों को गांव वालों को राशन सामान, मोटर सेट सहित, लाखों फिट 8 इंच पाइप, केबल एवं अन्य सामाग्री प्रदान किया गया था। हरियाणा एवं देश भर में किसान एसोसिएशन, सरपंच

एसोसिएशन, समाज सेवियों, गांवों के नागरिकों के द्वारा लगातार सम्मान समारोह कार्यक्रम रखकर सम्मानित किया जा रहा। सत्संग में संत रामपाल महाराज ने मानवता को कल्याण का मार्ग दिखाया। उन्होंने अपने आध्यात्मिक संदेश में स्पष्ट किया कि मोक्ष की प्राप्ति केवल उन भक्ति विधियों से संभव है जो वास्तविक शास्त्रों द्वारा प्रमाणित हैं। अधिकतर लोग परंपराओं और लोकवेद के आधार पर पूजा करते हैं, जिससे पूर्ण लाभ नहीं मिलता। सत्संग में बताया गया कि चारों वेदों, गीता और भागवत में जिस एक पूर्ण परमात्मा का वर्णन है, केवल उसी की भक्ति से जीव को जन्म-मरण के चक्र से मुक्ति मिलसकती है। गीता के अध्याय 4 श्लोक 34 का हवाला देते हुए महाराज जी ने समझाया कि सही ज्ञान (तत्वज्ञान) प्राप्ति के लिए एक %तत्वदर्शी संत% की शरण लेना अनिवार्य है। बिना समर्थ गुरु के भक्ति की दिशा सही नहीं हो सकती। संत रामपाल जी महाराज ने जोर देकर कहा कि वर्तमान में पृथ्वी पर वे ही एकमात्र तत्वदर्शी संत हैं जो सभी धर्मग्रंथों से प्रमाणित ज्ञान दे रहे हैं।

नावापारा केंद्र में 12000 क्विंटल धान की खरीदी

मालखरौदा। जिला सहकारी केंद्रीय मर्यादित बैंक छपोरा के अधीनस्थ धान खरीदी केंद्र नावापारा में इस समय खरीदी कार्य पूरी तरह से सुचारू रूप से चल रहा है। अब तक इस केंद्र पर चारों गांवों खर्री, कुर्दी, नावापारा और बरभाठा के किसानों से 12,000 क्विंटल से अधिक धान की खरीदी लिंकिंग सहित की जा चुकी है।

ग्राम बरभाठा के किसान पुनिराम चंद्रा ने बताया कि यहां किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो रही है। ग्राम नावापारा के किसान रामलाल साहू ने कहा कि इस वर्ष शासन-प्रशासन द्वारा बनाए गए नियमों के कारण थोड़ी परेशानी जरूर है, लेकिन केंद्र पर कार्य पूरी तरह नियमानुसार और किसानों के हितों को ध्यान में रखकर किया जा रहा है। धान खरीदी केंद्र के मंडी अध्यक्ष बोधीराम चंद्रा ने बताया कि खरीदी में सभी किसानों के बीच तालमेल बनाए रखा जा रहा है। प्रत्येक कार्य व्यवस्थित रूप से हो रहा है और किसी भी किसान को असुविधा नहीं हुई है। शासन-प्रशासन के निर्देशों के अनुसार बारी-बारी से धान की खरीदी की जा रही है।

पामगढ़ में महिला कमांडो टीम गठित की गई, एसपी ने सिखाए सुरक्षा के गुर

जांजगीर। रविवार को एसपी विजय कुमार पांडेय ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों में सुरक्षा, स्वच्छता और सामुदायिक जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए।

दिन की शुरुआत उन्होंने जिला कलेक्टर जन्मेजय महोबे के साथ शिवरीनारायण में स्वच्छता अभियान में भाग लेकर की। इस दौरान उन्होंने शिवरीनारायण नदी घाट की सफाई की और नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। एसपी ने कहा कि स्वच्छता केवल अभियान नहीं, बल्कि हर नागरिक की सामाजिक जिम्मेदारी है।

इसके बाद उन्होंने पामगढ़ क्षेत्र के चंडीपारा में सामुदायिक पुलिसिंग कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान महिला कमांडो टीम का गठन किया गया, जिससे स्थानीय महिलाओं को सुरक्षा और कानून के प्रति जागरूक बनाने के साथ सामुदायिक सुरक्षा में सक्रिय भूमिका

निभाने का अवसर मिलेगा। कुरियारी में नशा मुक्ति और साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इसके बाद बलौदा क्षेत्र के जूनाडीह और पतोरा में विशेष सामुदायिक पुलिसिंग कार्यक्रमों के माध्यम से नशा मुक्ति और समाज में जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया गया। एसपी ने नागरिकों को कानून-व्यवस्था, साइबर अपराध, नशा मुक्ति, महिला और बाल सुरक्षा तथा यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया।

कार्यक्रम में नागरिकों की समस्याओं को सुना गया और उनके समाधान के लिए दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि सामुदायिक पुलिसिंग के माध्यम से पुलिस और जनता मिलकर अपराधों की रोकथाम कर सुरक्षित समाज का निर्माण कर सकते हैं। एसपी ने अपील की कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें और समाज में शांति एवं सौहार्द बनाए रखने में सहयोग करें। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठन, शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि, युवा और वरिष्ठ नागरिकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। इस अवसर पर थाना प्रभारी शिवरीनारायण निरीक्षक राजीव श्रीवास्तव और थाना प्रभारी पामगढ़ निरीक्षक सावन सारथी भी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना के संबंध में ली बैंकर्स की बैठक

जांजगीर-चांपा। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में बैंकर्स की बैठक लेकर प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना (पीएम अजय) के अंतर्गत सभी बैंकों को निर्देशित किया कि अनुसूचित जाति वर्ग के हितग्राहियों को स्वरोजगार से जोड़ने हेतु अभ्युदय ऋण प्रकरणों का त्वरित परीक्षण कर समयबद्ध स्वीकृति प्रदान की जाए, ताकि पात्र हितग्राहियों को शीघ्र आर्थिक सहायता मिल सके। इस दौरान जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गोकुल रावटे सहित संबंधित अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने कार्यपालन अधिकारी जिला अंत्यावसायी को निर्देश दिया कि जिले में आयोजित आजीविका एवं रोजगार ऋण मेला के दौरान योजना से संबंधित स्टॉल अनिवार्य रूप से लगाए जाएँ, जिससे अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को योजना की जानकारी मिल सके और वे आवेदन के लिए प्रोत्साहित हों। उन्होंने कहा कि योजना का उद्देश्य केवल ऋण वितरण नहीं, बल्कि हितग्राहियों को स्थायी स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाना है। बैठक में जानकारी दी गई कि राज्य शासन द्वारा जांजगीर-चांपा जिले के लिए प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना के अंतर्गत कुल 885 ऋण प्रकरणों का लक्ष्य स्वीकृत किया गया है। कलेक्टर ने लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित विभागों एवं बैंकों के बीच बेहतर समन्वय कर अधिक से अधिक हितग्राहियों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि अभ्युदय योजना की प्रगति की साप्ताहिक समय-सीमा बैठक में नियमित समीक्षा की जाएगी।

योजना अंतर्गत किराना, मनिहारी, कपड़ा दुकान, नाई सैलून, ब्यूटी पार्लर, टेलरिंग, फैंसी स्टोर, मोटर मैकेनिक, साइकिल मरम्मत, टीवी-रेडियो-मोबाइल रिपेयरिंग, वेल्डिंग, मुर्गीपालन, बकरी पालन, सब्जी व्यवसाय, दोना पत्तल निर्माण, लघु एवं कुटीर उद्योग सहित स्थानीय आवश्यकता के अनुरूप अन्य आय जनक व्यवसायों के लिए बैंकों के माध्यम से ऋण स्वीकृत किया जाता है। कार्यपालन अधिकारी जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति मर्यादित ने बताया कि इसके अतिरिक्त जिस स्थान पर व्यवसाय करना चाहता है, उस स्थान पर चलने वाले व्यवसाय अथवा उपरोक्त व्यवसाय के अतिरिक्त भी अन्य व्यवसाय हेतु आवेदन किया जा सकता है, आवेदक को व्यवसाय का सामान्य अनुभव, जानकारी होना चाहिए। आवेदक योजना में ऋण की स्वीकृति बैंक द्वारा दी जावेगी। व्यवसाय अनुसार न्यूनतम 1,00,000 लाख रू. तक के ऋण प्रकरण में स्वीकृत ऋण के विरूद्ध 50 प्रतिशत या अधिकतम रू. 50,000 जो भी कम हो अनुदान राशि जिला अंत्यावसायी विभाग द्वारा स्वीकृत किया जाता है।

आवेदक अनुसूचित जाति वर्ग का हो, आवेदक जिले का मूल निवासी होना चाहिए। आवेदक का उम्र 18 से 50 वर्ष के मध्य हो। जाति, आय एवं निवास प्रमाण-पत्र (सक्षम अधिकारी द्वारा जारी) मान्य होगा। आय रू. 2,50,000/- (दो लाख पचास हजार रूपये) मात्र से अधिक न हो तथा आधार कार्ड, वोटर कार्ड, राशन कार्ड, बिजली बिल, शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र, प्रदत्त सामग्री एवं लाभार्थी का बीमा कराना होगा तथा बैंक द्वारा निर्धारित दस्तावेज, स्वयं का बैंक पासबुक की छायाप्रति, समस्त दस्तावेज सहित दो सेट व 4 पासपोर्ट साईज फोटो तथा शासकीय योजना में पूर्व का ऋण बकाया न हो। (संबंधित विभाग/बैंक द्वारा प्रदत्त अनापत्ति प्रमाण पत्र या शपथ पत्र) देना आवश्यक है।

इच्छुक आवेदक कार्यालयीन समय में कार्यालय जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति मर्यादित जांजगीर-चांपा, भारतीय स्टेट बैंक के बगल में, विश्राम गृह के सामने, पुराना जनपद पंचायत नवागढ़ सभा भवन जांजगीर में संपर्क कर आवेदन-पत्र जमा कर सकते हैं।

आधार बेस अटेंडेंस लागू करने से स्वास्थ्य कर्मियों की बढ़ी परेशानी

अंबिकापुर। आधार बेस अटेंडेंस प्रणाली 1 जनवरी से लागू होने के बाद स्वास्थ्य विभाग के मैदानी कर्मचारियों की परेशानियां बढ़ गई हैं। सुपरवाइजर (पुरुष/महिला), सीएचओ, बीईटीओ और नेत्र सहायक अधिकारियों के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश नहीं होने से यह व्यवस्था उनके दैनिक कार्यों में बाधा बन रही है।

नियमों के अनुसार सुबह 10 बजे और शाम 5 बजे अटेंडेंस लगाना अनिवार्य किया गया है, अन्यथा कर्मचारी को अनुपस्थित या हाफ डे माना जाएगा। मामले को लेकर स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के प्रांताध्यक्ष अनिल पाण्डेय के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने अंबिकापुर प्रवास के दौरान स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल से मुलाकात कर समस्याओं से अवगत कराया। मंत्री ने कर्मचारियों की व्यावहारिक कठिनाइयों को देखते हुए आवश्यकता अनुसार नियमों में बदलाव की संभावना पर सहमति जताई। साथ ही संघ की वन-टाइम ओपीडी संबंधी

मांग पर भी नीतिगत स्तर पर विचार करने का आश्वासन दिया।

संघ ने बताया कि अटेंडेंस एप में उप स्वास्थ्य केंद्र और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को ही लोकेशन पॉइंट बनाया गया है, जबकि मैदानी कर्मचारी टीकाकरण, सर्वे, मरीजों के फॉलो-अप और आयुष्मान कार्ड जैसे कार्यों के लिए पूरे क्षेत्र में भ्रमण करते हैं। ऐसे में शाम 5 बजे अटेंडेंस लगाने के लिए अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ती है, जिससे समय, आर्थिक नुकसान और दुर्घटना का खतरा बना रहता है। कर्मचारी समय आधारित नहीं बल्कि लक्ष्य आधारित कार्य करते हैं और आपातकालीन स्थितियों में 24 घंटे सेवाएं देते हैं। निजी मोबाइल में एप डाउनलोड करने से साइबर क्राइम का खतरा भी जताया गया है। स्वास्थ्य मंत्री से समस्याओं पर चर्चा करते संघ के प्रतिनिधि।

अनमोल वचन......

कुछ न करने के लिए समय निकालना अक्सर हर चीज़ को परिप्रेक्ष्य में लाता है।

नाकामियों ने उपजी हताशा

कांग्रेस की मुश्किल यह है कि गुजरे 12 साल में वह नरेंद्र मोदी के उछाले मुद्दों पर प्रतिक्रिया जताने से आगे का कोई कार्यक्रम तय नहीं कर पाई है। उधर बार-बार चुनावी हार से संगठन में हताशा गहरा गई है। दिग्विजय सिंह ने कांग्रेस की संगठन संबंधी मूलभूत समस्या की ओर इशारा किया, लेकिन इसके लिए उन्होंने संभवतः अनुचित प्रतीक चुना। जिस दल (भाजपा) या संगठन (आरएसएस) को कांग्रेस अपना वैचारिक विरोधी मानती हो, उसकी खूबी का सार्वजनिक बखान करना पार्टी में हलचल को आमंत्रित करना ही था। बहरहाल, वरिष्ठ कांग्रेस नेता शशि थरूर यही काम साल भर से ज्यादा समय से कर रहे हैं। एक मौके पर तो वे यह कह गए कि भारत का सौभाग्य है कि नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने यूक्रेन युद्ध पर तटस्थता की नीति अपना कर देश हित की रक्षा कर ली। इसके बावजूद कांग्रेस ने उन्हें बदार्श्त कर रखा है। जब कभी ये सवाल पार्टी प्रवक्ताओं के सामने आया, तो उनकी दलील थी कि कांग्रेस के अंदर लोकतंत्र है, जहां असहमति जताने की आजादी है। अब यह लोकतंत्र है या अराजकता- इस सवाल को खुद पार्टी नेतृत्व के लिए छोड़ दिया जाए, तब भी यह मूलभूत प्रश्न रह जाता है कि क्या ऐसे भटकाव से ग्रस्त दल कोई सार्थक विकल्प प्रदान कर सकता है। कांग्रेस की मुश्किल यह है कि 12 साल से विपक्ष में रहने के बावजूद वह नरेंद्र मोदी और भाजपा के उछाले मुद्दों पर प्रतिक्रिया जताने से आगे का कोई एजेंडा या कार्यक्रम तय नहीं कर पाई है। उधर बार-बार चुनावी हार से संगठन में हताशा गहराती चली गई है। संगठन में विभ्रम का हाल यह है कि कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन के प्रश्न पर पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे कहते सुने गए कि इस बारे में 'आलाकमान फैसला लेगा'। इस तरह उन्होंने साफ किया है कि वे 'आलाकमान' नहीं हैं। उनके अध्यक्ष होने के बावजूद यह हैसियत गांधी परिवार के सदस्यों की ही है। आज इस परिवार के सबसे अग्रणी चेहरा राहुल गांधी हैं, जिन्होंने भविष्य का सपना जगाने के बजाय जातीय पहचान की पुरानी पड़ चुकी राजनीति से पार्टी के पुनरुथ्थान की आस जोड़ी और जब इसमें कामयाबी नहीं मिली, तो वोट चोरी के कथानक में सिमट गए हैं। इन हालात में हताश नेताओं को प्रतिद्वंद्वी पार्टी में गुण नजर आने लगे हैं, तो उसमें कोई अचरज नहीं है।

राशिफल

मेष राशि- आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आपकी गुम हुई पुरानी वस्तु आज वापस मिल जाएगी। साथ ही आपको इनवेस्ट में लाभ होगा। इस राशि वाले लोगों को अपने जीवनसाथी से आज गिफ्ट मिल सकता है। जिससे आप दोनों के रिश्ते में मधुरता बढ़ेगी। आज दूसरों की बात भी अच्छे से समझने की कोशिश करें।

वृष राशि- आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज किसी बड़े मामलों पर समझौता करने और सहयोग करने के लिए आप तैयार रहें। रुके हुए काम आज पूरे हो जाएंगे। इस राशि के लोग आज जीवनसाथी को लेकर कहीं धार्मिक स्थल पर जा सकते हैं। नवविवाहित दंपत्ति के लिए आज का दिन बहुत ही अच्छा है।

मिथुन राशि- आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज प्रोजेक्ट में आपको जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा, जो आगे सफलता के लिए मददगार साबित होगा। ऑफिस के कामों में दूसरों की राय लेने से बचें, बेहतर यही होगा की किसी अपनों की काम में मदद लें तो काम आसानी से सफल होंगे।

कर्क राशि- आज के दिन आपको धन लाभ होगा। आज किसी अजनबी से बहस न करें। पैसों के लेन-देन के मामले में किसी भी तरह का निर्णय लेने से पहले बड़ों की सलाह लें। अपने ध्यान को केन्द्रित कर काम को पूरा करने की कोशिश करें। आज जो भी चीज आपके लिए रुकावट बनती है, उसे नजरदांज करें।

सिंह राशि- आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपका रुझान रचनात्मक कार्यों की तरफ ज्यादा रहेगा। नया वाहन खरीदनें के लिए आज का दिन शुभ है। साथ ही घर की साज-सजावट के लिए घरेलू उपकरणों से जुड़ी खरीददारी करने के लिए भी आज का दिन शुभ है। लवमेट के लिए आज का दिन शानदार है साथ में घूमने का प्लान बना सकते है। आज सोच-समझकर ही दूसरों की मदद करें।

कन्या राशि- आज का दिन लकी है। आज के दिन की शुरुआत खुशहाल रहने वाली है। जो लोग मिट्टी के व्यवसाय से जुड़े है उनके लिए आज का दिन फायदेमंद रहेगा। आज मेहनत और व्यवहार के कारण आपको धनलाभहोगा। शत्रु पक्ष आज आपके प्रभाव से पस्त रहेंगे। इस राशि के लोगों को आज पारिवारिक सुख और शांति का लाभ होगा।

तुला राशि- आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रही रहेगी। आज अपने कामों में कामयाबी का परचम लहराएंगे। आज खुद को मेंटली और फिजिकली फिट महसूस करेंगे। अगर आप नया वाहन खरीदने की सोच रहें है तो खरीद लें। व्यापार में आपको लाभ मिलने के आसार नजर आ रहें हैं।

वृश्चिक राशि- आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज किसी कार्य को पूरा करने का प्रयास सफल रहेगा। आज परिजनों से शुभ समाचार मिलेंगे और आपके आत्म सम्मान में वृद्धि होगी। आज किसी व्यक्ति विशेष से आपको मदद मिल सकती है। रात को बाहर दोस्त के साथ डिनर करने जाएंगे। आज ऑफिस में सरलता से कार्य को पूरा करने की कोशिश करें, मेहनत के मुताबिक सफलता आपको हासिल होगी।

धनु राशि- आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। व्यापारी वर्ग के लोगों को धन लाभ होगा। अगर किसी नए व्यापार की शुरूआत करना चाह रहें है तो आज शुरुआत कर सकते है। इस राशि के लोगों को जीवनसाथी से आज बहुत सारा प्यार मिलेगा। जीवनसाथी के साथ आप कहीं धार्मिक स्थलों पर जाने का मन बना सकते है।

मकर राशि- आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज मनोबल का स्तर अच्छा रहने के कारण आपके कार्य अच्छी गति से आगे बढ़ेंगे। आज बिजनेस में परिवर्तन के आसार दिख रहें हैं। ऑफिस में आपकी क्रिएटिविटी पहले से अच्छी बनेगी। इस राशि के लवमेट के लिए बढ़िया दिन है। आज भाग्य पूरी तरह से आपका साथ देगा।

कुंभ राशि- आज का दिन आपके लिए बहुत बढ़िया रहेगा। आपको अपने कार्यक्षेत्र में बड़ी सफलता हासिल होने वाली है। साथ ही किसी विदेशी कंपनी से जॉब का ऑफर आ सकता है। जिसे जॉइन करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। आज वाहन की पार्किंग सेफ जगह पर ही करें, वरना फाइन भरना पड़ सकता है। आज विरोधी आपको नुकसान पहुचाने का प्रयास कर सकते हैं, इसलिए जितना हो सके आप उनसे दूरियां बनाकर रहें। आज सामाजिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी।

मीन राशि- आज का दिन आपके जीवन में नई खुशियां लेकर आएगा। आपका रुझान अध्यात्म के प्रति अधिक रहेगा। माता-पिता के साथ कहीं मंदिर दर्शन के लिए जाएंगे। मनोरंजन के लिए बनाया हुआ प्लान आज टल सकता है। घर में आज समय ज्यादा व्यतीत करेगें। पैसों की जुड़ी समस्या आज खत्म हो जाएगी। व्यवसाय से धन लाभ होगा। इस राशि के स्टूडेंट के लिए आज का दिन शुभ रहने वाला है।

सोमनाथः अटूट आस्था के 1000 वर्ष (1026-2026)

//नरेंद्र मोदी//

सोमनाथ... ये शब्द सुनते ही हमारे मन और हृदय में गर्व और आस्था की भावना भर जाती है। भारत के पश्चिमी तट पर गुजरात में, प्रभास पाटन नाम की जगह पर स्थित सोमनाथ, भारत की आत्मा का शाश्वत प्रस्तुतिकरण है। द्वादश ज्योतिर्लिंग स्तोत्रम में भारत के 12 ज्योतिर्लिंगों का उल्लेख है। ज्योतिर्लिंगों का वर्णन इस पंक्ति से शुरू होता है...सौराष्ट्रे सोमनाथं च...यानि ज्योतिर्लिंगों में सबसे पहले सोमनाथ का उल्लेख आता है। ये इस पवित्र धाम की सभ्यतागत और आध्यात्मिक महत्ता का प्रतीक है। शास्त्रों में ये भी कहा गया है......

सोमलिङ्गं नरो दृष्ट्वा सर्वपापैः प्रमुच्यते। लभते फलं मनोवाञ्छितं मृतः स्वर्गं समाश्रयेत्॥

अर्थात्, सोमनाथ शिवलिंग के दर्शन से व्यक्ति अपने सभी पापों से मुक्त हो जाता है। मन में जो भी पुण्य कामनाएं होती हैं, वो पूरी होती हैं और मृत्यु के बाद आत्मा स्वर्ग को प्राप्त होती है। दुर्भाग्यवश, यही सोमनाथ, जो करोड़ों लोगों की श्रद्धा और प्रार्थनाओं का केंद्र था, विदेशी आक्रमणकारियों का निशाना बना, जिनका उद्देश्य विध्वंस था।

वर्ष 2026 सोमनाथ मंदिर के लिए बहुत महत्व रखता है क्योंकि इस महान तीर्थ पर हुए पहले आक्रमण के 1000 वर्ष पूरे हो रहे हैं। जनवरी 1026 में गजनी के महमूद ने इस मंदिर पर बड़ा आक्रमण किया था, इस मंदिर को ध्वस्त कर दिया था। यह आक्रमण आस्था और सभ्यता के एक महान प्रतीक को नष्ट करने के उद्देश्य से किया गया एक हिंसक और बर्बर प्रयास था। सोमनाथ हमला मानव इतिहास की सबसे बड़ी त्रासदियों में शामिल है। फिर भी, एक हजार वर्ष बाद आज भी यह मंदिर पूरे गौरव के साथ खड़ा है। साल 1026 के बाद समय-समय पर इस मंदिर को उसके पूरे वैभव के साथ पुनर्निर्मित करने के प्रयास जारी रहे। मंदिर का वर्तमान स्वरूप 1951 में आकार ले सका। संयोग से 2026 का यही वर्ष सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूरे होने का भी वर्ष है। 11 मई 1951 को इस मंदिर का पुनर्निर्माण सम्पन्न हुआ था। तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की उपस्थिति में हुआ वो समारोह ऐतिहासिक था, जब मंदिर के द्वार दर्शनों के लिए खोले गए थे।

1026 में एक हजार वर्ष पहले सोमनाथ पर हुए पहले आक्रमण, वहां के लोगों के साथ की गई क्रूरता और विध्वंस का वर्णन अनेक ऐतिहासिक स्रोतों में विस्तार से मिलता है। जब इन्हें पढ़ा जाता है तो हृदय कांप उठता है। हर पंक्ति में क्रूरता के निशान मिलते हैं, ये ऐसा दुःख है जिसकी पीड़ा इतने समय बाद भी महसूस होती है। हम कल्पना कर सकते हैं कि इसका उस दौर में भारत पर और लोगों के मनोबल पर कितना गहरा प्रभाव पड़ा होगा। सोमनाथ मंदिर का आध्यात्मिक महत्व बहुत ज्यादा था। ये बड़ी संख्या में लोगों को अपनी ओर खींचता था। ये एक ऐसे समाज की प्रेरणा था जिसकी आर्थिक क्षमता भी बहुत सशक्त थी। हमारे समुद्री व्यापारी और नाविक इसके वैभव की कथाएं दूर-दूर तक ले जाते थे। सोमनाथ पर हमले और फिर गुलामी के लंबे कालखंड के बावजूद आज मैं पूरे विश्वास के साथ और गर्व से ये कहना चाहता हूं कि सोमनाथ की गाथा विध्वंस की कहानी नहीं है। ये पिछले 1000 साल से चली आ रही भारत माता की करोड़ों संतानों के स्वाभिमान की गाथा है, ये हम भारत के लोगों की अटूट आस्था की गाथा है।

1026 में शुरू हुई मध्यकालीन बर्बरता ने आगे चलकर दूसरों को भी बार-बार सोमनाथ पर आक्रमण करने के लिए प्रेरित किया। यह हमारे लोगों और हमारी संस्कृति को गुलाम बनाने का प्रयास था। लेकिन हर बार जब मंदिर पर आक्रमण हुआ, तब हमारे पास ऐसे महान पुरुष और महिलाएं भी थीं जिन्होंने उसकी रक्षा के लिए खड़े होकर सर्वोच्च बलिदान दिया। और हर बार, पीढ़ी दर पीढ़ी, हमारी महान सभ्यता के लोगों ने खुद को संभाला, मंदिर को फिर से खड़ा किया और उसे पुनः जीवंत किया।

महमूद गजनवी लूटकर चला गया, लेकिन सोमनाथ के प्रति हमारी भावना को हमसे छीन नहीं सका। सोमनाथ से जुड़ी हमारी आस्था, हमारा विश्वास और प्रबल हुआ। उसकी आत्मा लाखों श्रद्धालुओं की भीतर सांस लेती रही। साल 1026 के हजार साल बाद आज 2026 में भी सोमनाथ मंदिर दुनिया को संदेश दे रहा है, कि मिटाने की मानसिकता रखने वाले खत्म हो जाते हैं, जबकि सोमनाथ मंदिर आज हमारे विश्वास का मजबूत आधार बनकर खड़ा है। वो आज भी हमारी प्रेरणा का स्रोत है, वो आज भी हमारी शक्ति का पुंज है। ये हमारा सौभाग्य है कि हमने उस धरती पर जीवन पाया है, जिसने देवी अहिल्याबाई होलकर जैसी महान विभूति को जन्म दिया। उन्होंने ये सुनिश्चित करने का पुण्य प्रयास किया कि श्रद्धालु सोमनाथ में पूजा कर सकें।

1890 के दशक में स्वामी विवेकानंद भी सोमनाथ आए थे, वो अनुभव उन्हें भीतर तक आंदोलित कर गया। 1897 में चेन्नई में दिए गए एक व्याख्यान के दौरान उन्होंने अपनी भावना व्यक्त की। उन्होंने कहा, दक्षिण भारत के प्राचीन मंदिर और गुजरात के सोमनाथ जैसे मंदिर आपको ज्ञान के अनगिनत पाठ सिखाएंगे। ये आपको किसी भी संख्या में पढ़ी गई पुस्तकों से अधिक हमारी सभ्यता की गहरी समझ देंगे। इन मंदिरों पर सैकड़ों आक्रमणों के निशान हैं, और सैकड़ों बार इनका पुनर्जागरण हुआ है। ये बार बार नष्ट किए गए, और हर बार अपने ही खंडहरों से फिर खड़े हुए। पहले की तरह सशक्त। पहले की तरह जीवंत। यही राष्ट्रीय मन है, यही राष्ट्रीय जीवन धारा है। इसका अनुसरण आपको गौरव से भर देता है। इसको छोड़ देने का मतलब है, मृत्यु। इससे अलग हो जाने पर विनाश ही होगा। ये सर्वविदित है कि आजादी के बाद सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का पवित्र दायित्व सरदार वल्लभभाई पटेल के सक्षम हाथों में आया। उन्होंने आगे बढ़कर इस दायित्व के लिए कदम बढ़ाया। 1947 में दीवाली के समय उनकी सोमनाथ यात्रा हुई। उस यात्रा के अनुभव ने उन्हें भीतर तक झकझोर दिया, उसी समय उन्होंने घोषणा की कि यहीं सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण होगा। अंततः 11 मई 1951 को सोमनाथ में भव्य मंदिर के द्वार श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। उस अवसर पर तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद उपस्थित थे। महान सरदार साहब इस ऐतिहासिक दिन को देखने के लिए जीवित नहीं थे, लेकिन उनका सपना राष्ट्र के सामने साकार होकर भव्य रूप में उपस्थित था।तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू इस घटना से अधिक उत्साहित नहीं थे। वो नहीं चाहते थे कि माननीय राष्ट्रपति और मंत्री इस समारोह का हिस्सा बनें। उन्होंने कहा कि इस घटना से भारत की छवि खराब होगी। लेकिन राजेंद्र बाबू अडिग रहे, और फिर जो हुआ, उसने एक नया इतिहास रच दिया।सोमनाथ मंदिर का कोई भी उल्लेख के.एम. मुंशी जी के योगदानों को याद किए बिना अधूरा है। उन्होंने उस समय सरदार पटेल का प्रभावी रूप से समर्थन किया था। सोमनाथ पर उनका कार्य, विशेष रूप से उनकी पुस्तक 'सोमनाथ, द श्राइन इटरनल', अवश्य पढ़ी जानी चाहिए। जैसा कि मुंशी जी की पुस्तक के शीर्षक से स्पष्ट होता है, हम एक ऐसी सभ्यता हैं जो आत्मा और विचारों की अमरता में अटूट विश्वास रखती है। हम विश्वास करते हैं- नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः। सोमनाथ का भौतिक ढांचा नष्ट हो गया, लेकिन उसकी चेतना अमर रही। इन्हीं विचारों ने हमें हर कालखंड में, हर परिस्थिति में फिर से उठ खड़े होने, मजबूत बनने और आगे बढ़ने का सामर्थ्य दिया है। इन्हीं मूल्यों और हमारे लोगों के संकल्प की वजह से आज भारत पर दुनिया की नजर है। दुनिया भारत को आशा और विश्वास की दृष्टि से देख रही है। वो हमारे इनोवेटिव युवाओं में निवेश करना चाहती है। हमारी कला, हमारी संस्कृति, हमारा संगीत और हमारे अनेक पर्व आज वैश्विक पहचान बना रहे हैं। योग और आयुर्वेद जैसे विषय पूरी दुनिया में प्रभाव डाल रहे हैं। ये स्वस्थ जीवन को बढ़ावा दे रहे हैं। आज कई वैश्विक चुनौतियों के समाधान के लिए दुनिया भारत की ओर देख रही है।अनादि काल से सोमनाथ जीवन के हर क्षेत्र के लोगों को जोड़ता आया है। सदियों पहले जैन परंपरा के आदरणीय मुनि कलिकाल सर्वज्ञ हेमचंद्राचार्य यहां आए थे और कहा जाता है कि प्रार्थना के बाद उन्होंने कहा,

भवबीजाङ्करजनना रागाद्याः क्षयमुपगता यस्य।

अर्थात्, उस परम तत्व को नमन जिसमें सांसारिक बंधनों के बीज नष्ट हो चुके हैं। जिसमें राग और सभी विकार शांत हो गए हैं। आज भी दादा सोमनाथ के दर्शन से ऐसी ही अनुभूति होती है। मन में एक ठहराव आ जाता है, आत्मा को अंदर तक कुछ स्पर्श करता है, जो अलौकिक है, अव्यक्त है। 1026 के पहले आक्रमण के एक हजार वर्ष बाद 2026 में भी सोमनाथ का समुद्र उसी तीव्रता से गर्जना करता है और तट को स्पर्श करती लहरें उसकी पूरी गाथा सुनाती हैं। उन लहरों की तरह सोमनाथ बार-बार उठता रहा है।अतीत के आक्रमणकारी आज समय की धूल बन चुके हैं। उनका नाम अब विनाश के प्रतीक के तौर पर लिया जाता है। इतिहास के पन्नों में वे केवल फुटनोट हैं, जबकि सोमनाथ आज भी अपनी आशा बिखेरता हुआ प्रकाशमान खड़ा है। सोमनाथ हमें ये बताता है कि घृणा और कट्टरता में विनाश की विकृत ताकत हो सकती है, लेकिन आस्था में सृजन की शक्ति होती है। करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए सोमनाथ आज भी आशा का अनंत नाद है। ये विश्वास का वो स्वर है, जो टूटने के बाद भी उठने की प्रेरणा देता है।अगर हजार साल पहले खंडित हुआ सोमनाथ मंदिर अपने पूरे वैभव के साथ फिर से खड़ा हो सकता है, तो हम हजार साल पहले का समृद्ध भारत भी बना सकते हैं। आइए, इसी प्रेरणा के साथ हम आगे बढ़ते हैं। एक नए संकल्प के साथ, एक विकसित भारत के निर्माण के लिए। एक ऐसा भारत, जिसका सभ्यतागत ज्ञान हमें विश्व कल्याण के लिए प्रयास करते रहने की प्रेरणा देता है। **जय सोमनाथ !**

(नरेंद्र मोदी भारत के प्रधानमंत्री हैं और श्री सोमनाथ ट्रस्ट के अध्यक्ष भी हैं।)

संघ और भाजपा में क्या है संबंध?

//एस. सुनील//

सभी बातों की बारीकियों को समझे बगैर न तो आरएसएस को समझा जा सकता है, न भारतीय जनता पार्टी को समझा जा सकता है और न दोनों संगठनों के संबंधों को समझा जा सकता है। बहुत अच्छा संयोग है जो संघ प्रमुख ने भी अपने व्याख्यानों से भ्रांतियों को दूर करने का प्रयास किया है तो संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने भी समस्त भ्रांतियों को दूर किया है। आशा है कि इससे आरएसएस और भाजपा को समझने की दृष्टि स्पष्ट होगी। राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ यानी आरएसएस की स्थापना के एक सौ वर्ष पूरे हुए हैं। यह अवसर इस सांस्कृतिक और राष्ट्रवादी संगठन के विचारों के प्रसार के साथ साथ इसके बारे में बनी अनेक प्रकार की भ्रांतियों को दूर करने का भी है। मोहन भागवत स्वंय देश के अलग अलग क्षेत्रों में एक व्याख्यान शृंखला के तहत संघ के उद्देश्यों से लेकर इसके कार्य करने की तरीके और भारतीय जनता पार्टी के साथ इसके संबंधों के बारे में बनी भ्रांतियों को दूर कर रहे हैं। उन्होंने बहुत स्पष्ट शब्दों में कहा है कि आरएसएस को भाजपा की दृष्टि से देखने वाले प्रायः गलती कर जाते हैं। ने कहा है कि आरएसएस कोई पैरामिलिट्री फोर्स नहीं है और इसका उद्देश्य किसी का विरोध करना या किसी से लड़ना नहीं है। आरएसएस राष्ट्र निर्माण और लोगों को जोड़ने का काम करता है।

इसी बात को एक व्यापक दृष्टि के साथ भाजपा के संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने देश के सामने प्रस्तुत किया है। आरएसएस के मुखपत्र 'पांचजन्य' को दिए एक साक्षात्कार में उन्होंने भाजपा के कामकाज के तौर तरीके, निर्णय प्रक्रिया, नेतृत्व की भूमिका, संगठन के विस्तार, संगठन व सरकार के साथ समन्वय और राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के साथ संबंधों की व्याख्या की है। यह उनका संभवतः पहला विस्तृत साक्षात्कार है। उन्होंने जिस स्पष्टवादिता के साथ सभी प्रश्नों के उत्तर दिए हैं वह समकालीन राजनीति में एक दुर्लभ गुण है।यह साक्षात्कार कई दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे कई प्रश्नों के उत्तर मिलते हैं और संघ व भाजपा की दूरदृष्टि दिखाई देती है। उदाहरण के तौर पर देश के लोग जानना चाहते हैं कि राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष के तौर पर नितिन नबीन का चयन कैसे हुआ। बीएल संतोष से पूछा गया कि भाजपा अपने निर्णयों से अब तक देश को चौंकाती रहती थी क्या अब वह स्वंय को चौंका रही है। उन्होंने एक बहुत ही अच्छे रूपक के साथ इस प्रश्न का उत्तर दिया। उन्होंने कहा कि किसी परिवार में कन्या के विवाह के लिए वर का नाम जब लोगों को बताया जाता है तभी पता चलता है कि कन्या का विवाह किसके साथ होना निर्धारित हुआ है। परंतु इसका यह अर्थ नहीं है कि वर का चयन उसी समय हुआ हो। चयन की प्रक्रिया चल रही होती है और जिस दिन नाम बताया जाता है उस दिन सबको पता चलता है। इसको चौंकाना नहीं कहते हैं। ऐसे ही राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष के चयन की प्रक्रिया है। उन्होंने बताया कि सात से आठ महीने पहले इस पर विचार मंथन की प्रक्रिया शुरू हुई। असल में भाजपा के अंदर संगठन के चुनाव की व्यापक प्रक्रिया है। पहले जिला और प्रदेशों में चुनाव होते हैं और उसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होता है। इसी प्रक्रिया के तहत नितिन नबीन का चयन हुआ। परंतु यह नहीं समझना चाहिए कि जिस दिन उनके नाम की घोषणा हुई उसी दिन उनका नाम तय हुआ या उसी दिन उनका चयन हुआ। ध्यान रहे जेपी नड्डा का कार्यकाल 2023 में समाप्त हो रहा था परंतु उस वर्ष कई राज्यों के चुनाव थे और अगले साल लोकसभा का चुनाव होना था इसलिए उनको कार्यकाल का विस्तार दिया गया। फिर एक के बाद एक चुनावों की वजह से उनका कार्यकाल बढ़ता गया। पिछले वर्ष दिल्ली विधानसभा का चुनाव संपन्न होने के कुछ समय बाद चुनावों की प्रक्रिया शुरू हुई और लंबे विचार विमर्श के बाद नितिन नबीन का नाम तय हुआ।

संगठन चुनाव की प्रक्रिया समझाने के बाद उन्होंने बहुत ही विस्तार से संघ और भाजपा के संबंधों की व्याख्या की। उन्होंने कहा कि भाजपा अपने विस्तार में, अपनी निर्णय प्रक्रिया में और अपने कामकाज में अनेक शुभचिंतकों से विचार विमर्श करती है और उनकी सलाह लेती है। आरएसएस उसके सबसे बड़े शुभचिंतकों का समूह है। इसके बाद उन्होंने दोनों के संबंधों की व्याख्या करने के लिए जो रूपक गढ़ा वह अद्भुत है। उन्होंने कहा कि आरएसएस तो भाजपा का मायका है। मायका यानी मां का घर है। इस एक वाक्य से उम्मीद करनी चाहिए कि तमाम भ्रांतियां दूर होंगी और सभी प्रश्नों के उत्तर मिलेंगे। आरएसएस की कोख से भाजपा का जन्म हुआ है तो वहां की सलाह ली ही जाएगी। परंतु इसी जगह पर उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि भाजपा अपनी निर्णय प्रक्रिया के लिए स्वतंत्र है। आरएसएस एक प्रेरणा के तौर पर है और प्रेरणा असीमित होती है। इस तरह सारी अस्पष्टता को दूर करते हुए कहा कि आरएसएस से भाजपा को प्रेरणा मिलती है, समय समय पर परामर्श मिलता है लेकिन भाजपा का निर्माण इस तरह से हुआ है कि वह अपने निर्णय करने के लिए पूरी तरह से स्वतंत्र है।ऐसे ही प्रायः सत्ता, संगठन और विचारधारा को लेकर प्रश्न उठते हैं। इस प्रश्न का भी बेहद सधा हुआ उत्तर संगठन महामंत्री ने दिया। उन्होंने कहा कि विचारधारा के मूल से कोई समझौता नहीं हो सकता है लेकिन सत्ता प्राप्त करना भी राजनीति का उद्देश्य होता है। इसका अर्थ है कि विचारधारा की मूल अवधारणा से समझौता किए बगैर सत्ता प्राप्त करना भाजपा का उद्देश्य है। यह उद्देश्य क्यों है इसे भी उन्होंने विस्तार से समझाया। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि अगर सत्ता नहीं होती तो हम अनुच्छेद 370 को हाथ भी नहीं लगा सकते थे। हम अनुच्छेद 35ए को हाथ भी नहीं लगा सकते थे। उन्होंने कहा कि सिर्फ भाषण देने या प्रदर्शन करते रहने से कुछ नहीं बदलता है।आप जिन संवैधानिक या व्यवस्थागत खामियों का विरोध करते रहे हैं उनके ठीक करने के लिए आपको सत्ता की आवश्यकता होगी। इसलिए भाजपा को सत्ता प्राप्त करने की राजनीति करने में कोई हिचक नहीं है। उन्होंने यहां स्पष्ट किया कि सत्ता एक साधन की तरह है। वह भोग करने के लिए नहीं है। उसका प्रयोग जन आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए किया जाना चाहिए। संगठन मंत्री बीएल संतोष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 12 वर्षों में सत्ता का प्रयोग भोग के लिए नहीं, बल्कि कई खामियों को दूर करने और जन आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए किया है।अपने साक्षात्कार में बीएल संतोष ने इन प्रश्नों के उत्तर भी दिए हैं कि भाजपा के संगठन का विस्तार कैसे हुआ, संगठन में निर्णय कैसे होते हैं, क्या भाजपा में निर्णय की प्रक्रिया केंद्रीकृत हो गई है और भाजपा व्यक्ति केंद्रित है या संगठन केंद्रित।संगठन महामंत्री ने संगठन प्रक्रिया के बारे में बताते हुए एक उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि एक बहुत छोटा निर्णय होना था, जो एक व्यक्ति कर सकता था। परंतु उन्होंने इसके लिए 17 अलग अलग लोगों से विचार विमर्श किया और उनकी राय को टाइप करके राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को भेजा। इसके बाद भी राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उनको फोन करके पूछा कि इस पर उनकी क्या राय है। उसके बाद निर्णय किया गया। इस तरह उन्होंने बताया कि भाजपा में निर्णय की प्रक्रिया कितनी लोकतांत्रिक है और कितनी विकेंद्रित है। वहां हर निर्णय के पीछे अनेक लोगों की राय होती है और निर्णय उस पर आधारित होता है। इसका अर्थ है कि भाजपा में ऊपर से निर्णय थोपे जाने की जो बात करते हैं उनको इसके कामकाज के बारे में कोई जानकारी नहीं होती है। भाजपा नेतृत्व के व्यक्ति केंद्रित होने के आरोप भी विपक्षी पार्टियों की ओर से अक्सर लगाए जाते हैं। परंतु भाजपा में ऐसा बिल्कुल नहीं है। हां, यह अवश्य है कि प्रधानमंत्री या अध्यक्ष हैं तो उनको श्रेय मिलेगा या उनकी बात महत्वपूर्ण होगी परंतु सारे फैसले वे नहीं करते हैं। राष्ट्रीय महामंत्री ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे पूर्व उप राष्ट्रपति वेंकैया नायडू की एक वन लाइनर के जरिए इसकी व्याख्या की। वेंकैया नायडू अक्सर कहा करते थे कि 'प्रेसिडेंट प्रिजाइड, पार्टी डिसाइड'। इसका अर्थ है कि पार्टी का अध्यक्ष निर्णय प्रक्रिया की बैठकों की अध्यक्षता करेगा लेकिन निर्णय पार्टी करेगी।

यह भाजपा की सबसे बड़ी शक्ति है, जिसका मुकाबला कोई दूसरी पार्टी नहीं कर सकती है। इसकी बारीकी में जाएं तब इस बात का महत्व समझ में आता है। उन्होंने यह भी कहा कि सिद्धांत तय करने की प्रक्रिया केंद्रीकृत है लेकिन उस सिद्धांत पर अमल की प्रक्रिया विकेंद्रित और पूरी तरह से लोकतांत्रिक है। इसका भी उन्होंने उदाहरण दिया और कहा कि भाजपा के 16 हजार मंडल हैं। इसको लेकर एक सिद्धांत तय हुआ कि मंडल अध्यक्ष 45 वर्ष से ज्यादा आयु का नहीं होगा। यह सिद्धांत तय होने के बाद राष्ट्रीय नेतृत्व की भूमिका समाप्त हो गई।

इसके बाद किस मंडल का अध्यक्ष कौन होगा यह बिल्कुल जमीनी स्तर पर पार्टी तय करेगी। उस प्रदेश के मुख्यमंत्री की भी इसमें कोई भूमिका नहीं होती है। इसी तरह भाजपा के संगठन विस्तार की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा ने 14 करोड़ सदस्य बनाए हैं और यह काम पार्टी का शीर्ष नेता नहीं कर रहा था

इसमें पार्टी के 57 लाख नेता और कार्यकर्ता लगे। सबने पांच या 10 या उससे ज्यादा सदस्य बनाए, तब भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बनी। इन सब बातों की बारीकियों को समझे बगैर न तो आरएसएस को समझा जा सकता है, न भारतीय जनता पार्टी को समझा जा सकता है और न दोनों संगठनों के संबंधों को समझा जा सकता है। बहुत अच्छा संयोग है जो संघ प्रमुख ने भी अपने व्याख्यानों से भ्रांतियों को दूर करने का प्रयास किया है तो संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने भी समस्त भ्रांतियों को दूर किया है। आशा है कि इससे आरएसएस और भाजपा को समझने की दृष्टि स्पष्ट होगी।

उत्तराखंड में अतिक्रमण के नाम पर लैंड जिहाद नहीं चलने देंगे, शब्दोत्सव कार्यक्रम में बोले सीएम धामी

दक्षिणी दिल्ली, 05 जनवरी ।

देवभूमि उत्तराखंड का देवत्व और सांस्कृतिक स्वरूप बनाए रखना सामूहिक जिम्मेदारी है। पहले की सरकारों ने इसपर ध्यान नहीं दिया, इसके चलते कई पहाड़ी इलाकों पर बाहरी लोग कब्जा कर चुके हैं। सरकारी जमीनों पर हरी-नीली चादरें चढ़ाकर अतिक्रमण किया जा रहा है, जोकि सुनियोजित सोची-समझी साजिश है। धामी ने कहा कि हमने संवैधानिक तरीके से सरकारी जमीनों से अवैध कब्जों को हटाने का काम शुरू किया और इसके तहत 10 हजार एकड़ भूमि अतिक्रमण मुक्त कर चुके हैं। करीब 600 अवैध ढांचे गिराए जा चुके हैं, जहां कोई धार्मिक अवशेष, चिन्ह या निशान नहीं मिले। हरिद्वार में दुनिया की सबसे बड़ी धर्मध्वजा लहराने की तैयारी चल रही है, जो वैश्विक स्तर पर सनातन संस्कृति का प्रतीक बनेगी। उन्होंने कहा कि मदरसों में शिक्षा के नाम पर कुछ अलग ही खेल चल रहा है, इसलिए उत्तराखंड में एक जुलाई 2026 के बाद ऐसे मदरसे बंद किए जाएंगे जहां राज्य का

निर्धारित पाठ्यक्रम नहीं पढ़ाया जा रहा है।

देवभूमि में कबिलाई मानसिकता नहीं पनपने देंगे और हर समुदाय को लाभ पहुंचाने वाले शिक्षा के मंदिर स्थापित करेंगे।चारधाम और अन्य धार्मिक क्षेत्रों में तेजी से विकास हुआ है। दिल्ली से देहरादून एलिवेटेड रोड का काम जल्द खत्म हो जाएगा। इसके बाद दिल्ली से देहरादूर जाने वाले लोग फ्लाइट के बजाय सड़क से जल्दी पहुंच जाएंगे। देहरादून, ऋषिकेश व हरिद्वार में आने वाले समय में ट्रैफिक दबाव बढ़ने की संभावना को देखते हुए रिंग रोड का प्रस्ताव भी तैयार किया गया है, ताकि पर्यटकों और स्थानीय लोगों दोनों को सुविधा मिल सके। भारत को समझना बेहद जरूरी है। दुनिया में शायद ही कोई और देश हो जिसके दो नाम हों। भारत में राष्ट्र की अवधारणा पश्चिमी नेशन से अलग है। पश्चिम में नेशन की अवधारणा 16वीं सदी में विकसित हुई, जबकि भारत में राष्ट्र सदैव समाज के रूप में मौजूद रहा है। स्वदेशीकरण का अर्थ है दूसरों पर न्यूनतम निर्भरता। ये बातें आरएसएस के राष्ट्र कार्यकारिणी सदस्य डा. मनमोहन वैद्य ने भारत की भारतीय अवधारणा सत्र में कहीं। उन्होंने देश की शिक्षा व्यवस्था पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा गया कि आज की शिक्षा नौकरी मांगने वाले युवा तैयार कर रही है, जिससे बेरोजगारी बढ़ रही है।

भारत को केवल कृषि प्रधान देश बताकर सीमित कर दिया गया, जबकि वह हमेशा से उद्योग प्रधान भी रहा है। कभी भारत दुनिया को अनाज बेचता नहीं, बल्कि खिलाता था। स्टील, चमड़ा, पीतल और कपड़ा जैसे उद्योग घर-घर में थे। विविधता में एकता के संदर्भ में कहा गया कि भारत विविध संस्कृतियों का देश नहीं, बल्कि ऐसी एक संस्कृति का देश है जो विविधता को स्वीकार करती है। उन्होंने कहा कि जेन जी आशावादी पीढ़ी है और जो ठान लेती है, उसे पूरा करके दिखाती है। उन्हें उपदेश देने की बजाय संवाद करना चाहिए, प्रश्नों के माध्यम से सोचने और खोजने का अवसर देना चाहिए।

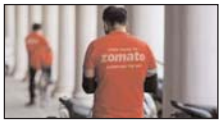

धोखाधड़ी के आरोप में हर महीने 5 हजार गिग वर्कर्स को नौकरी से निकालता है जोमैटो, दीपेंद्र गोयल ने किया खुलासा

नई दिल्ली। धोखाधड़ी संबंधी मामलों के कारण जोमैटो हर महीने लगभग पांच हजार गिग वर्कर्स को नौकरी से निकालता है, जबकि डेढ़ लाख से दो लाख कर्मचारी स्वेच्छा से इस फास्ट फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म को छोड़ देते हैं। यह बात जोमैटो की पैरेंट कंपनी इटरनल के संस्थापक और सीईओ दीपेंद्र गोयल ने कही।एक यूट्यूबर के साथ एक वीडियो पॉडकास्ट में गोयल ने कहा कि जो लोग प्लेटफॉर्म छोड़ते हैं, वे गिग वर्क को अस्थायी नौकरी मानते हैं। गौरतलब है कि अधिक वेतन, बेहतर कामकाजी परिस्थितियों और सुरक्षा की अपनी मांगों को लेकर जोमैटो समेत क्विक कामर्स और फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म पर काम करने वाले कई गिग वर्कर्स ने नए साल की पूर्व संध्या पर हड़ताल कर दी थी।इस बीच, श्रम और रोजगार मंत्रालय ने चार श्रम संहिताओं के लिए मसौदा नियम प्रकाशित किए हैं, जिसमें गिग वर्कर्स को भी न्यूनतम मजदूरी, स्वास्थ्य, व्यावसायिक सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा कवरेज जैसे विभिन्न लाभ दिए जाने का प्रविधान है।सरकार ने इन मसौदा नियमों पर हितधारकों से प्रतिक्रिया आमंत्रित की है। एक अप्रैल से पूरे देश में चार श्रम संहिताओं को लागू किया जाना है।

भारत के अटके हुए एक अरब डॉलर के बकाये का हो सकता है भुगतान, वेनेजुएला पर अमेरिकी नियंत्रण का क्या होगा असर?

नई दिल्ली। वेनेजुएला के तेल क्षेत्र पर अमेरिकी नियंत्रण अथवा उसके पुनर्गठन से भारत को प्रत्यक्ष लाभ मिल सकता है। विश्लेषकों का कहना है कि इस घटनाक्रम के चलते लंबे समय से अटके भारत के लगभग एक अरब डॉलर के बकाये का भुगतान हो सकता है और वेनेजुएला में भारतीय कंपनियों द्वारा संचालित तेल क्षेत्रों से कच्चे तेल का उत्पादन भी बढ़ सकता है। भारत एक समय वेनेजुएला के कच्चे तेल का प्रमुख आयातक था। किसी समय भारत प्रतिदिन चार लाख बैरल से अधिक तेल का आयात करता था। हालांकि, 2020 में अमेरिकी प्रतिबंधों और अनुपालन जोखिमों के कारण यह आयात बाधित हो गया था। विदेश में भारत की प्रमुख तेल उत्पादन कंपनी ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओवीएल) पूर्वी वेनेजुएला के सैन क्रिस्टोबल तेल क्षेत्र का संयुक्त संचालन करती है।

पावर ग्रिड पर हमले से अंधेरे में डूबा बर्लिन, चरमपंथी संगठन पर लगा आरोप, लाखों लोग प्रभावित

बर्लिन। दक्षिण-पश्चिम बर्लिन में आगजनी की घटना ने जर्मनी की राजधानी के हजारों लोगों को बिजली विहीन कर दिया है। संभवतः यह दूरदराज के वामपंथी चरमपंथी संगठन के हमले का परिणाम है। ग्रिड कंपनी स्ट्रोमनेट्ज बर्लिन ने बताया कि संदिग्ध आगजनी के कारण 45 हजार घरों को 8 जनवरी तक बिजली के बिना रहना पड़ सकता है। ग्रिड कंपनी ने कहा कि बिजली बहाल करने के प्रयास जारी हैं, जिसमें लगभग 35 हजार घरों और 1,900 व्यावसायिक संस्थाओं पर अभी भी प्रभाव पड़ा हुआ है। स्थानीय मीडिया ने एक पत्र प्रकाशित किया, एक वामपंथी संगठन वोल्केनो ग्रुप ने इस घटना की जिम्मेदारी ली है। यह कहते हुए कि इसके कार्य जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा उद्योग के खिलाफ थे।बर्लिन की आंतरिक मामलों की मंत्री इरिस स्प्रेंगर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, जिम्मेदारी का दावा करने वाला पत्र सुरक्षा अधिकारियों द्वारा प्रामाणिक के रूप में वर्गीकृत किया गया है। मैं बर्लिनवासियों और शहर के आगंतुकों पर इस अमानवीय हमले की सबसे कड़ी निंदा करती हूं। जांच जारी है। सितंबर में दो खंभों पर संदिग्ध आग ने लगभग 50 हजार घरों की बिजली को गायब कर अंधेरे में डुबो दिया। स्थानीय मीडिया ने कहा था कि यह वोल्केनो ग्रुप के टेस्ला की गिगाफैक्टरी के पावर सप्लाई पर 2024 में किए गए हाई-प्रोफाइल हमले के समान था।

उज्बेक महिला कैदी ने दीवार पर सिर पटककर किया आत्महत्या का प्रयास

सिद्धार्थनगर। भारत-नेपाल सीमा पर बिना वैध दस्तावेज के पकड़ी गई उज्बेकिस्तान की महिला जर्निगोर तुखताबोएवा ने एक जनवरी को दीवार पर सिर पटककर जान देने की कोशिश की थी। तुखताबोएवा को 28 दिसंबर को बढ़नी सीमा पर सशस्त्र सीमा बल के जवानों ने पकड़कर पुलिस के हवाले किया था।गिरफ्तारी के बाद जेल पहुंचने पर तुखताबोएवा ने दीवार पर सिर पटककर खुद को जख्मी कर लिया था। रविवार को भी उसकी हालत में कोई सुधार नहीं दिखा।

बिना इंजन वाले INSV कौंडिन्य ने अपनी यात्रा का एक तिहाई हिस्सा पूरा किया, अब कहां पहुंचा?

पोरबंदर। भारतीय नौसेना का जहाज आईएनएसवी कौंडिन्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसी जानकारी सामने आई है कि इसने अपनी यात्रा का एक तिहाई हिस्सा पूरा कर लिया है। यह जहाज गुजरात के पोरबंदर से ओमान के मस्कट की यात्रा पर निकला है। आधुनिक जहाजों के विपरीत, आईएनएसवी कौंडिन्य में कोई इंजन नहीं है। यह पूरी तरह से हवा, पाल और पांचवीं शताब्दी की जहाज निर्माण विधि पर निर्भर है। स्वदेशी रूप से निर्मित जहाज की यात्रा के बारे में जानकारी देते हुए, प्रधानमंत्री मोदी की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल ने लिखा, समुद्र शांत है और उत्तर-पूर्वी हवा स्थिर है। हमने कल रात अच्छी यात्रा की। जब जहाज का हिलना-डुलना कम हुआ तो मुझे नींद आ गई। उम्मीद है कि आने वाली पश्चिमी हवा शांत रहेगी और हमें फिर से अपने मार्ग से नहीं भटकाएगी। लगभग एक सप्ताह पहले जब कौंडिन्य ने अपनी यात्रा शुरू की थी, तब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे साकार करने में किए गए समर्पित प्रयासों के लिए डिजाइनरों, कारीगरों, जहाज निर्माताओं और भारतीय नौसेना को बधाई दी थी।

ईरान से नजदीकी बढ़ा रहा था वेनेजुएला... अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने बताई हमले की वजह

नईदिल्ली, 05 जनवरी [एजेंसी]।

अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने वेनेजुएला में की गई अमेरिकी सैन्य कार्रवाई को जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि वेनेजुएला ईरान से नजदीकी बढ़ा रहा था और वहां आपराधिक समूहों को खुलेआम मनमानी करने की छूट मिली हुई थी। अमेरिका को इससे खतरा बढ़ रहा था। उन्होंने ये भी कहा कि इस मामले की तुलना इराक, लिबिया या अफगानिस्तान से नहीं की जा सकती है।उन्होंने कहा कि लोग हर चीज को इसी नजरिये से देखते हैं। ये मध्य एशिया नहीं है। वेनेजुएला में तत्काल लोकतांत्रिक सत्ता परिवर्तन की उम्मीदों को अवास्तविक बताते हुए कहा है कि निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी के तुरंत बाद चुनाव की मांग करना व्यावहारिक नहीं है। समाचार एजेंसी आइएएनएस के मुताबिक, विदेश मंत्री रूबियो ने वेनेजुएला के तेल भंडार पर अमेरिकी की नजर के दावों को भी खारिज किया। उन्होंने कहा कि तेल हितों से अमेरिकी नीति संचालित नहीं होती। हमने एक नार्को तस्कर को पकड़ा है। हालांकि, उन्होंने वेनेजुएला की आर्थिक बेहतरी में तेल को केंद्रीय भूमिका में बताया। रूबियो ने कहा कि तेल उद्योग बुरी तरह तबाह हो चुका है। उन्हें निवेश की जरूरत है। तेल संपदा से जनता का ही भला होगा। फिलहाल, वहां की समस्त संपदा चुरा ली गई है। रूबियो ने चेतावनी दी कि अपने क्षेत्र में अमेरिका हिजबुल्ला और ईरान की तरह दुश्मन ताकतों की मौजूदगी बर्दाश्त नहीं करेगा।उन्होंने वेनेजुएला में विपक्षी नेताओं की भूमिका को भी स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि मारिया कोरिना मचाडो के प्रति उनके मन में बहुत सम्मान है। साथ ही उन्होंने एडमुंडो गोंजालेज की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि वेनेजुएला में सत्ता परिवर्तन में समय लगेगा। ये एक प्रक्रिया के तहत होगा।

अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने वेनेजुएला में अमेरिकी कार्रवाई को 2003 के इराक हमले से तुलना करने को अनुचित बताया। उन्होंने कहा कि मादुरो का मामला इराक के सर्वथा उलट है। समाचार एजेंसी के मुताबिक हेगसेथ ने कहा कि वेनेजुएला में आपरेशन पिछले सैन्य अभियानों से बिल्कुल अलग था, और कहा कि मौजूदा रणनीति अमेरिकी सैनिकों को खतरे में डाले बिना लक्ष्यों को हासिल करने पर केंद्रित है। रणनीतिक कार्रवाई के जरिए, हम यह पक्का कर सकते हैं कि हमें अतिरिक्त धन और संसाधन मिलें, जिससे कोई देश अमेरिकी खून बहाए बिना ही उनका इस्तेमाल कर सकें। बता दें कि 2003 में इराक में अमेरिका ने हमला किया था और तानाशाह राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन को गिरफ्तार किया था। 2006 में इराकी कोर्ट ने मानवता के खिलाफ अपराधों के लिए सद्दाम को फांसी की सजा दी गई थी।

उत्तराखंड में सामने आया इंदौर जैसा मामला, नल के गंदे पानी से बिगड़ी मासूम की तबीयत, मचा हड़कंप

हल्द्वानी 5 जनवरी। इंदौर की घटना से पीने के पानी की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हुए तो पूरे देश में सुर्खियां बनना शुरू हो गई। मगर हाल कुमाऊं के प्रवेशद्वार कहे जाने वाले हल्द्वानी के गांधीनगर का भी ठीक नहीं है। यहां नलों को खोलने पर गंदगी सीधा घर के अंदर पहुंच रही है। दूषित पानी की वजह से मासूम के बीमार पड़ने पर लोग बगैर उबाले पानी पीने से डरने लगे। कई ने बाजार से बोतलबंद पानी खरीदना शुरू कर दिया। लेकिन बहुत से लोगों की आर्थिक स्थिति इस काबिल भी नहीं। इसलिए नजदीकी नलकूप से पीने का पानी भरना इनका मजबूरी बन चुका है। साफ पानी आम लोगों का अधिकार है। मगर इस अधिकार में कहीं कोई कटौती तो नहीं हो रही। दोपहर शहर के मध्य में स्थित गांधीनगर क्षेत्र पहुंची। छोटी-छोटी गलियों से गुजरने के दौरान आत-जाते लोगों से पानी की गुणवत्ता को लेकर पूछना शुरू किया तो हर किसी से यही सुनने को मिला कि गंदा पानी आ रहा है। इसके बाद घरों के बाहर और अंदर मौजूद महिलाओं से बातचीत करने पर पता चला कि सुबह-शाम दो वक्त पानी तो आता है लेकिन साफ पानी नहीं।महिलाओं का कहना था कि करीब दो माह से गंदे पानी की समस्या को झेल रहे हैं।से आना वाले पानी बिलकुल भी पीने लायक नहीं है। करीब दो महीने से इस परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

महू की सैन्य फायरिंग रेंज में फिर धमाका : बम विस्फोट से बुजुर्ग गंभीर घायल, 15 दिन में तीसरी घटना से दहशत

इंदौर, 05 जनवरी [एजेंसी]।

महू तहसील के बड़गोंदा थाना क्षेत्र अंतर्गत सेना की फायरिंग रेंज में रविवार को एक बार फिर बम विस्फोट की घटना सामने आई है। बेरछा रेंज के जंगल में हुए धमाके में एक बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे इलाज के लिए महू के मध्यभारत अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां प्रारंभ में घटना को सामान्य दुर्घटना बताया गया।हालांकि, घायल के शरीर पर जले हुए गहरे घाव देखकर चिकित्सकों को विस्फोट की आशंका हुई। उन्होंने तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित करने के साथ ही पुलिस को भी जानकारी दी। पिछले 15 दिनों में बम विस्फोट से ग्रामीण के घायल होने की यह तीसरी घटना है, जिससे क्षेत्र में भय और दहशत का माहौल बन गया है।

इससे पहले बम विस्फोट में एक 15 वर्षीय किशोर की जान जा चुकी है, जबकि एक अन्य मामले में बुजुर्ग महिला घायल हुई थी।पुलिस के अनुसार घायल की पहचान गोपाल पुत्र मनीराम, निवासी ग्राम केलोद के रूप में हुई है। रविवार देर शाम घटना के बाद स्वजन उसे मध्यभारत अस्पताल लेकर पहुंचे और बताया कि वह दोपहिया वाहन से गिरकर घायल हो गया है।

प्राथमिक उपचार के दौरान चिकित्सकों ने उसके शरीर पर जलने के निशान, गहरे घाव और अत्यधिक रक्तस्राव देखा, जिससे विस्फोट की आशंका पुख्ता हुई और पुलिस को सूचना दी गई।घायल की गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे इंदौर रेफर कर दिया। सूचना मिलते ही बड़गोंदा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। थाना उपनिरीक्षक अनिल चाकरे ने बताया कि घायल और उसके स्वजनों के अनुसार वह बेरछा फायरिंग रेंज में लकड़ी बीनने गया था, जहां जमीन पर पड़े बम में विस्फोट हो गया।

नेपाल के पूर्व पीएम ओली ने एनएचआरसी में बयान दर्ज कराया, क्या है मामला?

काठमांडू, 05 जनवरी [एजेंसी]।

नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने जन-जेड प्रदर्शन के दौरान हुई अत्याचारों की जांच के लिए गठित उच्चस्तरीय जांच समिति को एक लिखित बयान सौंपा है। सचिवालय के एक सदस्य के अनुसार जांच समिति के सामने पेश होने के लिए अडिग रहे ओली ने पूछताछ के लिए उपस्थित होने का नोटिस मिलने के बाद समिति को अपना बयान सौंपा है। आयोग की टीम ने रविवार दोपहर को गंडु, भक्तपुर में ओली के नए निवास पर एक पत्र सौंपा, जिसमें उन्हें सात दिनों के भीतर अपना बयान प्रस्तुत करने का आदेश दिया गया था। ओली ने तुरंत अपने निवास पर ही लिखित बयान प्रदान किया, जिसमें उन्होंने 60 प्रश्नों के उत्तर दिए। ओली ने जन-जेड आंदोलन के दौरान 8 और 9 सितंबर को हुई हिंसा के संबंध में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) के सामने अपना बयान दर्ज कराया। एनएचआरसी की सदस्य लिली थापा के अनुसार ओली से प्रदर्शन के दौरान हुई कार्रवाई, तोड़फोड़ और हिंसा के बारे में सवाल पूछे गए। आयोग ने पहले ही दर्जनों व्यक्तियों के बयान लिए हैं। ओली के प्रधानमंत्री रहते हुए 8 सितंबर को काठमांडू में कुल 76 लोगों की जान गई, जिसमें 23 प्रदर्शनकारी और 10 कैदी शामिल थे।

यमन में सरकारी सेना ने हद्रामाउत प्रांत पर फिर से कब्जा किया

हद्रामाउत प्रांत, 05 जनवरी [एजेंसी]।

सऊदी अरब समर्थित और अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त यमन सरकार ने एसटीसी के कब्जे वाले हद्रामाउत प्रांत के ज्यादातर हिस्से पर नियंत्रण कर लिया है। प्रांत की राजधानी बंदरगाह शहर मुकल्ला को सरकारी सेना ने शनिवार को यूएई समर्थित एसटीसी (सदर्न ट्रांजिशनल काउंसिल) से छीन लिया था।मुकल्ला पर दिसंबर में एसटीसी ने कब्जा किया था। मुकल्ला और हद्रामाउत प्रांत के अन्य शहरों के जो वीडियो सामने आए हैं उनमें सरकारी बल-नेशनल शील्ड फोर्स का नागरिक सड़कों पर आकर स्वागत कर रहे हैं। नागरिकों के चेहरों पर खुशी के भाव हैं। हद्रामाउत प्रांत के अल-कतन और सीयून शहर के निवासियों-अहमद समान और बकर अल-केथेरी ने बताया है कि एसटीसी के लड़ाके अपने शिविर छोड़कर जा रहे हैं, इसलिए सरकारी सेना के आगे बढ़ने के दौरान छिटपुट टकराव हो रहा है, ज्यादा खूनखराबा नहीं हो रहा है।सरकारी सेना सऊदी अरब के लड़ाकू विमानों की बमबारी के बाद आगे बढ़ रही है। यमन में तनाव दिसंबर महीने में तब बढ़ना शुरू हुआ था जब तेल संपन्न क्षेत्रों हद्रामाउत और अल-माहरा के बड़े इलाके पर एसटीसी ने कब्जा कर लिया था। इसके बाद एसटीसी ने स्वतंत्र राष्ट्र के लिए जनमत संग्रह कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी। इससे क्षेत्र में तनाव बढ़ गया और सऊदी अरब व यूएई के हित भी टकराए। इसका असर दोनों देशों की दशकों पुरानी दोस्ती पर भी पड़ा है। हद्रामाउत के गर्वनर सालेम अल-खानबाशी और अल-माहरा के गवर्नर मुहम्मद अली यासेर ने सरकारी सेनाओं को मिली सफलताओं की पुष्टि की है। जबकि एसटीसी ने कहा है कि सऊदी लड़ाकू विमान क्षेत्र में बर्बादी फैला रहे हैं और आमजनों को मार रहे हैं। इससे देश में अराजकता फैलने का खतरा है।

अभी तो बीजेपी का पोस्टर फाड़ा है, दोबारा ऐसा किया तो..., देहरादून में बुजुर्ग को घर में घुसकर पीटा

देहरादून 5 जनवरी। राजपुर रोड क्षेत्र में एक 85 वर्षीय वरिष्ठ नागरिक महिला के साथ घर में घुसकर धक्का-मुक्की, अभद्रता और धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने संबंधित कोतवाली डालनवाला में लिखित शिकायत देकर आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।शिकायत के अनुसार, राजपुर रोड निवासी विमला देवी अपने घर के अंदर बैठी थीं। इसी दौरान अचानक करीब पांच युवक बिना अनुमति घर में घुस आए। आरोप है कि युवकों ने उनके साथ धक्का-मुक्की की और दुर्व्यवहार किया। उस समय घर पर मौजूद उनकी बहू अलका वर्मा के साथ भी आरोपियों ने धक्का-मुक्की और गाली-गलौज की। पीड़िता के मुताबिक, इसके बाद आरोपित सीढ़ियों से होते हुए आंगन के ऊपर छत पर चढ़ गए।जब उनकी बहू ने छत पर जाकर युवकों से पूछा तो वे वहां लगे बैनर को फाड़ रहे थे। आरोप है कि युवकों ने कहा कि अभी तो पोस्टर फाड़ा है, अगर दोबारा भाजपा का पोस्टर लगाया गया तो आग लगा देंगे और जान से मारने की धमकी दी।

मुंबई बीएमसी चुनाव: शिवसेना-मनसे का घोषणापत्र, मुफ्त बिजली और मासिक भत्ते का वादा

मुंबई, 05 जनवरी [एजेंसी]।

मुंबई बीएमसी चुनाव के लिए शिवसेना (यूबीटी) और महाराष्ट्र नव निर्माण सेना (एमएनएस) के संयुक्त घोषणा पत्र में कई लोक लुभावन वादे किए गए हैं। घोषणा पत्र में घरेलू और मछली बेचने वाली मछुआरा समुदाय की महिलाओं के लिए 1,500 रुपये का मासिक भत्ता, 100 यूनिट मुफ्त बिजली और 700 वर्ग फुट तक के मकानों पर संपत्ति कर में छूट शामिल है। वचन नामा, शब्द ठाकरेंचा नामक यह घोषणापत्र रविवार को शिवसेना भवन में आयोजित एक संयुक्त प्रेस कान्फ्रेंस में जारी किया गया। एमएनएस प्रमुख राज ठाकरे लगभग बीस साल बाद शिवसेना भवन लौटे हैं।

घोषणापत्र के मुख पृष्ठ पर उद्धव और राज ठाकरे के साथ शिवसेना संस्थापक बालासाहेब ठाकरे की तस्वीर है। हालांकि, शिवसेना (यूबीटी)-एमएनएस गठबंधन में राकांपा (शरदचंद्र पवार) भी शामिल है, लेकिन घोषणापत्र जारी होने के समय शरद पवार के नेतृत्व वाली पार्टी का कोई भी वरिष्ठ नेता मंच पर मौजूद नहीं था। मुंबई की प्रमुख सड़कों पर महिलाओं के लिए अच्छे शौचालयों का भी वादा किया गया है।घोषणापत्र में शिव भोजन थाली जैसी एक भोजन योजना का भी उल्लेख है। इसके तहत नाश्ता और दोपहर का भोजन 10 रुपये में उपलब्ध कराया जाएगा।

घोषणापत्र में कहा गया है कि मुंबई की भूमि का उपयोग केवल मुंबईवासियों के आवास के लिए किया जाएगा। बीएमसी, सरकार, बेस्ट इलेक्ट्रिसिटी एंड ट्रांसपोर्ट (बीईएसटी) के कर्मचारियों और मिल श्रमिकों के लिए किफायती आवास का वादा किया गया है। यह भी कहा गया है कि बीएमसी का अपना आवास प्राधिकरण होगा।अगले पांच वर्षों में एक लाख किफायती मकान बनाए जाएंगे। घोषणापत्र में युवाओं को स्वरोजगार के लिए 25,000 रुपये से एक लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता और गिग वर्कर्स के लिए 25,000 रुपये के ब्याज मुक्त ऋण की भी घोषणा की गई है। 700 वर्ग फुट तक के मकानों पर संपत्ति कर माफ करने का वादा किया गया है।

गठबंधन ने न्यूनतम बस किराया मौजूदा 10 रुपये से घटाकर पांच रुपये करने, नई बसें और नया रूट शुरू करने का भी वादा किया है। स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए नगर निगम द्वारा संचालित अस्पतालों में पांच नए मेडिकल कालेज स्थापित किए जाएंगे। शहर में एक सुपर-स्पेशियलिटी कैंसर अस्पताल स्थापित किया जाएगा और त्वरित बाइक चिकित्सा सहायता भी शुरू की जाएगी। बीएमसी द्वारा संचालित मुंबई पब्लिक स्कूल में जूनियर किंडरगार्टन से लेकर कक्षा 12 तक की कक्षाएं होंगी। कामकाजी माता-पिता के बच्चों की देखभाल के लिए प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में क्रेच स्थापित किए जाएंगे।

बढ़ती बेरोजगारी से बेहाल हैं पाकिस्तानी युवा 22 लाख से ज्यादा लोग श्रम बल में शामिल

कराची। पाकिस्तान में युवा बढ़ती बेरोजगारी से बेहाल हैं। सरकार लगातार सात प्रतिशत की आश्वस्त करने वाली बेरोजगारी दर का दावा कर रही है, लेकिन जमीनी हकीकत कहीं ज्यादा भयावह है। जाने-माने अर्थशास्त्री डॉ. हाफिज पाशा के अनुसार, वास्तविक आंकड़ा 22 प्रतिशत के करीब है।कराची स्थित बिजनेस रिकॉर्डर में प्रकाशित लेख में कहा गया है, जमीनी हकीकत कहीं ज्यादा भयावह है। 80-90 लाख पाकिस्तानी युवा पूरी तरह से बेरोजगार हैं, उनके पास कोई काम नहीं। डेढ़ करोड़ से लगभग दो करोड़ लोग छोटे-मोटे अनौपचारिक कामों में लगे हैं जहां हर वक्त उन्हें अनिश्चितता का डर सता रहा है।हर साल 22 लाख से ज्यादा युवा श्रम बल में शामिल होते हैं। जीडीपी की ढाई से साढ़े तीन प्रतिशत की वृद्धि दर इनमें से मुश्किल से आधे को ही रोजगार दे पाती है। यह कोई अस्थायी असंतुलन नहीं है। यह मानव क्षमता की बर्बादी का एक स्थायी और बढ़ता हुआ सिलसिला है, जिसे सरकार जानबूझकर नजरअंदाज कर रही है।लेख में यह भी बताया गया कि देश के विश्वविद्यालय बाजार की जरूरतों से हटकर बड़े पैमाने पर डिग्रियां प्रदान कर रहे हैं, जबकि तकनीकी और व्यावसायिक संस्थानों को फंड की कमी का सामना करना पड़ रहा है। इसका परिणाम यह है कि शिक्षित युवा बेरोजगारी की मार झेल रहे हैं जो चिंताजनक है। पाकिस्तान का बेरोजगारी संकट कोई आकस्मिक घटना नहीं है।

गुफाओं की सभ्यता का मौन साक्षी है आदिशक्ति गांगीरानी मंदिर

छत्तीसगढ़ के उत्तरी अंचल में स्थित आदिशक्ति मां गांगीरानी मंदिर गुफा-सभ्यता, आदिवासी संस्कृति और धार्मिक आस्था का अनूठा संगम है। यह मंदिर हजारों वर्ष पुरानी मानव सभ्यता के प्रमाणों को आज भी अपने भीतर संजोए हुए है। रामगढ़ क्षेत्र के घने जंगलों में स्थित यह गुफा मंदिर पर्यावरण, पर्यटन और इतिहास–तीनों दृष्टियों से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

इतिहासकारों के अनुसार मानव सभ्यता के प्रारंभिक काल में गुफाएं मानव का पहला सुरक्षित आश्रय स्थल रही हैं। छत्तीसगढ़ के कोरिया एवं मनेन्द्रगढ़–चिरमिरी–भरतपुर जिलों में आज भी गुफाओं और भित्ति चित्रों के रूप में आदिमानव की जीवनशैली, भावनाओं और सामाजिक विकास के प्रमाण मिलते हैं। जनकपुर मार्ग पर स्थित भवरखोह, कोहबउर, तितौलीगढ़ तथा उदयपुर (अंबिकापुर) की पहाड़ियों में मिले भित्ति चित्र इसी कड़ी को जोड़ते हैं।

रामवनगमन मार्ग के शोधकर्ता मन्नूलाल यदु के अनुसार एमसीबी जिले का जनकपुर क्षेत्र भगवान राम के दंडकारण्य प्रवेश का मार्ग रहा है। सीतामढ़ी हरचौका, घघरा सीतामढ़ी और छतौड़ा गुफा आश्रम को राम, सीता और लक्ष्मण से जोड़कर देखा जाता है। इन्हीं गुफाओं की स्थापत्य शैली से मेल खाता रामगढ़ क्षेत्र में स्थित आदिशक्ति गांगीरानी का गुफा मंदिर भी प्राचीन मानवीय बसाहट का संकेत देता है।

ग्राम नटवाही के उत्तर–पूर्व दिशा में स्थित यह मंदिर बलुआ पत्थरों को काटकर निर्मित भूमिगत गुफा में बना है। लगभग 20म20 मीटर क्षेत्रफल वाली इस गुफा का प्रवेश द्वार मात्र 5 फीट ऊँचा है, जो प्राचीन धार्मिक परंपराओं का प्रतीक माना जाता है। गुफा के भीतर माता गांगीरानी की अमूर्त प्रतिमा के साथ गणेश,

बजरंगबली, नाग देवता और अन्य देवी–देवताओं की आकृतियाँ उकेरी गई हैं।

आदिवासी समाज में यह मंदिर गहरी आस्था का केंद्र है। चैत्र नवरात्रि के दौरान यहां पारंपरिक पूजा–पाठ, मनौती, भंडारा और धार्मिक अनुष्ठान किए जाते हैं। कुछ विशिष्ट आदिवासी परंपराओं जैसे बाना लेना, नुकीली खड़ाऊ पहनकर पूजा तथा आत्मशक्ति प्रदर्शन की परंपरा आज भी जीवित है।

श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2018–19 में राज्य सरकार द्वारा रसोई भवन, रंगमंच, पेयजल व्यवस्था और सौर ऊर्जा आधारित विद्युत व्यवस्था विकसित की गई है। नवरात्रि एवं शिवरात्रि मेले के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं।

यह क्षेत्र गुरु घासीदास–तैमूर पिंगला बाघ अभयारण्य की सीमा से लगा होने के कारण जैव विविधता की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। यहां फर्न जैसे जीवित जीवाश्म पौधे, चिरौंजी के वृक्ष और दुर्लभ वन्यजीव पाए जाते हैं। हालांकि जंगलों में बढ़ती मानवीय बसाहट और शिकार की घटनाएं पर्यावरणीय चिंता का विषय बन रही हैं।

पर्यटन की दृष्टि से आदिशक्ति गांगीरानी मंदिर तक पहुंचने के लिए बैकुंठपुर से रामगढ़ होते हुए यात्रा की जा सकती है। मार्ग में हसदेव नदी का उद्गम, बाघ अभयारण्य के प्राकृतिक दृश्य, बालमगढ़, सिंधौरगढ़ और देवगढ़ की पहाड़ियां पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इस क्षेत्र को टूरिज्म सर्किट के रूप में विकसित किया जाए तो यह छत्तीसगढ़ के प्रमुख धार्मिक–पर्यटन स्थलों में शामिल हो सकता है।

भारत के प्रसिद्ध, सुंदर और टॉप पर्यटन स्थल

भारत, एक ऐसा देश है जो अपनी खूबसूरती और विविधता से पर्यटकों को मोहित करता है। यहाँ के पर्यटन स्थल रंग–बिरंगे हैं, संस्कृति से भरपूर हैं और प्राकृतिक सौंदर्य से लबालब हैं। भारत आने वाले पर्यटक यहाँ के अनगिनत अनुभवों का आनंद लेते हैं और अपने जीवन को रंगीन बनाते हैं। इस लेख में, हम आपको भारत के शीर्ष 17 पर्यटन स्थलों के बारे में बताएंगे, जिनकी खूबसूरती से आप भी प्रभावित होंगे।

भारत के पर्यटन स्थल में दिल्ली का महत्वपूर्ण स्थान है। यहाँ ऐतिहासिक स्थलों का बेजोड़ अनुभव होता है। लाल किला, जमा मस्जिद, और इंडिया गेट जैसे प्रमुख धरोहर स्थल यहाँ पर हैं। दिल्ली की सड़कों पर चलना, उसके बाजारों में खोना, और उसकी रोमांचक चायनी खासियतों को अनुभव करना हर पर्यटक का सपना होता है।

घूमने का सर्वोत्तम समय: सर्दियों के महीनों में (नवंबर से फरवरी) दिल्ली का मौसम बेहद सुहावना होता है, जब ठंड में दिल्ली के पर्यटकों को दिलचस्पी की अधिक मिलती है। घूमने की जगहें: लाल किला, भारतीय गेट, कुतुब मीनार, लोदी गार्डन, राज घाट, और चांदनी चौक दिल्ली के प्रमुख पर्यटन स्थल हैं।

सुझाए गए ब्लॉग: दिल्ली की जामा मस्जिद

मुंबई भारत का एक व्यापक और जीवंत शहर है, जो भारतीय पर्यटन के लिए एक प्रमुख केंद्र है। यहाँ पर सिनेमाघरों, रेस्तरां, बीच, और ऐतिहासिक स्थलों का अनूठा मिलन है। गेटवे ऑफ इंडिया, हाजी अली दरगाह, और फिल्मस्टारों के घरों की सैर का आनंद लें। मुंबई का जीवनशैली और उसकी अद्वितीयता आपको एक अविस्मरणीय अनुभव देगी।

घूमने का सर्वोत्तम समय: नवंबर से मार्च तक मुंबई की मृदु मौसम आपको आनंददायक अनुभव प्रदान करती है। घूमने की जगहें: गेटवे ऑफ़ इंडिया, बांद्रा–वर्ली सी–फेस ब्रिज, गिरगाव चौपाटी, हाजी अली दरगाह, फिल्म सिटी, और जुहू बीच मुंबई के प्रमुख पर्यटन स्थल हैं।

जयपुर राजस्थान का रंगीन शहर है, जिसे 'गुलाबी नगरी' के नाम से भी जाना जाता है। यहाँ के महल, किले, और हवेलियाँ राजपूताना के ऐतिहासिक धरोहर को दर्शाते हैं। हवेलियों का अद्भुत आकर्षण, पिंक सिटी के रूप में जाना जाता है, जो इसे अद्वितीय बनाता है। जयपुर के बाजारों में शॉपिंग करना और उनकी स्थानीय खासियतों को अनुभव करना एक आनंदमय अनुभव है।

घूमने का सर्वोत्तम समय: अक्टूबर से मार्च के बीच जयपुर का मौसम शानदार होता है, जब ठंडी हवाओं के मौसम में पर्यटकों को आनंद लेने का सुनहरा मौका मिलता है। घूमने की जगहें: हवेलियाँ, आमेर किला, जल महल, जंतर मंतर, हवा महल, और बाजारों की खरीदारी जयपुर के प्रमुख पर्यटन स्थल हैं।

अगरतला त्रिपुरा की राजधानी है और पूर्वी भारत का एक खूबसूरत शहर है। यहाँ के प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक धरोहर लोगों को आकर्षित करते हैं। अगरतला के बाजार, स्थानीय खाने का स्वाद, और स्थानीय विविधता का अनुभव करना यात्रियों को खास रूप से प्रसन्न करता है। यहाँ की पर्वतीय स्थिति, प्राकृतिक झीलों का सौंदर्य, और स्थानीय समुदाय की संप्रेषणीयता यात्रियों को यादगार अनुभव प्रदान करती है।

घूमने का सर्वोत्तम समय: अक्टूबर से फरवरी तक अगरतला का मौसम शानदार होता है, जब प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेने के लिए उपयुक्त होता है। घूमने की जगहें: उज्जयंत पलेस, नेहरू पार्क, जुंगल सफारी, गोणगन जगह, और छाटनाक पालेस अगरतला के प्रमुख पर्यटन स्थल हैं।

भारत के पर्यटन स्थल में वाराणसी का अद्वितीय स्थान है। यहाँ का गंगा घाट, काशी विश्वनाथ मंदिर, और सांस्कृतिक धरोहर इसे एक प्राचीन और पवित्र स्थल बनाते हैं। वाराणसी के घाटों पर गंगा आरती का दर्शन करना और उसके सिल्क साड़ी बाजार में खरीदारी

करना अनुपम अनुभव होता है।

घूमने का सर्वोत्तम समय: वाराणसी का सबसे अच्छा समय अक्टूबर से मार्च के बीच है, जब मौसम सुहावना होता है और धार्मिक उत्सवों का आयोजन होता है। घूमने की जगहें: काशी विश्वनाथ मंदिर, दशाश्वमेद्धाट, सारनाथ, असी घाट, और बाजारों की खरीदारी वाराणसी

के प्रमुख पर्यटन स्थल हैं।

गोवा भारत का एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है, जो अपनी सुंदर समुद्र तट, पारंपरिक संस्कृति, और रात के जीवन के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ पर सुंदर बीच, पोर्टुगीज़ी चर्च और रोमांचक नाइटलाइफ है। गोवा की स्थानीय सड़कों पर घूमना और स्थानीय सांस्कृतिक मेलों में भाग लेना अपने आप में एक अनुपम अनुभव है।

घूमने का सर्वोत्तम समय: गोवा का सबसे अच्छा समय नवंबर से मार्च के बीच है, जब मौसम सुहावना होता है और समुद्र तटीय गतिविधियों का आनंद लिया जा सकता है। घूमने की जगहें: बागा बीच, कैलंग्युट बीच, फोटोली, बसीलिका ऑफ बोम जेसुस, फोर्ट आगूडा और अन्य प्राचीन मंदिर गोवा के प्रमुख पर्यटन स्थल हैं।

अहमदाबाद भारत के पर्यटन स्थलों में एक विशेष स्थान रखता है। यहाँ की भारतीय और मुघल शैली के विश्वसनीय ऐतिहासिक स्थल, जैसे की साबरमती आश्रम, सिद्धी गौरी मस्जिद, और शाही बाग़, आपको अपनी गोलियों में लपेट लेते हैं।

घूमने का सर्वोत्तम समय: अहमदाबाद का सबसे अच्छा समय अक्टूबर से मार्च के बीच है, जब मौसम सुहावना होता है और शहर के धार्मिक और सांस्कृतिक उत्सवों का आयोजन होता है। घूमने की जगहें: साबरमती आश्रम, सिद्धी गौरी मस्जिद, खाड़ी जेनेटिक्स, इंद्रा गांधी राष्ट्रीय मानव संसाधन केंद्र, सांकेतिक शहर, और अक्षरधाम मंदिर अहमदाबाद के प्रमुख पर्यटन स्थल हैं।

शिमला हिमाचल प्रदेश का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है जो अपने शीतल जलवायु, प्राकृतिक सौंदर्य, और ब्रिटिश विरासत के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ के मल्ल रोड, राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, और जाखू मंदिर यात्रियों को आकर्षित करते हैं। शिमला की पहाड़ियों पर ट्रेकिंग, बाइकिंग, और स्नोफ़ाल में खिलना यहाँ का विशेष अनुभव है।

घूमने का सर्वोत्तम समय: शिमला का सबसे अच्छा समय मार्च से जून और सितंबर से नवंबर के बीच है, जब मौसम सुहावना होता है और प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लिया जा सकता है। घूमने की जगहें: राजभवन, राजा का केदार, राजकीय वन्यजीव ध्यान केंद्र, चड्डिगढ़ मंदिर, चड्डिगढ़ किला और नारेवला मंदिर शिमला के प्रमुख पर्यटन स्थल हैं।

कोची भारत के पर्यटन स्थलों में एक चमत्कारिक स्थान है। यहाँ की तटीय क्षेत्र, नैर्मल पानी के झील, और प्राकृतिक सौंदर्य इसे विशेष बनाते हैं। कोची के लक्ष्यों में मत्स्यांगन और बैकवॉटर की यात्रा, चर्च और मस्जिदों का दौरा, और काला कोट यात्रियों के बीच लोकप्रिय हैं।

घूमने का सर्वोत्तम समय: कोची का सबसे अच्छा समय अक्टूबर से मार्च के बीच होता है, जब मौसम सुहावना होता है और समुद्र तट का आनंद लिया जा सकता है। घूमने की जगहें: मट्टांचेरी पैलेस, मरीन ड्राइव, फोर्ट कोची, माट्टांचेरी सिनेमा, वेलिंगटन द्वीप, और जान्सी की प्रतिमा कोची के प्रमुख पर्यटन स्थल हैं।

दार्जिलिंग हिमाचल प्रदेश का एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है जो अपने हिमाचल प्रदेश के प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ की घाटी, चाय के बागान, और हिमालयी दृश्य इसे एक अद्वितीय अनुभव बनाते हैं। दार्जिलिंग की बागियों में घूमना, हिमालयी ट्रेन का

सफर, और टाइगर हिल यात्रियों के लिए अद्वितीय हैं।

घूमने का सर्वोत्तम समय: दार्जिलिंग का सबसे अच्छा समय मार्च से मई और सितंबर से दिसंबर के बीच होता है, जब मौसम सुहावना होता है और प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लिया जा सकता है। घूमने की जगहें: टाइगर हिल, दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे, पद्माजा नैयर हिमालयन इंस्टीट्यूट, रॉक गार्डन, जपनी मंदिर, और गणपति मंदिर दार्जिलिंग के प्रमुख पर्यटन स्थल हैं।

कन्याकुमारी, तीन महाद्वीपों- भारत, इण्डोनेशिया और ऑस्ट्रेलिया के बीच एम–कोर्नर के रूप में और तीन महासागरों - बंगाल की खाड़ी के दक्षिण में, अरब सागर के पश्चिम और हिंद महासागर के आठ डिग्री उत्तरी अक्षांश पर स्थित है। यह एक प्रमुख पर्यटन स्थल है। यहाँ का विवेकानंद रॉक मेमोरियल और सूर्यास्त का दृश्य विशेषता है। ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व और प्रकृति और आध्यात्मिकता का अद्वितीय संगम इसे एक अनोखा पर्यटन स्थल बनाता है।

कश्मीर, 'पृथ्वी का स्वर्ग' कहते हुए, भारत का एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है। बर्फ से ढकी पहाड़ीयों, हरी–भरी घाटियों और शांत झीलें इस स्थल की मुख्य आकर्षण का विषय हैं। जैसे डल झील में शिकारा सवारी और गुलमर्ग के बर्फीले मैदान पर स्कीइंग का अनुभव करके वहां की रोमांचक दस्तानेबंदी का आनंद

ताजी हवा भरता है। शांति और प्राकृतिक सौंदर्य इसे देश–विदेश के किसी भी तरह के पर्यटक के लिए एक अंदाज़े तालाब बनाता है।

लेह–लद्दाख, भारत का एक रोमांचक तीर्थ स्थल है, जो अपनी ऊँची पहाड़ियों और शांत मठों के लिए प्रसिद्ध है। यह क्षेत्र रोमांचक गतिविधियों जैसे ट्रेकिंग, बाइकिंग, और कैंपिंग के लिए बेहद लोकप्रिय है। पैंगोंग झील और खारदुंग ला पास जैसे प्रमुख आकर्षण यहाँ के मुख्य आकर्षणों में शामिल हैं। इस प्रकार, लेह–लद्दाख की बर्फ से ढकी चोटियाँ और रेगिस्तान जैसी घाटियाँ इसे एक अनोखा पर्यटन स्थल बनाती हैं।

अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह, भारत के कुछ ऐसे श्रेष्ठ द्वीपों में से एक है, जो यहाँ यात्र करने वालों के लिए एक बेहतरीन जगह है। सफेद रेतीले बीच, साफ़ पानी तथा जीवनसमुद्री जीव–जन्तुओं की अनेक प्रजातियों के होने से इसका आनन्द भी इसे ख़ास बनाता जागता । यहाँ अनेक स्थान हैं, जहाँ स्कूबा डाइविंग और स्नॉर्कलिंग प्रणालियाँ उपयोग की जा सकती हैं7 ऐतिहासिक महत्त्व सेलुलर जेल के द्वारा, साथिह ज्वालामुखी और महूआ एडम्स आश्रय जैसे पर्यटन स्थल हैं, जो यहाँ से ज्यादातर पर्यटकों को पसंद आते हैं 7. ऐतिहासिक महत्त्वपूर्ण सेल्युलर जेल का भी देखनालायक है यहाँ7

केरल, ''गॉड्स ओन कंट्री' के नाम से मशहूर भारत का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है। यहां के बैकवॉटर हरी–भरी चाय बागान, और समुद्र तट इसे खास बनाते हैं। मुन्नार की हरी–भरी घाटियाँ और एलेप्पी की हाउसबोट सवारी कोवलम बीच पर्यटन के प्रमुख आकर्षण शामिल हैं। सांस्कृतिक समृद्धि और प्राकृतिक सुंदरता एक अद्वितीय पर्यटन स्थल बनाता है।

ऋषिकेश, उत्तराखंड में स्थित है, जो योग और आध्यात्मिकता का शहर कहा जाता है। इस जगह पर गंगा नदी के किनारे भी रिवर राफ्टिंग, ट्रेकिंग के माहौल के लिए लोग आते हैं। लक्ष्मण झूला, त्रिवेणी घाट, प्रेम नर्सिंग होम और परमार्थ निकेतन इसके मुख्य आकर्षण हैं। ऋषिकेश की आध्यात्मिकता और प्राकृतिक सुंदरता इसे एक अद्वितीय पर्यटन स्थल बनाते हैं .

फूलों की घाटी: उत्तराखंड, भारत का नेचरल पार्किंग स्थल, जिसके रंग–रंगे फूलों, हरे–भरे मैदानों के लिए प्रसिद्ध है। युनेस्को ने इसे विश्व धरोहर स्थल माना है और मानसून की समय बरसात के समय इस जगह की बहुत सुंदरता को पसंद करता है। इसकी प्राकृतिक संसार और वनस्पतियां इस जगह को ट्रेकिंग और फोटोग्राफी के शौकीन लोगों के लिए एक असंभव पैर्यटन स्थल बनाती हैं।

पूर्वी भारत में पर्यटन स्थलों की कोई कमी नहीं है। भारत के दर्शनीय स्थल अपनी अनूठी पहचान हर व्यक्ति के दिल में छोड़ जाते हैं, चाहे वो बाहरी देशों से ही क्यों ना आया हो। भारत ने अपनी संस्कृति को अभी भी मजबूती से बाँधे रखा है। आधुनिकता के आगे भी, लोग संस्कृति की ओर बिना किसी हिचकिचाहट के आकर्षित होते हैं। आपकी पसंद के अनुसार, आपको विभिन्न जगहें मिलेंगी। अपना कुछ समय भारत में बिताएं, आपको यकीनन आनंद का अनुभव होगा। अपनी भारत यात्रा के लिए से बुकिंग करें।

धान का उठाव नहीं होने से प्रबंधक परेशान

समिति में लिमिट से तीन गुना ज्यादा हो गयी खरीदी

जनकपुर। एमसीबी जिले के भरतपुर ब्लाक अंतर्गत जनकपुर समिति में पिछले डेढ़ माह में किसानों से खरीदी गई धान का उठाव नहीं होने से समिति प्रबंधक परेशान है।

पिछले डेढ़ माह में प्रबंधकों ने शासन प्रशासन के दिशा निर्देशानुसार समिति में आने वाले किसानों से उनकी उपज का धान की लगातार खरीदी कर रहे है, जो कि अब समिति के लिमिट से तीन गुना ज्यादा खरीदी हो गई है। लेकिन समिति से धान का उठाव नहीं होने से समिति में धान रखने के लिए जगह का आभाव बन गया है। इस सम्बन्ध में जनकपुर समिति प्रबंधक रोशन श्रीवास्तव ने बताया कि धान का उठाव नहीं होने से समिति में भारी मात्रा में धान एकत्र हो गई है। समिति में लिमिट से तीन गुना ज्यादा धान की आवक से खुले आसमान के नीचे रखा हुआ है, जिससे धान सूखने एवं गुणवत्ता प्रभावित होने की संभावना बनी हुई है। समिति में धान जाम हो जाने से जगह के आभाव में किसानों को धान को ढाला करने, बोरी भरने, सिलाई करने एवं तौल कराने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रबंधक ने आगे बताया कि जनकपुर समिति में धान खरीदी एवं धान रखने की अधिकतम क्षमता 09 हजार क्विंटल है, लेकिन समिति में अब तक लगभग 30 हजार क्विंटल धान की खरीदी हो चुकी है। जिससे समिति में अब धान रखने के लिए खाली जगह नहीं बची है, ऐसी स्थिति में यदि जल्द से जल्द धान का उठाव नहीं होता है तो समिति में धान खरीदी की प्रक्रिया बंद होने की पूर्ण संभावना बन गई है। वहीं इस संबंध में क्षेत्र के किसानों का कहना है कि इस वर्ष अचानक कई किसानों के जमीन का रकबा घट जाने फिर जोड़ने एवं एग्रीस्टेग तथा ऑनलाइन ऑफलाइन टोकन लेने में किसान पहले से ही काफी परेशान है। वहीं किसानों ने बताया कि 27 जनवरी तक उनका टोकन ऑनलाइन कटने के बावजूद वो टोकन पाने के लिए समिति का चक्कर लगा रहे है। ऐसे में समिति से धान का उठाव नहीं होने पर धान की खरीदी बंद होने की संभावना को लेकर क्षेत्र के किसान इन दिनों चिंतित नजर आ रहे है।

मंत्री रामविचार नेताम ने विद्यार्थियों की शैक्षणिक बस को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

सूरजपुर। राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अंतर्गत जिले के प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं के विद्यार्थियों के लिए आयोजित शैक्षणिक भ्रमण को कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

यह भ्रमण कलेक्टर एस. जयवर्धन के मार्गदर्शन में, समग्र शिक्षा के अंतर्गत संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत सूरजपुर जिले के लगभग 200 छात्र-छात्राओं को सरगुजा संभाग के प्रमुख शैक्षणिक एवं तकनीकी संस्थानोंकृइंदिरा गांधी कृषि अनुसंधान केंद्र, आकाशवाणी केंद्र, दरिमा हवाई पट्टी,ठिनठिनी पत्थर तथा संजय पार्क का भ्रमण कराया जा रहा है। छात्र-छात्राएं महिला एवं पुरुष गाइड शिक्षकों के नेतृत्व में इन संस्थानों का अवलोकन कर आधुनिक कृषि तकनीक, रेडियो प्रसारण प्रणाली तथा हवाई यातायात संचालन से संबंधित व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त करेंगे। इस शैक्षणिक भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों में जिज्ञासा, नवाचार और व्यावहारिक दृष्टिकोण विकसित करना है, जिससे उनका शैक्षणिक विजन व्यापक हो और वे पुस्तकीय ज्ञान से आगे बढ़कर वास्तविक जीवन के अनुभव प्राप्त कर सकें।

कार्यक्रम के अवसर पर पाठ्यपुस्तक निगम के पूर्व अध्यक्ष भीमसेन अग्रवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी, राम कृपाल साहू, शशिकांत गर्ग, संदीप अग्रवाल,कौशल प्रताप सिंह, संत सिंह, अरविंद मिश्रा, राजेश महलवाला, शंकर जिंदिया,अजय अग्रवाल, राजेश्वर तिवारी, शैलेश अग्रवाल,देव गुप्ता, अशोक अग्रवाल,संस्कार अग्रवाल सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थित रही। शैक्षणिक विभाग की ओर से जिला शिक्षा अधिकारी अजय कुमार मिश्रा, जिला मिशन समन्वयक मनोज कुमार साहू, एपीसी शोभनाथ चौबे, बीआरपी गाइड शिक्षक टंडन, विनोद यादव, हर्ष नारायण शर्मा, गौतम शर्मा, अजीत कुमार गुप्ता, अजय उपाध्याय, श्रीकांत पाण्डेय, लौकेश साहू एवं श्रीमती ज्योति साहू उपस्थित रहे। यह शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हो रहा है।

मंत्री रामविचार नेताम आज एमसीबी जिले के दौरे पर रहेंगे

एमसीबी। छत्तीसगढ़ शासन के आदिम जाति विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण, जैव प्रौद्योगिकी, मछलीपालन तथा पशुधन विकास मंत्री रामविचार नेताम सोमवार 05 जनवरी 2026 को मनेन्द्रगढ़ङ्कचिरमिरीङ्कभरतपुर जिले के एकदिवसीय प्रवास पर रहेंगे। उनका यह दौरा कृषि, शिक्षा, सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं प्रशासनिक समीक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मंत्री नेताम प्रातः 10:45 बजे सर्किट हाउस मनेन्द्रगढ़ से कार द्वारा प्रस्थान करेंगे और सुबह 11:00 बजे जनपद पंचायत खड़गवां पहुंचकर कृषि महाविद्यालय भवन के भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस अवसर पर कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण संदेश दिए जाने की संभावना है। दोपहर 12:30 बजे मंत्री नेताम ग्राम सरभोका स्थित के.बी. पटेल कॉलेज ऑफ नर्सिंग पहुंचेंगे, जहां आयोजित पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में भाग लेंगे। इसके पश्चात वे माननीय विधायक रेणुका सिंह के जन्मदिवस समारोह में शामिल होकर उन्हें शुभकामनाएं देंगे। दोपहर 3:00 बजे मंत्री नेताम ग्राम पंचायत बंजी के गुरूचौहवा पारा, आल्हामाड़ा पहुंचकर पारंपरिक छेरता तिहार कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे। इस दौरान वे छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति, परंपराओं एवं सामाजिक एकता के महत्व पर अपने विचार साझा करेंगे। शाम 5:00 बजे मंत्री नेताम कलेक्ट्रेट कार्यालय मनेन्द्रगढ़ पहुंचकर जिला समीक्षा बैठक में शामिल होंगे। बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाएंगे।

15 जनवरी को रायपुर लोकसभा रचेगा इतिहास 5 लाख विद्यार्थी एक साथ गायेंगे 'वंदे मातरम्'

रायपुर। रायपुर लोकसभा क्षेत्र 15 जनवरी को एक नया इतिहास रचेगा, जब वंदे मातरम् गीत के 150 वीं वर्षगांठ पर 5 लाख विद्यार्थी एक साथ 'वंदे मातरम्' गायेंगे. कार्यक्रम की तैयारी के लिए आज रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक ली.रायपुर लोकसभा क्षेत्र में सेना दिवस पर आयोजित इस कार्यक्रम में रायपुर लोकसभा क्षेत्र के 3000 से अधिक स्कूल, कॉलेज के विद्यार्थी हिस्सा लेंगे. क्षेत्र के 5 लाख विद्यार्थी एवं युवा 15 जनवरी को दोपहर 12:55 बजे एक साथ सामूहिक रूप से वंदे मातरम् का गान करेंगे. सुभाष स्टेडियम में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में 20 हज़ार युवा वंदे मातरम् गायन करेंगे. इस दौरान हेलीकॉप्टर से फूलों की वर्षा की जाएगी. साथ ही देशभक्ति गीत पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा. कार्यक्रम संयोजक दानसिंह देवांगन ने बताया कि रायपुर भारत देश का पहला लोकसभा क्षेत्र है, जहाँ एक साथ-एक ही समय पर 5 लाख युवाओं द्वारा वंदे मातरम् का गान किया जाएगा।

दलहन-तिलहन रकबा बढ़ाने व पॉम ऑयल को बढ़ावा देने पर दिया जोर

प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम ने विभागवार कार्यों की समीक्षा की

कोरिया बैकुंठपुर। जिले के कलेक्ट्रेट सभाकक्ष, बैकुण्ठपुर में प्रदेश के आदिम जाति विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण, जैव प्रौद्योगिकी, मछली पालन एवं पशुधन मंत्री तथा कोरिया जिले के प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम की अध्यक्षता में विभागवार कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में भरतपुर-सोनहत विधायक श्रीमती रेणुका सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

बैठक के दौरान मंत्री श्री नेताम ने जिले में संचालित विभिन्न नवाचारों की जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने कोरिया मोदक लड्डू, सोनहनी शहद उत्पादन सहित जिले में चल रहे नवाचारों की विस्तृत जानकारी दी। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए सीएमएचओ ने मंत्री श्री नेताम को बताया कि वयोवंदना योजना के अंतर्गत 7,632 कार्ड बनाए जा चुके हैं, जो 106 प्रतिशत से अधिक है। वहीं अन्य योजनाओं के तहत कुल 2 लाख 67 हजार 747 कार्ड बनाए गए हैं, जो 96 प्रतिशत प्रगति दर्शाते हैं। प्रदेश के पहले वयोवृद्ध केयर क्लीनिक की जानकारी भी दी गई। धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत 154 ग्रामों में 2,685 जाति प्रमाण पत्र बनाए जाने की जानकारी दी गई। इसके साथ ही प्रधानमंत्री आवास (ग्रामीण), मनरेगा सहित अन्य योजनाओं की भी विस्तार से समीक्षा की गई तथा जिला पंचायत सीईओ डॉ आशुतोष चतुर्वेदी ने इस बारे में जानकारी दी। मंत्री श्री नेताम ने दलहन-तिलहन के रकबे को बढ़ाने पर जोर देते हुए कहा कि किसान केवल धान पर निर्भर न रहें, बल्कि उद्यानिकी, फल-फूल, मसाले एवं वैकल्पिक फसलों की खेती को अपनाएं और जल संरक्षण को बढ़ावा देने पर बल दिया। उन्होंने जिले में पॉम ऑयल उत्पादन को बढ़ावा देने के निर्देश भी दिए। युवाओं में बढ़ते सूखा नशा, ड्रग्स एवं इंजेक्शन के उपयोग पर चिंता व्यक्त करते हुए मंत्री ने इस दिशा में लगातार कार्रवाई के निर्देश दिए। साथ ही लोक निर्माण विभाग, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना एवं ग्रामीण यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सड़क, पुल एवं पुलिया निर्माण से पूर्व संबंधित विधायक, जनप्रतिनिधियों को अवगत कराएं ताकि क्षेत्र के विकास बेहतर हो सके। मंत्री श्री नेताम एवं विधायक श्रीमती रेणुका सिंह ने वन विभाग को चंदन पौधरोपण बड़े पैमाने पर करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने जिले में पर्यटन को बढ़ावा देने पर जोर दिया। श्री नेताम ने सभी लोगों को नव वर्ष व छेरछेरा के बधाई देते हुए सभी अधिकारियों से कहा कि समय पर स्वीकृत कार्य को पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि जनता के लिए और उनके सरोकार के लिए कार्य करने संकल्पबद्ध हैं, उन्होंने जिले में संचालित बुजुर्ग स्वास्थ्य केन्द्र का तारीफ करते हुए कहा कि सरकार ने जो घोषणा पत्र जारी किया है, उसे पूरा करने का प्रतिबद्ध हैं। समीक्षा बैठक में कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी, पुलिस अधीक्षक रवि कुमार कुर्रे, जिला वन मंडलाधिकारी चंद्रशेखर सिंह, जिला पंचायत सीईओ डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी, जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा, उपाध्यक्ष श्रीमती वंदना राजवाड़े, अपर कलेक्टर सुरेंद्र प्रसाद वैद्य, बैकुण्ठपुर एसडीएम उमेश कुमार पटेल, सोनहत एसडीएम अंशुल वर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के लिए चयन ट्रायल 6 से 8 जनवरी को, जिले के खिलाड़ी होंगे शामिल

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ की मेजबानी में देश में पहली बार हो रहे खेलो इंडिया नेशनल ट्राइबल गेम्स में राज्य की ओर से खेलने वाली टीमों के चयन के लिए ट्रायल 6 जनवरी से 8 जनवरी तक रायपुर और बिलासपुर में आयोजित किए जा रहे हैं।

नेशनल ट्राइबल गेम्स में सात खेलों को शामिल किया गया है। इसमें भागीदारी के लिए वेट-लिफ्टिंग, कुश्ती, फुटबॉल और हॉकी के खिलाड़ियों का ट्रायल रायपुर में आयोजित किया गया है। वहीं तीरंदाजी, एथलेटिक्स और तैराकी के खिलाड़ियों के ट्रायल बिलासपुर में होंगे। इच्छुक खिलाड़ी मोबाइल नम्बर 8871419609 पर फोन कर या वेबसाइट के माध्यम चयन ट्रायल संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। चयन ट्रायल में शामिल होने के लिए खिलाड़ी अपना ऑनलाइन पंजीयन क्यूआर कोड और रजिस्ट्रेशन लिंक से कर सकते हैं। सभी ट्रायलस्थलों पर ऑफलाइन पंजीयन भी किए जाएंगे। छत्तीसगढ़ के स्थायी निवासी अनुसूचित जनजाति वर्ग के खिलाड़ी ही चयन ट्रायल में भाग लेने के पात्र होंगे। महिला एवं पुरूष दोनों वर्गों में पात्र खिलाड़ियों के लिए आयु सीमा का कोई बंधन नहीं है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने ट्रायल में हिस्सा लेने पहुंचने वाले सभी खिलाड़ियों से अपने अनुसूचित जनजाति प्रमाण पत्र और आधार कॉर्ड/स्थानीय प्रमाण पत्र की मूल कॉपी (ऑरिजलन कॉपी) साथ लाने को कहा है। रायपुर में होंगे वेट-लिफ्टिंग, कुश्ती, फुटबॉल और हॉकी के ट्रायल रायपुर के स्वामी विवेकानंद स्टेडियम कोटा में 6 जनवरी को सवेरे नौ बजे से वेट-लिफ्टिंग, 7 जनवरी को सवेरे नौ बजे से कुश्ती तथा 7 जनवरी और 8 जनवरी को सवेरे नौ बजे से फुटबॉल के लिए ट्रायल होंगे। 7 जनवरी और 8 जनवरी को सवेरे नौ बजे से रायपुर के सरदार वल्लभ भाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में हॉकी खिलाड़ियों का ट्रायल होगा। बिलासपुर के स्वर्गीय बी.आर. यादव स्टेडियम में 7 जनवरी को सवेरे नौ बजे से तीरंदाजी और एथलेटिक्स के ट्रायल होंगे। बिलासपुर के सरकंडा स्थित जिला खेल परिसर में 7 जनवरी को सवेरे नौ बजे से तैराकी खिलाड़ियों का ट्रायल होगा।

मुख्यमंत्री निवास में 8 जनवरी गुरुवार को होगा जनदर्शन

रायपुर। मुख्यमंत्री निवास कार्यालय रायपुर में 08 जनवरी गुरुवार को जनदर्शन का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय इस अवसर पर प्रदेशवासियों से सीधे संवाद करेंगे और उनकी समस्याओं का निराकरण करेंगे। मुख्यमंत्री साय ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जनदर्शन में प्राप्त प्रत्येक आवेदन का त्वरित और संवेदनशील निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोगों को समयबद्ध समाधान मिल सके।

जो जितना बड़ा घोटाला व भ्रष्टाचार करेगा वह कांग्रेस में उतना ही आगे बढ़ेगा-देवलाल

रायपुर। रायपुर लोकसभा क्षेत्र 15 जनवरी को एक नया इतिहास रचेगा, जब वंदे मातरम् गीत के 150 वीं वर्षगांठ पर 5 लाख विद्यार्थी एक साथ 'वंदे मातरम्' गायेंगे. कार्यक्रम की तैयारी के लिए आज रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक ली.रायपुर लोकसभा क्षेत्र में सेना दिवस पर आयोजित इस कार्यक्रम में रायपुर लोकसभा क्षेत्र के 3000 से अधिक स्कूल, कॉलेज के विद्यार्थी हिस्सा लेंगे. क्षेत्र के 5 लाख विद्यार्थी एवं युवा 15 जनवरी को दोपहर 12:55 बजे एक साथ सामूहिक रूप से वंदे मातरम् का गान करेंगे. सुभाष स्टेडियम में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में 20 हज़ार युवा वंदे मातरम् गायन करेंगे. इस दौरान हेलीकॉप्टर से फूलों की वर्षा की जाएगी . साथ ही देशभक्ति गीत पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा.कार्यक्रम संयोजक दानसिंह देवांगन ने बताया कि रायपुर भारत देश का पहला लोकसभा क्षेत्र है, जहाँ एक साथ-एक ही समय पर 5 लाख युवाओं द्वारा वंदे मातरम् का गान किया जाएगा. रायपुर लोकसभा क्षेत्र के 3000 से अधिक स्कूल-कॉलेजों में वंदे मातरम् गीत का देश की आजादी में योगदान विषय पर स्थानीय विद्यार्थी द्वारा वाचन किया जाएगा. साथ ही सभी स्कूल और कॉलेजों में वंदे मातरम् के हिंदी अर्थ की कॉपी भी विद्यार्थियों को दिए जाएँगे.बैठक में जिला पंचायत सीईओ कुमार विश्वरंजन, निजी विश्वविद्यालय आयोग के अध्यक्ष वी के गोयल, पंडित रविशंकर विवि के कुलसचिव एसके पटेल, कुलसचिव तकनीकी विवि के कुलसचिव दिनेश सिन्हा, आयुष विवि के कुलसचिव, एडिशनल डायरेक्टर एविएशन सूरज कुमार साहू, डिप्टी डायरेक्टर हेल्थ ए एस कन्नौजे, एडिशनल कमिश्नर नगर निगम मनोज पांडेय मौजूद थे.इनके अलावा एनसीसी से स्क्वाड्रन लीडर एम जोरार, जिला स्कूल शिक्षा विभाग के सहायक संचालक एम मिंज, एनटीपीसी के डीजीएम कम्युनिकेशन सहदेव सेठी, डॉ लुकेश्वर सिंह गजपाल, प्रोग्राम कोआर्डिनेशन एनएसएस रायपुर, मृत्युंजय शुक्ला सचिव स्काउड गाइड, प्रवेश जोशी जिला खेल अधिकारी, श्रीकांत चितले कृषि विवि, लक्ष्मी सिंह जवाहर नवोदय विद्यालय माना उपस्थित थे.

परीक्षा पे चर्चा 2026 में छत्तीसगढ़ की बड़ी उपलब्धि: पालक सहभागिता में देश में प्रथम

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा परीक्षा को तनावमुक्त उत्सव के रूप में मनाने की पहल परीक्षा पे चर्चा 2026 में छत्तीसगढ़ ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। छत्तीसगढ़ ने पालकों की भागीदारी में प्रथम स्थान हासिल कर पूरे देश में उदाहरण प्रस्तुत किया है। अब तक छत्तीसगढ़ से 25.16 लाख प्रतिभागियों ने पंजीयन किया है, जिनमें 22.75 लाख विद्यार्थी, 1.55 लाख शिक्षक और 81,533 पालक शामिल हैं। यह उपलब्धि राज्य में परीक्षा प्रबंधन, समय प्रबंधन, पालकों को अपने बच्चों को परीक्षा में अधिक अंक लाने हेतु अनावश्यक दबाव देने से बचने तथा उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए किए जा रहे सुनियोजित प्रयासों को दर्शाती है।'परीक्षा पे चर्चा' में पालकों की भागीदारी के मामले में छत्तीसगढ़ पूरे देश में प्रथम स्थान पर है। कुल पंजीयन के मामले में छत्तीसगढ़ राष्ट्रीय स्तर पर चौथे स्थान पर है। बलोदाबाजार जिले में 14,658 तथा सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में 9,952 पालकों द्वारा पंजीयन किया गया है, जो इस अभियान के प्रति अभिभावकों की बढ़ती जागरूकता, सहभागिता और विश्वास का स्पष्ट प्रमाण है। यह उपलब्धि केवल संख्यात्मक सफलता नहीं है, बल्कि यह परीक्षा के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण में सकारात्मक बदलाव का भी संकेत देती है।इस उल्लेखनीय सफलता के पीछे राज्य में अपनाई गई नवाचारपूर्ण रणनीतियाँ महत्वपूर्ण रही हैं। जिला स्तरीय समीक्षा बैठकों के माध्यम से अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित की गई, शिक्षक प्रशिक्षण केंद्रों पर ऑन-साइट पंजीयन की व्यवस्था की गई तथा युवा क्लब और अंगना म शिक्षा कार्यक्रम के माध्यम से समुदाय को बड़े पैमाने पर जोड़ा गया। सारंगढ़-बिलाईगढ़ में आयोजित परीक्षा पे चर्चा मेला से एक ही दिन में 10,000 से अधिक पंजीयन दर्ज हुए, जबकि इससे पहले प्रतिदिन औसत पंजीयन लगभग 1500 के आसपास था। पिछले प्रयासों के रूप में आयोजित शिक्षक-पालक सम्मेलन और मेगा पीटीएम ने भी अभिभावकों की सजगता और सहभागिता को नई दिशा दी है।परीक्षा पे चर्चा से जुड़े प्रेरक अनुभव भी लगातार सामने आ रहे हैं। पिछले वर्ष इस कार्यक्रम में शामिल हुई कु. युक्तामुखी ने अपने अनुभव साझा करते हुए इस वर्ष अधिक से अधिक विद्यार्थियों से पंजीयन कर अपने प्रश्न पूछने की अपील की है। उनका प्रेरक संदेश विद्यार्थियों में उत्साह, आत्मविश्वास और सक्रिय सहभागिता की भावना जागृत कर रहा है। इसी प्रकार सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में शीतकालीन अवकाश के दौरान आयोजित परीक्षा पे चर्चा मेला में सभी विद्यालयों, समुदाय, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की और इस आयोजन के परिणामस्वरूप एक ही दिन में 10,000 से अधिक पंजीयन हुए। इस सफलता से प्रेरित होकर छत्तीसगढ़ के अन्य जिलों में भी परीक्षा पे चर्चा मेलों का आयोजन किया जा रहा है और लोग उत्साहपूर्वक इस अभियान से जुड़ रहे हैं।छत्तीसगढ़ में परीक्षा पे चर्चा में शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए शिक्षक प्रशिक्षण स्थलों पर ही पंजीयन की व्यवस्था की गई। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को पंजीयन प्रक्रिया विस्तारपूर्वक समझाई गई और वहीं पर पंजीयन कराने में सहयोग दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप शिक्षकों द्वारा बहुत बड़ी संख्या में पंजीयन किया गया। पंजीयन प्रक्रिया 11 जनवरी 2026 तक खुली रहेगी और इस बात की पूरी संभावना है कि छत्तीसगढ़ में 30 लाख से अधिक पंजीयन का लक्ष्य प्राप्त कर लिया जाएगा।उल्लेखनीय है कि परीक्षा पे चर्चा माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का वार्षिक संवाद कार्यक्रम है, जिसमें वे विद्यार्थियों, शिक्षकों और पालकों से सीधे संवाद करते हैं। इस संवाद में परीक्षा से जुड़ी चुनौतियों, तनाव प्रबंधन, आत्मविश्वास बढ़ाने के उपायों पर मार्गदर्शन दिया जाता है तथा पालकों को यह संदेश भी दिया जाता है कि वे अधिक अंक लाने के लिए अनावश्यक दबाव न डालें, बल्कि बच्चों का मनोबल और आत्मविश्वास बढ़ाएँ। यह पहल अब एक जन आंदोलन का रूप ले चुकी है और परीक्षा को तनाव का विषय न मानकर उत्सव के रूप में मनाने की व्यापक सामाजिक चेतना विकसित कर रही है।परीक्षा पे चर्चा 2026 में छत्तीसगढ़ द्वारा प्राप्त की गई यह उपलब्धि पूरे राज्य के विद्यार्थियों, शिक्षकों और पालकों के सामूहिक प्रयास का परिणाम है।

मालगाड़ी की चपेट में आने से युवक की मौत

रायपुर। राजधानी रायपुर के पंडरी थाना क्षेत्र में सुबह एक दर्दनाक हादसे में एक युवक की मालगाड़ी की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। घटना सुबह लगभग 11 बजे की बताई जा रही है।

हादसे की सूचना मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पंडरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, युवक रेलवे ट्रैक के पास मौजूद था, तभी तेज रफ्तार से गुजर रही मालगाड़ी की चपेट में आ गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद मालगाड़ी को कुछ देर के लिए रोका गया, वहीं घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

राजधानी में हर 4 दिन में औसतन 1 हत्या, सालभर में 1442 चोरी की वारदात

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में कानून-व्यवस्था और अपराध नियंत्रण को लेकर आज पुलिस प्रशासन ने वर्ष 2025 का विस्तृत लेखा-जोखा सार्वजनिक किया। रायपुर पुलिस द्वारा आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह ने जिले में दर्ज अपराधों के आंकड़े विस्तारपूर्वक प्रस्तुत किए। प्रेस वार्ता में पुलिस विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि बीते वर्ष पुलिस ने अपराध नियंत्रण, नशे के खिलाफ अभियान, साइबर अपराध और यातायात व्यवस्था को लेकर व्यापक स्तर पर सख्त और प्रभावी कार्रवाई की है।

1 जनवरी 2025 से 31 दिसंबर 2025 के बीच रायपुर जिले में कुल 15,885 एफआईआर दर्ज की गईं, जबकि वर्ष 2024 में यह संख्या 17,703 थी। इससे यह स्पष्ट होता है कि कुल अपराधों में गिरावट दर्ज की गई है।प्रेस कॉन्फ्रेंस में एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह ने बताया कि वर्ष 2025 में हत्या के 90 प्रकरण दर्ज किए गए। इनमें से 85 मामलों का सफल खुलासा करते हुए पुलिस ने 167 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं हत्या के प्रयास के 97 मामलों में 213 आरोपियों की गिरफ्तारी की गई है।इन आकड़ों के हिसाब से राजधानी में हर 4 दिन में औसतन 1 हत्या हुई है, जबकि, लगभग इतने ही हत्या के प्रयास के मामले है। जो की चिंता का विषय है।एसएसपी सिंह ने बताया कि वर्ष 2025 में डकैती के 7 मामलों में से 6 मामलों का खुलासा कर 43 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, लूट के 71 मामलों में 137 आरोपियों की गिरफ्तारी की गई, चोरी के 1,442 मामले दर्ज हुए, जो वर्ष 2024 के 1,497 मामलों से कम हैं। साल 2025 में राजधानी में हर 4 दिन में औसतन 1 चोरी की वारदात हुई है। वहीं इस दौरान नकबजनी के 473 मामले सामने आए, जबकि 2024 में यह संख्या 526 थी। इन आंकड़ों से चोरी और नकबजनी जैसे अपराधों में कमी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।एसएसपी डॉ. सिंह ने बताया कि वर्ष 2025 में एनडीपीएस एक्ट के तहत 271 प्रकरण दर्ज किए गए, जिनमें 445 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इन मामलों में करीब 2 करोड़ 78 लाख रुपये मूल्य के मादक पदार्थ, वाहन और अन्य सामग्री जब्त की गई।उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में कई अंतरराज्यीय और अंतरराष्ट्रीय ड्रग नेटवर्क से जुड़े लोग भी शामिल हैं, जिन पर कार्रवाई कर नेटवर्क को ध्वस्त किया गया।प्रेस कॉन्फ्रेंस में एसएसपी ने बताया कि एनसीआरपी पोर्टल के माध्यम से प्राप्त 8,680 ऑनलाइन ठगी की शिकायतों पर कार्रवाई की गई। इन मामलों में 11 करोड़ रुपये से अधिक की राशि होल्ड कराई गई, जबकि 90 लाख रुपये से ज्यादा की रकम पीड़ितों को वापस दिलाई गई।सोशल मीडिया पर हथियारों के प्रदर्शन और अवैध गतिविधियों से जुड़े 95 से अधिक पोस्ट हटवाए गए, साथ ही फर्जी आईडी को ब्लॉक किया गया।सड़क सुरक्षा के मोर्चे पर आंकड़े मिश्रित तस्वीर पेश करते हैं। वर्ष 2025 में सड़क दुर्घटनाओं की कुल संख्या में भले ही मामूली कमी दर्ज की गई हो, लेकिन इनमें होने वाली मौतों की संख्या चिंता का विषय बनी हुई है। वर्ष 2024 में जहां 2,079 सड़क दुर्घटनाएं हुई थीं, वहीं 2025 में यह आंकड़ा घटकर 2,063 रह गया। इसके बावजूद दुर्घटनाओं में जान गंवाने वालों की संख्या बढ़ी है। वर्ष 2024 में 594 लोगों की मौत हुई थी, जबकि 2025 में यह संख्या बढ़कर 618 हो गई। इस तरह सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु दर में करीब 4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह ने बताया कि सड़क सुरक्षा को लेकर वर्ष 2025 में विशेष अभियान चलाए गए। यातायात नियमों के उल्लंघन पर 1,44,050 चालानी कार्रवाई की गई, जिससे 14 करोड़ 32 लाख रुपये से अधिक का जुर्माना वसूला गया है। जबकि, साल 2024 में 10 करोड़ 75 लाख वसूला गया था। साल 2025 में ड्रिंक-एंड-ड्राइव के 1537 मामले दर्ज किए गए। यातायात जागरूकता के लिए 653 कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनसे लाखों नागरिकों को नियमों के प्रति जागरूक किया गया।आर्म्स एक्ट के तहत 561 मामलों में 566 आरोपियों पर कार्रवाई की गई। इस दौरान आरोपियों से भारी मात्रा में चाकू, तलवार, रिवॉल्वर, देशी कट्टे, पिस्टल और कारतूस जब्त किये गए। सट्टा के 73 मामलों में 88 आरोपियों से 9.10 लाख रुपये जब्त किए गए। वहीं आबकारी एक्ट के तहत 4,577 मामलों में 4,650 आरोपियों के खिलाफ कार्रवाईप्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह ने कहा कि रायपुर पुलिस का उद्देश्य अपराधियों पर सख्ती, आम नागरिकों की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को मजबूत करना है। आने वाले समय में भी नशे, साइबर अपराध और सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए अभियान और तेज़ किए जाएंगे।

कांग्रेस की यही रीति-नीति रही है कि आदिवासियों का शोषण कर उनकी राजनीतिक हत्या करे

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने शराब घोटाला मामले में गिरफ्तार चैतन्य बघेल की जमानत पर रिहाई के बाद निकाले गए जुलूस पर करारा कटाक्ष किया है। ठाकुर ने कहा कि चैतन्य का जुलूस निकालकर प्रदेश के कांग्रेस नेताओं ने यह साबित कर दिया कि कांग्रेस भ्रष्टाचार के साथ खड़ी है और जो जितना बड़ा घोटाला व भ्रष्टाचार करेगा, वह कांग्रेस में उतना ही आगे बढ़ेगा। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता ठाकुर ने कहा कि हजारों करोड़ रुपए के शराब घोटाले में एक ओर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य (बिट्टू) की जमानत पर रिहाई हो गई जबकि दूसरी ओर इसी शराब घोटाला मामले में भूपेश सरकार में मंत्री रहे आदिवासी नेता कवासी लखमा आज भी जेल में बंद हैं। बघेल अब लखमा की खोज-खबर तक नहीं ले रहे हैं, जबकि मुख्यमंत्री रहते हुए बघेल ने ही लखमा के पढ़े-लिखे नहीं होने का फायदा उठाते हुए सारे कागजों पर उनके ही दस्तखत कराए और आज वही आदिवासी नेता जेल में बंद है। ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस की सदैव से यही रीति-नीति रही है कि आदिवासियों का शोषण कर उनकी राजनीतिक हत्या करे। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता ठाकुर ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री बघेल ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज और बस्तर के ही आदिवासी नेता पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम समेत अन्य अनेक आदिवासी नेताओं के साथ जो-जो राजनीतिक छल-प्रपंच किया है, वह भी प्रदेश में किसी से छिपा हुआ नहीं है। कांग्रेस हमेशा भ्रष्टाचारियों के साथ रही है।

करतला में ग्रामीणों को ट्रैफिक नियमों की दी जानकारी

कोरबा। ट्रैफिक पुलिस ने करतला के सामुदायिक भवन में कार्यक्रम आयोजित कर स्थानीय ग्रामीणों को ट्रैफिक जागरूकता से संबंधित कार्यक्रम और नियमों के बारे में जानकारी दी। उन्हें बताया गया कि 1 से 31 जनवरी तक सड़क सुरक्षा माह और प्रथम सप्ताह तक महिला सुरक्षा पर काम किया जाना है। इसका उद्देश्य लोगों को संबंधित नियमों की जानकारी देना है ताकि वे सतर्क रहें। ट्रैफिक की टीम ने लोगों को बताया कि सड़कों पर चलने और सुरक्षा को अपनाने से हर हाल में सुरक्षा तय होती है। ट्रैफिक की टीम ने इस मौके पर चौराहे के सिग्नल से लेकर स्टेट और नेशनल हाईवे के आसपास लगे संकेतक के संबंध में अवगत कराया। इस मौके पर यह बताया गया कि पिछले वर्ष बड़ी संख्या में रोड एक्सीडेंट में लोगों की मौत हुई और कई घायल हुए। हालांकि यह आंकड़ा 2024 के मुकाबले कम है। कोशिश ये करना है कि इस वर्ष हादसे कम हो।

ग्रामीण की कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ हमला कर ग्रामीण की हत्या

पुलिस ने कहा- वजह के बारे में कोई जानकारी नहीं

कोरबा। करतला क्षेत्र का गनियारी गांव का माहौल उस समय गरमा गया जब लोगों को एक स्थान पर ग्रामीण की हत्या करने की खबर हुई। शव रक्तरंजित स्थिति में मिला। शरीर पर आधे कपड़े मौजूद थे और कई जगह कुल्हाड़ी से हमला करने के निशान मिले। घटना को लेकर कई एंगल होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। करतला पुलिस ने कहा फिलहाल घटना की वजह के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी है। मर्ग, पंचनामा के साथ अगली कार्यवाही की जा रही है।

कोरबा जिला मुख्यालय से लगभग 55 किलोमीटर दूर गनियार गांव में वर्ष 2026 के पांचवें दिन हुई इस घटना ने आसपास के इलाके को दहशत में ही नहीं बल्कि कई सवालों के घेरे में उलझा दिया। बताया गया कि ग्राम गनियारी में हत्या की खबर से सनसनी व्याप्त है। यहां के निवासी

नंदकुमार पटेल का शव एक स्थान पर जिस स्थिति में पाया गया उससे एक बात तो साफ हुई कि मामला हत्या का ही है। घटना को कुल्हाड़ी से अंजाम दिया गया।

उसके चेहरे से लेकर अन्य स्थानों पर कुल्हाड़ी से हमले के कई निशान पाए गए। घटना को अंजाम देने में हत्यारा एक था या संख्या ज्यादा थी, इस बारे में तथ्य जुटाए जा रहे हैं। बताया गया कि आज सुबह गांव के ही एक व्यक्ति ने नंदकुमार पटेल का लहूलुहान शव देखा। उसके शरीर पर जैकेट और अन्य कपड़े थे जबकि नीचे अंडर गारमेंट को छोड़ दूसरे कपड़े नहीं थे। इससे कई प्रकार के सवाल उठ रहे हैं। घटना की जानकारी आम हुई तो स्वाभाविक रूप से कोहराम मच गया। आनन-फानन में करतला पुलिस को सूचित किया गया। एएसआई कृष्णपाल सिंह तंवर और स्टाफ ने यहां पहुंच मुआयना किया। जानकारी दिए जाने पर कोरबा से फारेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड के साथ फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट ने यहां पहुंचकर कर स्थिति को समझा। अब तक की स्थिति में कोई ठोस सूचनाएं इस घटना को लेकर पुलिस के हाथ नहीं लगी है। थाना प्रभारी तंवर ने बताया कि जो कुछ देखने को मिला है उस एंगल पर शुरुआती जांच किए जा रहे हैं। घटना के पीछे कारण क्या रहा और किसकी भूमिका शामिल है, यह आगे के अनुसंधान के आधार पर तय हो सकेगी। वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया है और उनके मार्गदर्शन में संबंधित पड़ताल की जा रही है।

पिछले वर्ष भी हुए थे ऐसे कांड

वर्ष 2025 में भी पाली के जंगल सहित कुछ स्थानों पर ब्लाइंड मर्डर कांड हुए थे। जिनमें गला दबाकर हत्या करने के साथ शव को डेम में फेंक दिया गया या फिर उन्हें जलाने की कोशिश की गई। लंबी प्रक्रिया के बाद पुलिस ने इन मामलों की गुत्थी सुलझाई और आरोपियों को जेल भेजा।

हसदेव नदी पर एक और बरॉज की तैयारी

शासन से मिली मंजूरी, लिफ्ट एरिगेशन सिस्टम से होगी सिंचाई

कोरबा। कोरबा-चांपा मार्ग में ग्राम मड़वारानी के हसदेव नदी पर बैराज बनाने की योजना बनाई गई है। इसकी लागत 250 करोड़ होगी। सोलर सिस्टम से लिफ्ट इरीगेशन के माध्यम से 5 हजार हेक्टेयर में सिंचाई हो सकेगी। इससे क्षेत्र में पानी की समस्या भी नहीं रहेगी।

जानकारी के अनुसार हसदेव बांगो परियोजना ने मड़वारानी बैराज बनाने का प्रस्ताव भेजा था। इसे राज्य शासन ने बजट में भी शामिल किया है। इसके लिए एशियाई विकास बैंक से फंड ली जाएगी। 10 साल पहले जल संसाधन विभाग ने 19 गांवों में पेयजल की समस्या को देखते हुए एनीकट बनाने का निर्णय लिया था। जिला खनिज न्यास से इसकी मंजूरी भी मिल चुकी थी। परन्तु बाद में इस योजना को ही निरस्त कर दिया गया। इसके बाद राज्य शासन ने इस योजना को बजट में शामिल किया था। बैराज से लिफ्ट इरीगेशन से सिंचाई का सिस्टम से इसका संचालन होगा। इससे बिजली बिल की समस्या भी नहीं होगी।इसके साथ ही खेतों तक पानी पहुंचाने के लिए पाइप लाइन बिछाई जाएगी। जमीन अधिग्रहण करने की जरूरत नहीं होगी। कई योजनाएं जमीन नहीं मिलने के कारण आगे नहीं बढ़ पाती है। इस क्षेत्र में भू-जलस्तर भी काफी कमजोर है। जिसके कारण पीएचई ने समूह जलप्रपात योजना से गांवों तक पानी पहुंचाने का निर्णय लिया है। इस क्षेत्र से बांयी तट नहर भी गुजरी है। हसदेव बांगो परियोजना के अधीक्षण अभियंता एस.एल. द्विवेदी ने जानकारी देते हुए बताया की हसदेव नदी पर मड़वारानी बैराज बनाने की मंजूरी मिली है। प्रशासकीय और तकनीकी मंजूरी के लिए प्रयास कर रहे हैं। इससे क्षेत्र में सिंचाई क्षमता बढ़ जाएगी।

मानव-हाथी द्वंद प्रबंधन पर कार्यशाला का आयोजन

कोरबा। वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मानव-हाथी द्वंद्व प्रबंधन विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हाथी नियंत्रण केंद्र, चोटिया, वन परिक्षेत्र केंदई में किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य 'हाथियों से जनहानि शून्य तथा मानवों से हाथी हानि शून्य' सुनिश्चित करना रहा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के. के. बिसेन, सदस्य, सी.पी.ई.एम.सी. (प्रोजेक्ट टाइगर एवं हाथी डिवीजन), भारत सरकार उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता वनमण्डल अधिकारी कुमार निशांत द्वारा की गई। इस अवसर पर सहायक वन संरक्षक सुश्री यामिनी पोर्ते, वन परिक्षेत्र अधिकारी केंदई अभिषेक कुमार दुबे, वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, हाथी मित्र दल के सदस्य तथा स्थानीय ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों की भी सक्रिय सहभागिता रही, जिनमें भारत सिंह सिदार जनपद सदस्य, क्षेत्र क्रमांक-06,लाल बहादुर सरपंच ग्राम पंचायत लाद,जवाहर सिंह सरपंच ग्राम पंचायत परला,श्रीमती प्यारो बाई सरपंच ग्राम पंचायत चोटिया एवं अन्य सरपंच प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। कार्यशाला में मानव-हाथी द्वंद्व की वर्तमान स्थिति, उसके कारणों, हाथियों के विचरण मार्ग, प्रारंभिक चेतावनी तंत्र, त्वरित प्रतिक्रिया दल की भूमिका तथा जन-जागरूकता कार्यक्रमों पर विस्तृत चर्चा की गई। वक्ताओं द्वारा यह स्पष्ट किया गया कि मानव-हाथी द्वंद्व प्रबंधन का उद्देश्य मानव एवं हाथियों के सुरक्षित सहअस्तित्व को सुनिश्चित करना है। अंत में सभी सहभागियों से समन्वित प्रयासों के माध्यम से 'जनहानि शून्य - हाथी हानि शून्य' के लक्ष्य को प्राप्त करने का आह्वान करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

परला पहुंचे दो दंतैल

कोरबा।एतमानगर रेंज में विचरण कर रहे दो दंतैल हाथी बीती रात आगे बढ़कर केंदई रेंज के परला जंगल पहुंच गए हैं। दंतैल हाथियों को आज सुबह यहां के जंगल में विचरण करते हुए देखा गया। उसके बाद वन विभाग सतर्क हो गया है और हाथियों की निगरानी में जुट गया है।

शहर के बीच से एनएच, हो रही समस्याएं

कोरबा। कटघोरा में नेशनल हाइवे 130 का काम तीन किलोमीटर का रूका हुआ है। बायपास के अभाव में शहर के बीच से एनएच का उपयोग हो रहा है और इससे बार-बार समस्याएं पैदा हो रही है। बस स्टैंड से लेकर मुख्य मार्ग में जाम ने जनजीवन को बाधित किया है। इससे व्यवस्थित करने में पुलिस को लगातार मेहनत करना पड़ रहा है। खबर के अनुसार एनएच के जिस हिस्से का काम बाधित है उसके पीछे कटघोरा में पदस्थ रहे एक पूर्व प्रशिक्षु आईएएस शर्मा को जिम्मेदार माना जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि जुराली का क्षेत्र नगर पालिका के हिस्से में शामिल है और उस इलाके की जमीन के हिस्से का मूल्यांकन ग्रामीण क्षेत्र के आधार पर करा दिया। झमेला इसी बात को लेकर हो रहा है। कई मौके पर ग्रामीणों ने इस वजह से एनएच का कामकाज रूकवा दिया।

ऊर्जा पार्क में हुआ ब्रह्मकुमारी संस्थान का स्नेह मिलन

कोरबा। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के गेरवा घाट स्थित आध्यात्मिक उर्जा पार्क में नववर्ष के शुभ अवसर पर स्नेह मिलन समारोह का आयोजन हर्षोल्लास एवं आध्यात्मिक वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य नववर्ष का स्वागत आपसी प्रेम, सौहार्द और आत्मिक ऊर्जा के साथ करना रहा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाई-बहन एवं नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ ईश्वरीय स्मृति, दीप प्रज्वलन एवं मधुर गीतों के साथ हुआ। इसके पश्चात सभी ने नववर्ष को सकारात्मक सोच, श्रेष्ठ संकल्प और आत्मिक उन्नति के साथ प्रारंभ करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि शामिल एसईसीएल बलगी के सब एरिया मेनेजर देवेंद्र मेश्राम ने कहा कि नववर्ष स्नेह मिलन जैसे कार्यक्रम समाज में आपसी भाईचारे और सकारात्मक सोच को मजबूत

करते हैं। उन्होंने कहा कि आज के तनावपूर्ण जीवन में आध्यात्मिक ऊर्जा की अत्यंत आवश्यकता है, जिसे ब्रह्माकुमारी संस्था राजयोग ध्यान के माध्यम से सहज रूप से प्रदान कर रही है। उन्होंने आत्मिक ऊर्जा पार्क को शांति और प्रेरणा का केंद्र बताते हुए संस्था के सेवा कार्यों की सराहना की तथा सभी को नववर्ष में श्रेष्ठ विचार, श्रेष्ठ व्यवहार और श्रेष्ठ कर्म अपनाने का संदेश दिया।

बी.के.बिंदु दीदी ने अपने संदेश में कहा कि सच्चा नववर्ष तब मनाया जाता है जब हम अपने मन से नकारात्मक विचारों को छोड़कर सकारात्मकता को अपनाते हैं। राजयोग ध्यान के माध्यम से आत्मिक शक्ति को जागृत कर हम अपने जीवन को तनावमुक्त और आनंदमय बना सकते हैं। उन्होंने सभी को प्रतिदिन कुछ समय आत्मचिंतन और ध्यान के लिए निकालने की प्रेरणा दी। बी. के. रुक्मणि दीदी ने नववर्ष को 'नया संकल्प, नया संस्कार' बताते हुए कहा कि आत्मिक ऊर्जा से भरपूर जीवन ही सच्ची सफलता का आधार है। उन्होंने प्रेम, क्षमा और सहयोग को जीवन में अपनाने पर बल दिया तथा कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्था का उद्देश्य हर आत्मा को शांति और शक्ति का अनुभव कराना है। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों को ईश्वरीय सौगात एवं प्रसाद दिया गया। साथ ही सभी ने एक-दूसरे को नववर्ष की शुभकामनाएँ दीं तथा मधुर स्नेह मिलन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। यह आयोजन उपस्थित सभी के लिए प्रेरणादायक एवं यादगार रहा।

प्रगति लाइंस को पहले मैच में परास्त किया राठौर रॉयल्स ने

कोरबा। प्रगति नगर दीपका के श्रमवीर स्टेडियम में चल रहे दीपका प्रीमियर लीग (डीपीएल) क्रिकेट टूर्नामेंट में रविवार को खेले गए मुकाबले में राठौर रॉयल्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रगति लाइंस को 58 रनों से हरा दिया।

खेले गए मैच में राठौर रॉयल्स के कप्तान नकुल वर्मा तथा प्रगति लाइंस के कप्तान अमर पाल आमने-सामने थे। टॉस प्रगति लाइंस ने जीता और पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए राठौर रॉयल्स ने निर्धारित 20 ओवर में ताबड़तोड़ खेल दिखाते हुए 184 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा कर दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी प्रगति लाइंस 20 ओवर में 8 विकेट खोकर सिर्फ 126 रन ही बना सकी। सुबह 10 बजे शुरू हुए इस रोमांचक मुकाबले में राठौर रॉयल्स के खिलाड़ी मनीष राठौर को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया, वहीं बेस्ट बॉलर का पुरस्कार नागेश्वर को मिला। भाजपा मंडल उपाध्यक्ष रोहित राठौर ने कहा कि स्थानीय क्षेत्र के युवाओं में खेल भावना को प्रोत्साहित करने यह आयोजन सराहनीय है। खिलाड़ियों को सुशील तिवारी, आनंद राठौर और आशीष सिंह ने पुरस्कार प्रदान किया।

कोल लिफ्टर्स के दो पक्षों में विवाद और मारपीट को लेकर हो रही जांच

कोरबा। एसईसीएल गेवरा में पिछली शाम कोल लिफ्टर्स के दो पक्षों में विवाद के बाद लात-घूसे चलने के मामले में पुलिस ने अपराध दर्ज किया है। थाना प्रभारी प्रेमचंद साहू ने बताया कि संबंधित तथ्यों की पड़ताल के साथ आगे जांच और कार्यवाही होगी।

एनटीपीसी में क्रिकेट टूर्नामेंट शुरु

उद्घाटन मैच में कोरबा ने हराया सीपत को

कोरबा। आईआरएसएम-डब्ल्यूआर-2 क्रिकेट टूर्नामेंट 2025-26 का शुभारंभ मानसरोवर स्टेडियम, एनटीपीसी कोरबा में अत्यंत उत्साह और सांस्कृतिक गरिमा के साथ किया गया। 4 से 8 जनवरी तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में कोरबा, सीपत, लारा, गाडरवारा, खरगोन एवं रायपुर की टीमें भाग ले रही हैं।

उद्घाटन समारोह की अगुवाई बिभास घटक, बिजनेस यूनिट हेड, एनटीपीसी कोरबा ने की। इस अवसर पर सत्रुघ्न बेहरा, महाप्रबंधक (ओ एंड एम) की गरिमामयी उपस्थिति रही। श्रीमती सुभ्रा घटक, अध्यक्ष, मैत्री महिला समिति, विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। समारोह का मुख्य आकर्षण टूर्नामेंट लोगो, शुभंकर 'नंदी' एवं विजेता ट्रॉफी का अनावरण रहा, जिसे कार्यकारी निदेशक, कोरबा द्वारा किया गया। नंदी, छत्तीसगढ़ के राज्य पशु गौर (भारतीय बाइसन) से प्रेरित है, जो शक्ति, सहनशीलता और संरक्षण का प्रतीक है।

इस अवसर पर बिभास घटक ने कहा कि खेल अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता को विकसित करते हैं। इस टूर्नामेंट के माध्यम से हम फिटनेस, निष्पक्ष खेल और आपसी सौहार्द को बढ़ावा देना चाहते हैं। समारोह में सभी टीमों द्वारा मार्च-पास्ट, टीम कप्तानों द्वारा मशाल प्रज्वलन, फेयर प्ले एवं फिटनेस शपथ, तथा गुब्बारे छोड़कर टूर्नामेंट का औपचारिक शुभारंभ किया गया। पहले मैच से पूर्व तीरंदाजी एवं कलारीपयट्टू की शानदार प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया तथा खिलाड़ियों में उत्साह और खेल भावना का संचार किया। बीयूएच कोरबा एवं महाप्रबंधक (ओ एंड एम) द्वारा प्रतीकात्मक प्रथम किक-ऑफ किया गया। उद्घाटन मैच कोरबा एवं सीपत के बीच खेला गया, जिसमें कोरबा टीम ने विजय प्राप्त की। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिकारी, मैत्री महिला समिति के सदस्य, खेल परिषद, यूनियन एवं एसोसिएशन प्रतिनिधि, कल्याणकारी संस्थाएं, विभागाध्यक्ष एवं एनटीपीसी कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

समाज को संगठित करना समय की आवश्यकता : जयसिंह

कोरबा। छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन (सम्मेलन) की प्रांतीय कार्यकारिणी बैठक एवं तृतीय कार्यकारिणी सभा का आयोजन 04 जनवरी को कृष्णा हुंडई परिसर, कोरबा में अत्यंत गरिमामय एवं विचारोत्तेजक वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

सम्मेलन के प्रथम सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने सहभागिता करते हुए कहा कि इस सम्मेलन के प्रथम सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता करना मेरे लिए सम्मान के साथ-साथ एक महत्वपूर्ण सामाजिक उत्तरदायित्व भी है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि अग्रवाल समाज को संगठित, सशक्त एवं प्रभावी सामाजिक शक्ति के रूप में स्थापित करना समय की आवश्यकता है। समाज की राजनीतिक एवं सामाजिक भागीदारी को बढ़ाना, युवाओं और महिलाओं को नेतृत्व की मुख्यधारा में लाना, तथा संगठनात्मक ढांचे को जमीनी स्तर तक मजबूत करना आज के दौर की

प्राथमिक आवश्यकता है।

बैठक में इस बात पर भी सर्वसम्मति से सहमति बनी कि बदलते सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य में समाज की एकजुटता, वैचारिक स्पष्टता और सामूहिक नेतृत्व ही उसकी वास्तविक शक्ति है। समाज के हितों की रक्षा, सामाजिक न्याय, शिक्षा, रोजगार एवं समग्र विकास से जुड़े मुद्दों पर संगठित और सशक्त आवाज़ उठाना अत्यंत आवश्यक है। श्री अग्रवाल ने कहा कि इस प्रकार के सम्मेलन न केवल समाज की दिशा और दशा तय करते हैं, बल्कि सामाजिक चेतना, उत्तरदायित्व एवं भविष्य की रणनीति को भी स्पष्ट रूप देते हैं। अंत में उन्होंने इस सफल आयोजन के लिए सभी पदाधिकारियों, आयोजकों एवं सहभागियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

दिव्य ज्योति छात्रावास के बच्चों को किया चॉकलेट का वितरण

कोरबा। हर वर्ष 4 जनवरी को विश्व ब्रेल दिवस मनाया जाता है, जो दृष्टिबाधित एवं नेत्रहीन व्यक्तियों के लिए शिक्षा और संचार का सशक्त माध्यम बनी ब्रेल लिपि के महत्व को रेखांकित करता है। यह दिवस ब्रेल लिपि के आविष्कारक लुई ब्रेल की जयंती के रूप में भी मनाया जाता है, जिन्होंने कम उम्र में यह क्रांतिकारी स्पर्शनीय लिपि विकसित की। इस अवसर पर शहर के वरिष्ठ अधिवक्ता धनेश कुमार सिंह ने ना केवल अपनी भावनाएं शेयर की बल्कि आईटीआई रामपुर स्थित रोटरी क्लब द्वारा संचालित दिव्य ज्योति छात्रावास में जाकर वहां के बच्चों को शुभकामनाएं दी। यहां उन्होंने मूक बधिर और दृष्टि बाधित बच्चों में चॉकलेट वितरित किया और उनका हाल जाना।

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रासंपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोन: 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com